रायपुर। मंगलवार, 22 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष एकादशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 51/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन...
@ विचार दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जेन जी...
@ व्यापार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार को मिला सपोर्ट...

खबर झरोखा

आईपीएल 2027 : चेन्नई सुपर किंग्स के जहीर खान होंगे हेड कोच



चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने सोमवार को भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को आगामी सीजन के लिए अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम में जहीर ने स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टीम के लगातार तीसरी बार प्लेऑफ में न पहुच पाने के बाद यह पद छोड़ दिया था। इसके साथ ही फ्लेमिंग का फ्रेंचाइजी के साथ 18 साल का साथ भी खत्म हो गया।

दुबई के शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुख



नई दिल्ली। दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के छोटे भाई शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। शेख 76 साल के थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'शेख अहमद बिन राशिद अल मकतूम के निधन से काफी आहत हूं। समाज के कल्याणार्थ जो उन्होंने किया उसे पीढ़ियां याद रखेंगी।

हर जगह भ्रष्टाचार है, मैंने आज उसे देखा: फाइटर सुचिका तरियाल

सेमीफाइनल में विवादित हार के बाद लगाया गंभीर आरोप

एजेंसी ■ नागोया

भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल ने सोमवार को ट्रेडिशनल 60 किलोग्राम इवेंट के सेमीफाइनल में विवादित हार और आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) की अपील हारने के बाद 'भ्रष्टाचार' के आरोप लगाए हैं।

सुचिका सिंगापुर की हुई हून टून के खिलाफ सेमीफाइनल में फाइट पर दबदबा बनाने के बावजूद हार के फैसले से निराश नजर आईं। फैसले के बाद उन्होंने आर्बिट्रेशन के लिए विरोध जताया। आर्बिट्रेशन के दौरान, जजों ने मुकाबले की समीक्षा की और इसे ड्रॉ घोषित कर दिया।

एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन (एएमएमए) के नियमों के अनुसार, ड्रॉ की स्थिति में कम वजन वाली फाइटर को विजेता घोषित किया जाता है। सुचिका ने इस विवादित फैसले और आर्बिट्रेशन के बाद मेडल गंवाने पर नाराजगी जताई और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।सुचिका ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि उसे ही जीतना था, क्योंकि फेडरेशन सिंगापुर का है। अगर मेरा वजन थोड़ा कम भी होता, तो भी फैसला मेरे खिलाफ ही होता।



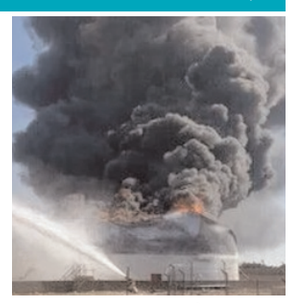
उन्होंने सब कुछ वजन पर डाल दिया। उन्होंने अपने देश के बारे में सोचा, खिलाड़ी के बारे में नहीं। हर जगह भ्रष्टाचार है; मैंने आज यहां भी इसे देखा है।'

सुचिका ने दावा किया कि वह फाइट के बाद रेफरी के फैसले से सहमत नहीं थीं, क्योंकि मुकाबले में उनका ही दबदबा था। उन्होंने कहा, 'मैंने अपना शत प्रतिशत दिया। मैं उस फैसले से भी सहमत नहीं हूं जो उनके पक्ष में गया, क्योंकि मुझे लगा कि मैं जीतने वाली हूं। मुझे अभी भी लगता है कि मैं जीत रही थी, क्योंकि दोनों राउंड में मैंने बहुत अच्छा मुकाबला किया और मेरा दबदबा था। आखिरी मिनट में, वह पीछे भाग रही थीं। मैं उनका मुकाबला कर रही थी। मैं स्कोर कर रही थी और वह दूर जा रही थीं, लेकिन फिर भी फैसला उनके पक्ष में आया। मैं इससे सहमत नहीं थी और मैंने इसे स्वीकार भी नहीं किया, लेकिन मेडल मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' सुचिका ने बताया, 'मैं मूलत: उत्तराखंड से हूं, मगर दिल्ली में पली-बढ़ी और शादी हरियाणा में हुई। मेरे मायके में मम्मी-पापा, हम 4 बहनें और 1 भाई है। ससुराल में सासू मां और एक भैया हैं, जो काफी सपोर्ट करते हैं। मेरी शादी को 6-8 साल हो गए हैं, उन्होंने किसी चीज के लिए कभी रोका नहीं है। मुझे दोनों परिवार से भरपूर सपोर्ट मिला है।

यमन के हैफन पर एयर स्ट्राइक

हूती का आरोप 'ये सऊदी की कार्रवाई'

एजेंसी ■ साना



हूती ने दावा किया है कि सऊदी अरब ने ताइज के हैफन जिले पर हवाई हमला किया है। हूती संचालित अल-मसीरा टेलीविजन रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के विमानों ने ये कार्रवाई की।

ये हवाई हमले पश्चिमी यमन में जमीनी स्तर पर हूती विद्रोहियों के तेजी से आगे बढ़ने के बाद हुए हैं; इस दौरान समूह ने यमन के लाल सागर तट के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से सटे इलाकों की ओर बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि महीने की शुरुआत से यमन में जारी संघर्ष के कारण 1,25,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

अल-मसीरा ने सरकारी सूत्र के हवाले से दावा किया है कि अल-जाहिर गांवों और हैदान के कुछ हिस्सों पर सऊदी हमला जारी है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 घंटों में इन इलाकों पर 135 से ज्यादा मिसाइलें और गोले दागे गए हैं।

इसी तरह सीमावर्ती जिलों राजिह और शादा पर सऊदी तोपखाने से हमले की भी खबर है। वहीं यमन के हूती का कहना है कि रात भर सहर जिले पर भी गोलाबारी की गई। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सादा प्रांत के कई इलाकों में सऊदी हमले बढ़ गए हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों व गांवों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

हूती का आरोप है कि सऊदी अरब ने उनके नियंत्रण वाले इलाकों पर पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों हवाई हमले (एयरस्ट्राइक) किए हैं, जिसमें वॉच टॉवर और दूरसंचार (टेलीकम्युनिकेशन) टावर तबाह हो गए हैं।

पिछले कुछ दिनों में हूती रियाद के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखी है। हूती इसे जवाबी कार्रवाई बताता रहा है। हूती विद्रोहियों ने पिछले दिनों सऊदी अरब की राजधानी स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास और यानबू स्थित अरामको की रिफाइनरी को बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाने का दावा किया।

तो सऊदी गठबंधन ने मिसाइल को हवा में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट करने की पुष्टि की है। हूती इससे पहले यमन के मारिब प्रांत में सऊदी अरब के एक एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराने का भी दावा करते हुए एक वीडियो जारी कर चुका है, हालांकि सऊदी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

आईआईटी बॉम्बे छात्र मौत मामला: डूला के समर्थन में फैकल्टी का मार्च; पिता बोले- जाति के नाम पर किया परेशान

एजेंसी ■ मुंबई

आईआईटी बॉम्बे छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। प्रो. सूर्यनारायण डूला के समर्थन में फैकल्टी फोरम ने मार्च निकाला, जबकि साहिल के पिता ने प्रोफेसर और संस्थान पर जातीय भेदभाव व उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। मामले में एफआईआर दर्ज है और क्राइम ब्रांच जांच कर रही है।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में विवाद लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को संस्थान के फैकल्टी फोरम ने प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला के समर्थन में मार्च निकाला। डूला को मामले के बीच डीन (एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स) की जिम्मेदारी से हटा दिया गया है। हालांकि, फैकल्टी फोरम ने स्पष्ट किया कि उन्हें संस्थान की फैकल्टी सेवा से निलंबित



नहीं किया गया है और वह अभी भी शिक्षक के रूप में संस्थान का हिस्सा हैं। साहिल वाकोडे की 18 सितंबर को आईआईटी बॉम्बे के पवई कैंपस स्थित हॉस्टल के कमरे में मौत हो गई थी। वह एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के दूसरे वर्ष के छात्र थे। उनकी मौत के बाद कैंपस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। आईआईटी बॉम्बे फैकल्टी फोरम के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार एस. पंत ने बयान जारी कर कहा कि प्रो. डूला को प्रशासनिक जिम्मेदारियों से जांच को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाने के लिए हटाया गया है।

मृत्युदंड से दंडित नक्सली प्रमिला कड़ती के पिता ने राष्ट्रपति से लगाई जीवनदान की अपील

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बहुचर्चित झीरम हमला केस में हालिया एनआइए ट्रायल कोर्ट की ओर से मृत्यु दंड से दण्डित अभियुक्तों में से एक प्रमिला कड़ती के पिता ने राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट को मार्मिक पत्र कर प्रमिला के निर्दोष होने व सविंधान के आर्टिकल 19 का हवाला देते हुए रिहाई की अपील की है। साथ ही प्रकरण की पुन: समीक्षा की मांग भी की है।



पुलिस पर गंभीर आरोप

प्रमिला के पिता सोनू कड़ती की ओर से प्रेषित पत्र में जिक्र किया गया है कि प्रमिला निवासी गौरना बीजापुर पूर्व में नक्सल संगठन का हिस्सा अवश्य थी और वहीं उसकी शादी रमेश गोरना से हुई थी, परंतु झीरम घाटी हमले (25 मई 2013) से बहुत पहले ही वह संगठन छोड़ चुकी थी और अपने घर पर रहकर सामान्य जीवन जी रही थी। उस दुर्भाग्यपूर्ण हमले में उसकी कोई संलिप्तता नहीं थी।उक्त हमले में उसका पति (रमेश) शामिल था। हमले के पश्चात जब पुलिस द्वारा आरोपियों की सघन तलाशी की जा रही थी, तब किसी मुखबिर की सूचना पर पुलिस उसके गांव (गोरना) आई और उसे (प्रमिला को) उसके घर से जबरन हिरासत में ले लिया।

दबाव में कबूला अपराध

परिजनों के पत्र के अनुसार हिरासत के दौरान प्रमिला को प्रताड़ित किया गया और जुल्म कबूलने के लिए विवश किया गया। अपने पति को बचाने तथा पुलिस की ज़्यादती से बचने के लिए, अत्यधिक दबाव व भय में आकर उसने अपने पति का जुर्म अपने ऊपर ले लिया था। यही स्वीकारोक्ति उसके विरुद्ध मुख्य साक्ष्य बन गई।

आर्टिकल 21 का हवाला

प्रमिला के परिवार ने (अनुच्छेद 21) की दुहाई देते कहा कि यह अनुच्छेद देश के प्रत्येक वाक्ति को 'प्राण और दैहिक स्वतंत्रता' (Right to Life and Personal Liberty) तथा गरिमापूर्ण जीवन जीने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। अत्यधिक दबाव में लिए गए एक इकबालिया बयान के आधार पर एक महिला को आजीवन कारावास में रखना इस नैसर्गिक न्याय और संवैधानिक अधिकार के विपरीत प्रतीत होता है। शासन की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के तहत कई बड़े और दुर्दांत नक्सली कमांडरों को समाज की मुख्यधारा में लौटने और नया जीवन शुरू करने का अवसर दिया गया है। क्या एक महिला को अपना जीवन सुधारने और परिवार के पास लौटने का एक अंतिम अवसर नहीं मिलना साहिए?

पत्र के माध्यम से मामले की मानवीय दृष्टिकोण से पुनर्समीक्षा करने, क्षमादान प्रदान कर, समाज की मुख्यधारा में एक शांतिपूर्ण नागरिक के रूप में जीवन यापन करने का अवसर प्रदान करने की गुहार लगाई गई है। आवेदन की प्रति प्रधान मंत्री व गृह मंत्री को भी दी गई है।

तीर तेवर — सागर कुमार



जमुई मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

पटना। बिहार के जमुई में दो स्कूली छात्रों के साथ कथित उत्पीड़न का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले पर बिहार राज्य महिला आयोग ने भी संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्काल एसपी को पत्र लिखा गया और जमुई के डीएम से पूरे मामले की विस्तृत जानकारी ली गई। आईएएनएस से बातचीत में अप्सरा ने बताया कि महिला आयोग को सोमवार सुबह मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिली। इसके बाद आयोग की ओर से तत्काल कार्रवाई शुरू की गई और स्थानीय प्रशासन से मामले की रिपोर्ट मांगी गई।



भाटागांव सब्जी बाजार में चला निगम का बुलडोजर

250 से ज्यादा दुकानदार मंडी में शिफ्ट

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर के भाटागांव सब्जी बाजार में नगर निगम ने सड़क किनारे लग रही दुकानों को हटाकर 250 से ज्यादा दुकानदारों को मंडी में शिफ्ट किया। कार्रवाई के बाद दुकानदारों ने पर्याप्त जगह नहीं मिलने की शिकायत की।

रायपुर के भाटागांव सब्जी बाजार में निगम की बड़ी कार्रवाई, सड़क से हटाई दुकानें; 250 से ज्यादा दुकानदार मंडी में शिफ्ट राजधानी रायपुर के भाटागांव सब्जी बाजार में नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे लगने वाली सब्जी दुकानों को हटा दिया है। लंबे समय से सड़क पर संचालित हो रही दुकानों को हटाकर अब मंडी परिसर में शिफ्ट किया गया है।

दुकानों पर चला बुलडोजर

कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अमले ने सड़क किनारे लगी दुकानों और अस्थायी ढांचों को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। निगम की इस कार्रवाई के बाद सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराने की प्रक्रिया पूरी की गई।

250 से ज्यादा दुकानदारों को मंडी में जगह

नगर निगम के मुताबिक कार्रवाई के दौरान 250 से ज्यादा सब्जी दुकानदारों को सड़क से हटाकर मंडी परिसर में जगह उपलब्ध कराई गई है। निगम का उद्देश्य सड़क पर लगने वाले बाजार को व्यवस्थित करना और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना है।

अतिक्रमण हटाने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने का दावा

नगर निगम का कहना है कि सड़क किनारे सब्जी दुकानें लगने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। इसी को देखते हुए सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने और आवागमन को बेहतर बनाने के लिए यह कार्रवाई की गई है।





कार्रवाई के बाद दुकानदारों में नाराजगी

वहीं निगम की कार्रवाई के बाद सब्जी दुकानदारों की नाराजगी भी सामने आई है। दुकानदारों का कहना है कि उन्हें जिस मंडी परिसर में शिफ्ट किया गया है, वहां पर्याप्त और उपयुक्त जगह उपलब्ध नहीं है।

नई जगह पर दुकान लगाने में परेशानी

दुकानदारों के मुताबिक मंडी में उपलब्ध जगह पर दुकान लगाने और कारोबार संचालित करने में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि पर्याप्त जगह नहीं मिली तो रोजाना के कारोबार पर इसका सीधा असर पड़ सकता है।

रोजी-रोटी और कारोबार को लेकर चिंता

सड़क से हटाकर मंडी में शिफ्ट किए जाने के बाद दुकानदारों के सामने अब अपनी रोजी-रोटी और कारोबार को लेकर चिंता भी खड़ी हो गई है।

दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से इसी स्थान पर अपना व्यवसाय कर रहे थे और अचानक व्यवस्था बदलने से उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं।

उचित व्यवस्था और पर्याप्त जगह की मांग

दुकानदारों ने नगर निगम से मांग की है कि मंडी परिसर में उनके लिए पर्याप्त और व्यवस्थित जगह उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे बिना परेशानी अपना कारोबार जारी रख सकें। अब निगम की ओर से दुकानदारों की इन समस्याओं को किस तरह दूर किया जाता है, इस पर नजर रहेगी।

सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं' में सेल को 25वां स्थान

विश्व केसरी■

रायपुर। प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन और स्टेटिस्टा द्वारा किए गए 'वर्ल्ड्स बेस्ट एम्प्लॉयर्स' सर्वेक्षण में देश की प्रमुख इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को भारत के शीर्ष 500 नियोक्ताओं में 25वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि कार्यस्थल के उत्कृष्ट वातावरण, समावेशी नीतियों और कर्मचारी अनुभव के क्षेत्र में देश की अग्रणी संस्थाओं के रूप में सेल की स्थिति को और मजबूत करती है।

यह रैंकिंग देशभर के विभिन्न संगठनों में कार्यरत कर्मचारियों से प्राप्त व्यापक और प्रत्यक्ष सर्वेक्षण पर आधारित है। इस प्रक्रिया में कर्मचारियों से अपने स्वयं के संगठन और अपने क्षेत्र के अन्य नियोक्ताओं की अनुशंसा करने की इच्छा के संबंध में फीडबैक लिया गया था। यह सम्मान सेल द्वारा कर्मचारी-केंद्रित संगठन के निर्माण, बेहतर कार्य संस्कृति और आधुनिक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहचान है। कंपनी कर्मचारी कल्याण, सहभागिता, निरंतर सीखने और विकास, सुरक्षित कार्यस्थल वातावरण तथा व्यावसायिक प्रगति के अवसरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई रणनीतिक पहल संचालित कर रही है।

अपने एकीकृत इस्पात संयंत्रों, खदानों और अन्य परिचालन इकाइयों में फैले एक विशाल और विविध कार्यबल के साथ, सेल एक समावेशी, प्रगतिशील और परिणाम-उन्मुख कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। टाइम मैगजीन और स्टेटिस्टा की यह वैश्विक पहचान सेल की विकास यात्रा में एक नया मील का पत्थर है, जो अपने कार्यबल के प्रति संगठन के समर्पण और संगठनात्मक उत्कृष्टता को रेखांकित करती है।

भिलाई में नवजात शिशु पुनर्जीवन पर हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

विश्व केसरी■

रायपुर। गुणवत्तापूर्ण नवजात देखभाल को सुदृढ़ करने और नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाने के उद्देश्य से, जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी), सेक्टर-9, भिलाई में 'नेशनल बेसिक न्यूनेटल रिससिटेशन प्रोग्राम (NRP) - फर्स्ट गोल्डन मिनट (FGM)' कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह क्षमता निर्माण कार्यशाला भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के अंतर्गत, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (IAP) छत्तीसगढ़ और नेशनल न्यूनेटोलॉजी फोरम (NNF) के सहयोग से आयोजित की गई।



कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि जन्म के बाद के पहले 60 सेकंड नवजात शिशु के पुनर्जीवन (रिससिटेशन) के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समयावधि के दौरान समय पर और उचित हस्तक्षेप नवजात शिशुओं की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि संरचित और कौशल-आधारित प्रशिक्षण से स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता में सुधार होता है, जिससे रोकी जा सकने वाली नवजात मौतों को कम करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. समबीता पांडा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष (बाल रोग एवं न्यूनेटोलॉजी), के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी श्री संजय शर्मा, महाप्रबंधक (एमएंडएस); श्री संजय दवे, महाप्रबंधक (एमएंडएचएस); डॉ. सुबोध साहा, एसीएमओ एवं प्रभारी (एनआईसीयू); तथा डॉ. नीना गुहा, एसीएमओ एवं विभागाध्यक्ष (स्त्री एवं प्रसूति रोग) भी उपस्थित रहे।

दैनिक विश्व केसरी प्रतिनिधि प्रवीण ढोमने की विशेष प्रस्तुति



समृद्ध गणेश उत्सव समिति टीटी आई कसडोल



बाजार चौक कसडोल छत्तीसगढ़

निशुल्कःरक्त दान शिविर में छात्र-छात्राओ ने दी सहभागिता

विश्व केसरी■

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय, रायपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में 18 सितंबर 2026 को विशाल स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस शिविर का संचालन प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी और राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत साहू के मार्गदर्शन में हुआ।



शिविर में 500 विद्यार्थियों व प्राध्यापकों की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। नेत्र परीक्षण, रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी और आरबीएस सहित विभिन्न जांचें की गईं। एसजी नेत्र चिकित्सालय के विकास, बृजेश और विवेक ने विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया। वहीं, आईएलएस चिकित्सालय के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. जावेत्री ने अपनी टीम के साथ छात्राओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया।

शिवनाथ ब्लड सेंटर, गुरुद्वारा देवेंद्र नगर से मेडिकल सोशल वर्कर मिस निधि और उनकी तकनीशियन टीम ने विद्यार्थियों की रक्त संबंधी जांच की तथा स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व और प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया। शिविर में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सामाजिक उत्तरदायित्व और मानव सेवा की मिसाल पेश की। आयोजन को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवकों दुर्गेश साहू, गुलशन, प्रशांत, प्रांजल, लिपाक्षी, महक, आकांक्षा, शिल्पी, कृष्णा, सिमरन, तनुजा, अंशिका, अनुप्रिया, प्रखर, पलक साहू, कनक और आर्यन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने शिविर को स्वास्थ्य जांच और रक्तदान से आगे बढ़ाकर सामाजिक जागरूकता, सहयोग और मानवीय संवेदना का प्रभावी मंच बना दिया।

इस आयोजन के माध्यम से युवाओं ने संदेश दिया कि स्वस्थ, जागरूक और संवेदनशील विद्यार्थी ही सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान को प्रोत्साहित करने वाला यह शिविर महाविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

शपथ पत्र

मैं आसमन कश्यप आयू 42 वर्ष पिता देवदास कश्यप निवासी 3/11 तेतरखुटी पारा अघनपुर छत्रपति शिवाजी वार्ड न0 35 जगदलपुर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0म0 दिन न0 494001 का निवासी हूँ जों कि मैं शपथ पूर्वक निम्न कथन करता हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 6009 8342 8417 में नाम आशमन कश्यप पिता देवदास कश्यप (**ASHMAN KASHYAP S/O DEVDAS KASHYAP)** दर्ज है मेरे नाम कि स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण है।

यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक **AJV0716878** में नाम आसमन कश्यप पिता देवदास कश्यप (**AASMAN KASHYAP S/O DEVDAS KASHYAP)** में दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 6009 8342 8417 में नाम आशमन कश्यप पिता देवदास कश्यप (**ASHMAN KASHYAP S/O DEVDAS KASHYAP)** को सुधार कर मतदाता परिचय पत्र में

दर्ज वास्तविक नाम आसमन कश्यप पिता देवदास कश्यप **(AASMAN KASHYAP S/0 DEVDAS KASHYAP)** को दर्ज कराना चाहता हूँ

भविष्य में मेरे नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी ।

अत: यह शपथ पत्र मेरे नाम की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है

शपथकर्ता
आसमन कश्यप

शपथ पत्र

मैं काजल कश्यप आयु 21 वर्ष पत्ति पदम कश्यप निवासी ग्राम 130 आवासपारा कुम्हली आमागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 की निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 8449 6736 4076 में नाम पानवाली पिता जगबन्धू (PANVALI D/0 JAGBANDU) पता भतरा पारा, बालपुटी, चितालूर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0ग0 दर्ज है मेरे विवाह के पूर्व का नाम आधार कार्ड में नाम व पता दर्ज है। मेरा विवाह पदम कश्यप पता 130 आवासपास कुम्हली आमागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 के साथ हुआ है।

विवाह के पश्चात में अपना नाम काजल कश्यप पति पदम कश्यप पता 130 आवासपारा कुम्हली आगामुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 70ग0 के नाम से जानी पहचानी जाती हूँ।

यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक AJV17361470 में मेरा नाम काजल कश्यप पति पदम कश्यप **(KAJAL KASHYAP W/0 PADAM KASHYAP)** पता 130 आवासपारा कुम्हली आमागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 8449 6736 4076 में नाम पानवाली पिता जगबन्धू (PANVALI D/0 JAGBANDU) पता भतरा पारा, बालपुटी, चितालूर तहसील जगदलपुर जिला बस्तर छ0ग0 को सुचार कर मेरे मतदाता परिचय पत्र में नाम काजल कश्यप पति पदम कश्यप (KAJAL KASHYAP W/0 PADAM KASHYAP) पता 130 आवासपारा कुम्हली आमागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ.ग. को दर्ज कराना चाहती हूँ

भविष्य में मेरे नाम एवं पता को बदलने के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी ।

अत: यह शपथ पत्र मेरे नाम एवं पता की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है

शपथकर्ता
काजल कश्यप

शपथ पत्र

मैं सोमारी बघेल आयू 32 वर्ष पति, हरेश बघेल निवासी ग्राम खासपारा बिलोरी तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 की निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2149 6667 8024 में नाम समारी बघेल पति हरेश बघेल (**SAMARI BAGHEL W/0 HARESH BAGHEL**) दर्ज है जो कि मेरे नाम कि स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण है जिससे नाम त्रुटिपूर्ण है।

यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक **AJV1488329** में मेरा नाम सोमारी बघेल पति हरेश बघेल (SOMARI BAGHEL W/0 HARESH BAGHEL) दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2149 6667 8024 में नाम समारी बघेल पति हरेश बघेल **(SAMARI BAGHEL W/O HARESH BAGHEL)** को सुधार कर मेरे मतदाता परिचय पत्र में नाम सोमारी' बघेल पति हरेश बघेल **(SOMARI BAGHEL W/0 HARESH BAGHEL)** को दर्ज कराना चाहती हूँ

भविष्य में मेरे नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी । अत: यह शपथ पत्र मेरे नाम की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
सोमारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35552..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35552

वार्ड का नाम - 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663P00220** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUMITRA DOLAI W/O UTTAM DOLAI, PINTU DOLAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **BHAGIRAT DOLAI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **PINTU DOLAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O BHAGIRATHI DOLAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35493..../ न. पा. नि.
/जोन क्रं - 6/2026
रायपुर, दिनांक 19-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35493

वार्ड का नाम - 63 - ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455J0025A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DINESH KUMAR PAL, MAHESH KUMAR PAL** पिता / पति श्री/श्रीमती.. **LT.SUKHNANDAN PAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MAHESH KUMAR PAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **SUKHNANDAN PAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /.. पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35520..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35520

वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652F00730** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **DHARMENDRA KUMAR SAHU** पिता / पति श्री/श्रीमती **LEKH RAM SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KAVITA DEWANGAN** पिता/पति श्री श्रीमती **W/O GHANSHYAM DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35522..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 21-09-2026

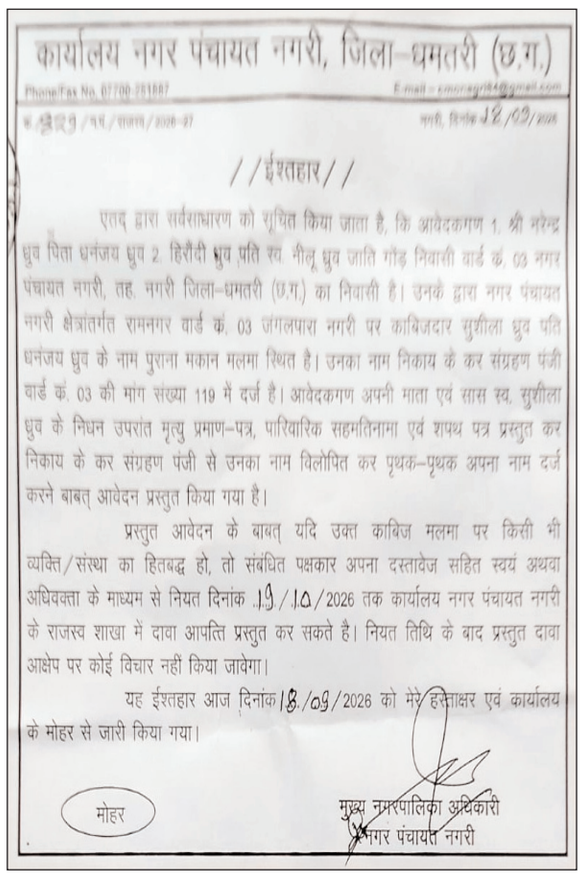
इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35522

वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652D00126** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **Niranjan Kumar Dewangan** पिता / पति श्री श्रीमती **LATE. ZOGHAN DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **ABDUL KARIM QURAISHI** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O ABDUL WAHAB QURAISHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पंचायत नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

//इश्तिहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण 1. श्री नरेन्द्र ध्रुव पिता धनंजय ध्रुव 2. हिरौदी ध्रुव पति स्व. नीलू ध्रुव जाति गौंड़ निवासी वार्ड कं. 03 नगर पंचायत नगरी, तह. नगरी जिला-धमतरी (छ.ग.) का निवासी है। उनके द्वारा नगर पंचायत नगरी क्षेत्रांतर्गत रामनगर वार्ड कं. 03 जंगलपारा नगरी पर काबिजदार सुशीला ध्रुव पति धनंजय ध्रुव के नाम पुराना मकान मलमा स्थित है। उनका नाम निकाय के कर संग्रहण पंजी वार्ड कं. 03 की मांग संख्या 119 में दर्ज है। आवेदकगण अपनी माता एवं सास स्व. सुशीला ध्रुव के निधन उपरांत मृत्यु प्रमाण-पत्र, पारिवारिक सहमतिनामा एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर निकाय के कर संग्रहण पंजी से उनका नाम विलोपित कर पृथक-पृथक अपना नाम दर्ज करने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत आवेदन के बाबत् यदि उक्त काबिज मलमा पर किसी भी व्यक्ति/संस्था का हितबद्ध हो, तो संबंधित पक्षकार अपना दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 19/10/2026 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 18/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

मोहर

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

दैनिक विश्व केशरी ब्यूरोचीफ से नंदकिशोर शुक्ल की खास बातचीत

'किसी भी समाज की पहचान उसकी भाषा, संस्कृति और लोकजीवन से होती है'

विशेष साक्षात्कार : सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

बिलासपुर। 'अपनी ही धरती पर अपनी मातृभाषा के सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़े, इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी?' नंदकिशोर शुक्ल। छत्तीसगढ़ी भाषा को मातृभाषा के रूप में सम्मान और व्यापक व्यवहारिक स्थान दिलाने के लिए वर्षों से संघर्षरत 85 वर्षीय नंदकिशोर शुक्ल इन दिनों भी अपने अभियान को लेकर उतने ही मुखर हैं, जितने अपने युवावस्था के दिनों में रहे होंगे। उम्र के इस पड़ाव पर भी भाषा के प्रति उनकी चिंता और प्रतिबद्धता कम नहीं हुई है। वे मानते हैं कि किसी भी समाज की पहचान उसकी भाषा, संस्कृति और लोकजीवन से होती है। ऐसे में अपनी ही धरती की भाषा को उसके समुचित सम्मान, शिक्षा और प्रशासनिक उपयोग का अवसर न मिलना गंभीर चिंता का विषय है।

इसी मुद्दे पर दैनिक विश्व केशरी के बिलासपुर संभागीय ब्यूरो चीफ सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' से हुई खास बातचीत में बिना लाग लपेट के बिना किसी भूमिका के सबसे पहले यह कहते हुए अपनी बातचीत के दौरान आगे पूछे गए सवालों पर शुक्ल ने छत्तीसगढ़ी भाषा की वर्तमान स्थिति, शिक्षा में उसके उपयोग, रोजगार के अवसर, प्रशासनिक कामकाज में स्थान तथा नई पीढ़ी की भूमिका सहित विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।

सवाल : आप लंबे समय से छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज की स्थिति को किस रूप में देखते हैं?

नंदकिशोर शुक्ल : मैंने अपने जीवन के कई दशक छत्तीसगढ़ी भाषा के सम्मान और उसके अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए बिताए हैं। मेरी उम्र आज 85 वर्ष हो गई है, लेकिन भाषा के प्रति मेरी चिंता आज भी उतनी ही गहरी है। दुख इस बात का है कि लंबे प्रयासों और आंदोलनों के बावजूद छत्तीसगढ़ी को वह व्यवहारिक सम्मान और व्यापक उपयोग का अवसर नहीं मिल पाया, जिसकी वह हकदार है। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बने भी 26 वर्ष हो चुके हैं। इतने लंबे समय के बाद भी यदि हमें अपनी मातृभाषा को शिक्षा, प्रशासन और रोजगार से जोड़ने के लिए आवाज उठानी पड़े तो यह सोचने का विषय है।

सवाल : शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी को लेकर आपकी मुख्य चिंता क्या है?

नंदकिशोर शुक्ल : मेरी सबसे बड़ी चिंता यही है कि छत्तीसगढ़ी को केवल घर और गांव की बातचीत तक सीमित न रखा जाए। भाषा तभी मजबूत होती है, जब वह शिक्षा, साहित्य, शोध, प्रशासन और रोजगार से जुड़ती है। कुछ विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों ने छत्तीसगढ़ी में उच्च शिक्षा और अध्ययन-अध्यापन की दिशा में प्रयास किए हैं, यह स्वागतयोग्य है। लेकिन सवाल यह है कि छत्तीसगढ़ी में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आगे क्या अवसर मिलेंगे?

यदि विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी में उच्च शिक्षा प्राप्त करता है और उसके बाद रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो स्वाभाविक रूप से उसके भीतर निराशा पैदा होगी। भाषा को शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है।

सवाल : क्या केवल विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम शुरू कर देना पर्याप्त है?

नंदकिशोर शुक्ल : बिल्कुल नहीं। यह तो केवल शुरुआत है। भाषा के विकास के लिए एक संपूर्ण योजना चाहिए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पाठ्यक्रम विकसित हों। छत्तीसगढ़ी में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें तैयार हों। शोध को प्रोत्साहन मिले। प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था हो और प्रतियोगी परीक्षाओं तथा सरकारी सेवाओं में भाषा के अध्ययन और ज्ञान को उचित अवसर मिले। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाषा पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए रोजगार के रास्ते भी खुलें। जब किसी युवा को अपनी मातृभाषा पढ़कर सम्मानजनक



रोजगार मिलेगा, तभी समाज में उस भाषा के प्रति विश्वास और आकर्षण बढ़ेगा।

सवाल : प्रशासनिक कामकाज में छत्तीसगढ़ी के उपयोग को लेकर आपकी क्या अपेक्षा है?

नंदकिशोर शुक्ल : मेरी स्पष्ट मान्यता है कि जिस प्रदेश में लाखों लोग छत्तीसगढ़ी बोलते और समझते हैं, वहां प्रशासन और जनता के बीच संवाद में स्थानीय भाषा को अधिक अवसर मिलना चाहिए।संविधान का अनुच्छेद 345 राज्यों को कानून बनाकर अपने यहां प्रचलित एक या अधिक भाषाओं को आधिकारिक प्रयोजनों के लिए अपनाने का अधिकार देता है। इसलिए आवश्यकता केवल भावनाओं की नहीं, बल्कि ठोस नीति और व्यवहारिक कार्ययोजना की है। शासन चाहे तो चरणबद्ध तरीके से ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर सकता है, जहां छत्तीसगढ़ी के प्रयोग से जनता को प्रशासन से संवाद में सुविधा मिले।

सवाल : आपने आंदोलन की भी बात कही है। क्या कोई आगामी कार्यक्रम प्रस्तावित है?

नंदकिशोर शुक्ल : हां। छत्तीसगढ़ी भाषा के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं की समस्याओं तथा भाषा को उसका उचित स्थान दिलाने की मांग को लेकर 2 अक्टूबर को रायपुर के आजाद चौक में छत्तीसगढ़ी क्रांति सेना के बैनर तले आंदोलन और आमरण अनशन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। मैं भी इस आंदोलन में उपस्थित रहकर नेतृत्व करने का प्रयास करूंगा। मेरा सवाल सीधा है - जब अपनी ही मातृभाषा को सम्मान दिलाने की मांग के लिए अपने ही प्रदेश में आंदोलन करना पड़े तो यह स्थिति हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर क्यों नहीं करती?

सवाल : आप राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से क्या कहना चाहेंगे?

नंदकिशोर शुक्ल : मैं किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में बात नहीं कर रहा हूं। मेरी बात छत्तीसगढ़ की अस्मिता और भाषा के संदर्भ में है। जो भी जनप्रतिनिधि छत्तीसगढ़ की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें भाषा के सवाल पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास, लोकस्मृति, संस्कृति, परंपरा और भावनाएं सुरक्षित रहती हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ी के विकास का सवाल केवल भाषा का सवाल नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का सवाल भी है।

सवाल : दूसरे राज्यों से हमें क्या सीखने की जरूरत है?

नंदकिशोर शुक्ल : भारत की विविधता की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि अलग-अलग राज्यों ने अपनी-अपनी भाषाओं और संस्कृतियों को आगे बढ़ाया है। मराठी, गुजराती, बंगाली, ओड़िया, तमिल, तेलुगू, मलयालम जैसी भाषाओं में साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता, सिनेमा और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक काम हुआ है। हमें भी अपनी भाषा को लेकर हीन भावना छोड़नी होगी। हिंदी और अंग्रेजी का अपना महत्व है और वे संपर्क तथा व्यापक संचार की भाषाएं हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अपनी मातृभाषा के प्रति हम संकोच करें।

सवाल : आपको क्या लगता है, छत्तीसगढ़ी बोलने में आज भी कुछ लोग संकोच क्यों करते हैं?

नंदकिशोर शुक्ल : यह मानसिकता बदलनी होगी। सबसे दुखद बात यह है कि कई छत्तीसगढ़ी भाई-बहन सार्वजनिक स्थानों पर छत्तीसगढ़ी बोलने में संकोच करते हैं। हमें यह समझना होगा कि अपनी भाषा बोलना पिछड़ापन नहीं है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा से प्रेम करता है, वह दूसरी भाषाओं का विरोध नहीं करता। वह अनेक भाषाएं सीख सकता है और सीखनी भी चाहिए, लेकिन अपनी मातृभाषा को भूलना नहीं चाहिए। मैं चाहता हूं कि छत्तीसगढ़ी बोलने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा को सम्मान के साथ बोले और अगली पीढ़ी को भी इससे जोड़े।

सवाल : आपकी नजर में नई पीढ़ी की भूमिका क्या होनी चाहिए?

नंदकिशोर शुक्ल : अब यह जिम्मेदारी नई पीढ़ी को संभालनी होगी। मेरी उम्र 85 वर्ष हो चुकी है। मैं कब तक संघर्ष कर पाऊंगा, यह ईश्वर ही जानता है। लेकिन मेरी सबसे बड़ी उम्मीद युवाओं से है। युवा छत्तीसगढ़ी में लिखें, पढ़ें, साहित्य रचें, शोध करें, डिजिटल माध्यमों पर सामग्री तैयार करें और अपने दैनिक जीवन में भाषा का प्रयोग बढ़ाएं। भाषा को बचाने के लिए केवल आंदोलन पर्याप्त नहीं है। उसे जीवन और व्यवहार में उतारना होगा। यदि नई पीढ़ी यह जिम्मेदारी उठा लेती है तो छत्तीसगढ़ी का भविष्य निश्चित रूप से मजबूत होगा।

सवाल : अंत में आपकी सबसे बड़ी मांग क्या है?

नंदकिशोर शुक्ल : मेरी मांग बहुत सीधी है - छत्तीसगढ़ी को केवल भावनात्मक पहचान के रूप में नहीं, बल्कि व्यवहारिक भाषा के रूप में विकसित किया जाए। शिक्षा में अवसर मिले, उच्च शिक्षा और शोध को प्रोत्साहन मिले, साहित्य और पत्रकारिता को बढ़ावा मिले, प्रशासनिक कामकाज में इसके उपयोग के अवसर बढ़ें और भाषा से जुड़े शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं तैयार हों। मैंने जीवन भर इस भाषा के लिए संघर्ष किया है और जब तक सांस है, करता रहूंगा। लेकिन अब मैं चाहता हूं कि इस संघर्ष की मशाल नई पीढ़ी अपने हाथों में ले। छत्तीसगढ़ी केवल हमारी बोली नहीं है, यह हमारी मिट्टी की आवाज है। इस आवाज को सम्मान दिलाना केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जन्मदिन पर वृद्धजनों के बीच बांटी खुशियां

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए लोग अलग-अलग तरीके अपनाते हैं, लेकिन नगर पंचायत चारामा के पार्षद संदीप कुमार मेश्राम ने अपने जन्मदिन को सेवा, संवेदना और सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए कांकेर स्थित वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच मनाया।



पार्षद मेश्राम वृद्धाश्रम पहुंचे और वहां निवासरत बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने वृद्धजनों को फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री भेंट की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताते हुए उनके स्वास्थ्य, दैनिक जीवन और उपलब्ध सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की। वृद्धजनों ने युवा पार्षद के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिन पर स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। जन्मदिन के अवसर पर युवाशक्ति समाज सेवी संस्था चारामा के माध्यम से पौधरोपण भी किया गया। इसके साथ ही गौसेवा के लिए सहयोग राशि प्रदान कर पर्यावरण संरक्षण और जीव सेवा का संदेश दिया गया।

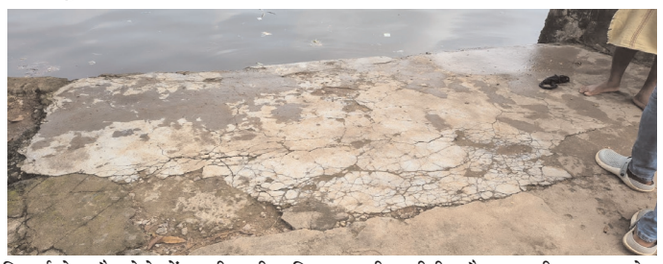
इस अवसर पर संदीप मेश्राम ने कहा कि 'आज मेरा जन्मदिन वास्तव में सार्थक हुआ है। इन बुजुर्ग माता-पिता के बीच बैठकर उनका हालचाल जानना, उनके साथ समय बिताना और अपनी क्षमता के अनुसार कुछ आवश्यक सामग्री भेंट करना मेरे लिए किसी भी उत्सव से बड़ी खुशी है। उनका आशीर्वाद ही मेरे लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार है।'उन्होंने कहा कि समाज के बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं और उनके सम्मान, सेवा एवं देखभाल की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति की है। जन्मदिन जैसे अवसरों को समाजसेवा से जोड़कर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

छह पचरियों की मरम्मत में 2.48 लाख खर्च, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

विश्व केसरी

बम्हनीडीह (नीरज शर्मा)। जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरिया में छह नग पचरियों की मरम्मत के नाम पर खर्च की गई 2 लाख 48 हजार 576 रुपये की राशि को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर अपेक्षित स्तर का मरम्मत कार्य नजर नहीं आ रहा है, जबकि पंचायत अभिलेखों में बड़ी राशि खर्च होना दर्ज है।

ग्रामीणों के अनुसार संबंधित कार्य की अनुमानित लागत करीब 2 लाख 87 हजार रुपये बताई गई है। उनका कहना है कि कई पचरियों पर केवल मामूली मरम्मत अथवा ऊपरी स्तर का काम



दिखाई देता है। ऐसे में इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद कार्य की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दस्तावेजों के साथ हो मौके का सत्यापन- ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के साथ पचरियों का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। इसके अलावा माप पुस्तिका, बिल-वाउचर, सामग्री खरीदी और मजदूरी भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच की मांग भी की गई है, ताकि वास्तविक खर्च और मौके पर हुए कार्य की स्थिति स्पष्ट हो सके।

जिम्मेदारी तय करने की मांग - ग्रामीणों ने पंचायत के जिम्मेदार पदाधिकारियों के साथ तकनीकी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में अभिलेखों में दर्ज राशि और वास्तविक कार्य में अंतर सामने आता है, तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

जांच के बाद होगी आगे की कार्रवाई- आरईएस जांजगीर के ईई बी.एस. पैकरा ने कहा, 'शिकायत मिली है। जांच करवाते हैं। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।' अब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि छह पचरियों की मरम्मत में वास्तव में कितना कार्य हुआ और खर्च की गई 2.48 लाख रुपये की राशि का उपयोग किस प्रकार किया गया।

फेडरेशन ने दिवंगत शिक्षक के परिजनों को दी संवेदना राशि

विश्व केसरी

नगरी (हिमांशु यादव)। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लॉक शाखा नगरी द्वारा अपने दिवंगत शिक्षक साथी स्वर्गीय सुमंत कुमार शांडिल्य, प्रधान पाठक, प्राथमिक शाला अरसीकन्हार के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की गई। इस दौरान फेडरेशन की ओर से संवेदना राशि के रूप में 70,000 रूपये प्रदान की गई। इस प्रकार अब तक सहायक शिक्षक फेडरेशन नगरी अपने 15 दिवंगत शिक्षक साथियों के परिवार को कुल 8,79,000 रुपए (आठ लाख उन्यासी हजार रुपये) संवेदना पुष्प राशि के रूप में भेंट कर चुके है। फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं शिक्षक साथियों ने स्वर्गीय सुमंत कुमार शांडिल्य के निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। साथ ही परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया गया। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन अपने दिवंगत शिक्षक साथियों के परिवार के साथ हमेशा खड़ा रहेगा तथा विपरीत परिस्थितियों में परिवार को सहयोग प्रदान करना संगठन की सामाजिक एवं मानवीय जिम्मेदारी है।



जिला स्तरीय मानस संगोष्ठी का हुआ आयोजन

विश्व केसरी

पिथौरा (नीशू माटा)। छत्तीसगढ़ जिला स्तरीय मानस संगोष्ठी का सफल आयोजन ग्राम तेन्दूकोना के नवनिर्मित कपीश्वर महेश्वर मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी में प्रथम वक्ता सुरीतराम पटेल, द्वितीय वक्ता जया गौतम, भगवताचार्य चित्रकूट धाम, तृतीय वक्ता बुधेश्वर डडसेना, अरंड तथा चतुर्थ वक्ता भक्तिन दीदी हेमलता, बरतुंगा ने रामचरित मानस के अयोध्याकांड के प्रथम दोहे 'श्रीगुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधारि...' पर सारगर्भित व्याख्यान दिए।

संगोष्ठी में कौड़िया-फुलझर क्षेत्र के प्रसिद्ध मानस प्रवक्ता सुरीतराम पटेल ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में गुरु का सर्वोच्च स्थान है। रामचरित मानस के प्रारंभ में तुलसीदास ने गुरु की वंदना की है। गुरु वह है, जो शिष्य के मन के विकारों क्रमश: काम, क्रोध, मद और लोभ की दर्पण की



तरह सफाई करते हैं। चित्रकूट धाम की भगवताचार्य जया गौतम ने कहा कि वर्तमान परिवेश में समाज में व्याप्त विसंगतियों से निजात पाने के लिए रामचरित मानस का जन-जन में व्याप्त होना और जनमानस द्वारा उसे आत्मसात किया जाना आवश्यक है।

गुरु की वंदना करते हुए तुलसीदास ने कहा कि गुरु मन रूपी दर्पण को साफ करते हैं, ताकि उसमें दैवीय और मानवीय गुणों का अंकुरण हो सके। पिथौरा क्षेत्र के प्रसिद्ध रामायण प्रवक्ता बुधेश्वर डडसेना ने कहा कि तुलसी बाबा ने गुरु के चरणों को कमल की रज के समान बताया है। जैसे पानी का प्रवाह और जमाव कितना भी गहरा क्यों न हो, कमल पानी में डूबता नहीं है, उसी प्रकार गुरु अपने शिष्य को संसार रूपी भवसागर में डूबने नहीं देते, बल्कि वैतरणी पार कराते हैं। बरतुंगा ग्राम निवासी भक्तिन हेमलता जी ने कहा कि रामचरित मानस में केवल भगवान राम की लीला का वर्णन भर नहीं है, बल्कि समाज के आदर्श स्वरूप का चित्रण है। राम भारतीय जनमानस की आत्मा हैं और सनातन परंपरा में गुरु सर्वोच्च हैं।

दुर्गोत्सव एवं रास-गरबा महोत्सव के लिए हुआ भूमिपूजन

विश्व केसरी

पिथौरा (नीशू माटा)। अंजलि विहार कर्मचारी कॉलोनी दुर्गा उत्सव एवं रास-गरबा समिति द्वारा आगामी मां दुर्गा उत्सव एवं भव्य रास-गरबा महोत्सव के आयोजन को लेकर आज विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ।



भूमिपूजन के साथ ही नवरात्रि आयोजन की तैयारियों ने गति पकड़ ली है। आयोजन समिति के द्वारा अंजलि विहार कर्मचारी कॉलोनी कॉलोनी में श्रद्धा, भक्ति और रास-गरबा की तैयारियां को लेकर रूप रेखा बना दिया गया है एक भव्य पंडाल के साथ रास गरबा का अलौकिक दृश्य देखने को मिलेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में समिति के प्रमुख संरक्षक आत्माराम यादव, अध्यक्ष पुनीत सिन्हा सहित उमेश दिधित, राजेंद्र सिन्हा, राजेश मिश्रा, अनिल सोई, रमेश सिन्हा, गुरुचरण सिंह सलूजा, यू.के. दास, सुभाष अग्रवाल, अमृत पटेल, मनीष (मोनू) अग्रवाल, राम कृष्ण मने, गौतम साहू, कुलजीत आजमानी, टिकेन्द्र प्रधान, राजेश भोई, टेकू साहू, आकाश सिन्हा, विनोद सिन्हा, राम उजाला, परमेश्वर डड़सेना,ओम सिन्हा, विनय गाड़िया एवं आर.के. पंडा सहित पुरोहित नरेश शुक्ला तथा समिति के सदस्य एवं आयोजन से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

तपस्वी रजत बंगानी का '51 उपवास, दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु

विश्व केसरी

नयापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। स्थानीय श्वेताम्बर जैन मंदिर में शासनोत्सव वर्षावास 2026 की आराधना जय-जय एवं प्रभु भक्ति के साथ की जा रही है। इसी क्रम में आज बंगानी परिवार के गुलाबचंद पतासी देवी वटवृक्ष की डाली रमेश अनिता के सुपुत्र पीयूष सम्यक कृपापात्र रजत ने अद्भुत धैर्य एवं साहस का परिचय देते हुए उपवास के स्वर्ण को स्पर्श किया। आज रजत बंगानी ने आत्मबल से पुरुषार्थ करते हुए 51 उपवास की तपस्या शातापूर्वक संपन्न की।

इस उपलक्ष्य में आयोजित बहुमान समारोह में पू. भव्य मुनि जी ने कहा कि तपस्वी के दीर्घ तप की आज पूर्णाहुति होने जा रही है। इस प्रसंग उनकी अनुमोदना केवल लिफाफे से नहीं अपितु उन्हें त्याग संकल्प का गिफ्ट प्रदान करना चाहिए। उनकी तपस्या के अनुमोदना स्वरूप हम जीवन भर के लिए रात्रि भोजन के त्याग का संकल्प तो ले ही सकते हैं।



तपस्या के अनुमोदना स्वरूप उषा बागरेचा कोमाखान, अजय सुराना खैरागढ़, प्रतिमा माल रायपुर, एवं श्रीसंघ प्रमुख शेखर बाफना ने अपने भाव रखे। श्रीसंघ एवं चातुर्मास समिति की ओर से तपस्वी का अभिनंदन शिखर बाफना, अजय कोचर, अभिषेक दुग्गड़, संजय बंगानी, मुकेश पारख, सम्यक बंगानी, तिलक माला एवं मोमेंटो प्रदान कर किया। संघ अधीनस्थ सभी सेवाभावी मंडलों एवं उपस्थित जन समुदाय ने भी तप की भूरी-भूरी अनुमोदना की है। इससे पूर्व में युवा तपस्वी 31 एवं 46 उपवास की तपस्या सानंद पूरी कर चुके हैं। तपस्या के चलते-चलते आप श्री ने संयम सारथी आचार्य जिन पीयूष सागर जी, पू.जिनसम्यक रत्न सागर जी, नागपुर, आचार्य जिनचंद्रसूरि जी म.सा. दुर्ग, पू.संवेग रत्न सागर जी म.सा. रायपुर, प्रज्ञा निधि प्रशांतमना पू.प्रियंकरा श्री जी म.सा. धमाणगांव, पू. सुमित्रा श्री जी म.सा. ललेगांव, प्रवचन प्रवीणा पू. स्नेहयशा श्री जी म.सा. अमरावती एवं पू. मंजुला श्री जी म.सा. के दर्शन वंदन एवं आशीर्वाद का लाभ दिया । चि. रजत बंगानी की तपस्या के उपलक्ष्य में श्रीसंघ में चौबीसी, शासन माता के गीत एवं प्रभु भक्ति का कार्यक्रम बंगानी निवास में रखा गया। साथ में संघ प्रभावना का लाभ बंगानी परिवार ने लिया।

गोंडवाना भवन में नवोदय चयन परीक्षा की नि:शुल्क कोचिंग प्रारंभ

विश्व केसरी

अंतागढ़/आमाबेड़ा (डम्पी खान)। शिक्षा के क्षेत्र में आदिवासी अंचल के बच्चों के लिए एक नई आशा की किरण जगी है। आज आमाबेड़ा परगना तहसील स्थित गोंडवाना भवन में सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अंतागढ़ के मार्गदर्शन एवं आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ आमाबेड़ा की सराहनीय पहल से जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (JNVST) की नि:शुल्क कोचिंग का विधिवत शुभारंभ किया गया।

नि:शुल्क कोचिंग को लेकर क्षेत्र के पालकों में शिक्षा के प्रति अलग ही उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। आमाबेड़ा परगना क्षेत्र के आसपास सहित दूर-दराज से पालक अपने बच्चों को लेकर पहुंच रहे हैं। पहले ही दिन 60 बच्चों का पंजीयन हुआ है और लगातार पालक आकर कर्मचारी प्रकोष्ठ से पंजीयन करा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अंतागढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष संतराम सलाम रहे,जिनके मार्गदर्शन में यह कोचिंग संचालित हो रही है। अतिथि के रूप में सर्व



आदिवासी समाज के ब्लॉक उपाध्यक्ष हीरालाल मांझी, आमाबेड़ा परगना गोंडवाना समाज अध्यक्ष बीजू नुरूटी, जनपद सदस्य मंगलू हिड़को, आमाबेड़ा तहसील सर्व समाज अध्यक्ष मनाऊ गोटा, युवा प्रभाग अध्यक्ष मानकु नुरूटी सहित कार्यक्रम में क्षेत्र के शिक्षाविद्, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में अभिभावकगण व बच्चें उपस्थित थे।

कोचिंग पहल का उद्देश्य: आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी सुकदू पोटाई ने बताया कि सर्व आदिवासी समाज के मार्गदर्शन व दिशानिर्देश में, आदिवासी कर्मचारी प्रकोष्ठ आमाबेड़ा के पदाधिकारियों के निर्णय एवं क्षेत्र के पालकों के सर्व प्रस्ताव से यह कोचिंग शुरू की गई है।

संपादकीय

बिना सनातन संस्कृति के भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती



पार्थसारथि थपलियाल

वर्तमान में अलग अलग तौर तरीकों से सनातन संस्कृति के विरुद्ध तरह तरह के दुष्चक्र चलाए जा रहे हैं। दुष्चक्र के ये अभियान वे लोग चलाते हैं जिन्होंने भारत को गहराई से नहीं जाना अथवा वे भारतीयता के विरोधी हैं। ऐसे लोग लॉर्ड मैकाले की शिक्षा व्यवस्था और जेम्स मिल को प्रमाण मानकर चलते हैं। ऐसे लोगों और माध्यमों में धूर्त अंग्रेज अधिकारी मैक्स ऑर्थर मैक्लिफ, ई . वी.रामास्वामी पेरियार और वामसेफ के अनुयायी प्रमुख हैं। इनके विचारों के संगतकार भारत का बॉलीवुड और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का धंधा करनेवाला मीडिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति से ही सनातन विरोधी वातावरण बनाया जाता रहा है। भारत को केवल मानचित्र पर खींची गई सीमाओं से नहीं समझा जा सकता। भारत एक भूखंड से कहीं अधिक है। हिमालय से समुद्र तक फैला यह देश जितना भौगोलिक रूप से विविध है, उससे कहीं अधिक भाषायी, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक विविधताओं से समृद्ध है। अनेक भाषाएँ, पंथ, परंपराएँ, लोकाचार, जीवन-पद्धतियाँ और ऐतिहासिक अनुभव भारत की पहचान को अनेक आयाम देते हैं। फिर भी इस विराट विविधता के भीतर कुछ ऐसी सांस्कृतिक धाराएँ हैं, जिन्होंने हजारों वर्षों से भारतीय सभ्यता को निरंतरता प्रदान की है। इनमें सनातन संस्कृति की परंपरा का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा-व्यवस्था और जेम्स मिल जैसे औपनिवेशिक इतिहासकारों की धारणाओं में भारत को देखने का एक विशेष दृष्टिकोण दिखाई देता है। भारत को समझने के लिए उसकी अपनी सभ्यतागत स्मृति, ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक निरंतरता को समझना होगा। 'सनातन' का अर्थ केवल प्राचीन या पुराना नहीं है। सनातन का आशय निरंतर प्रवाहित और स्थायी जीवन-मूल्यों से है। सत्य, करुणा, आत्मसंयम, कर्तव्य, सह-अस्तित्व और लोककल्याण जैसे मूल्य भारतीय चिंतन में विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त हुए हैं। वेदों से उपनिषदों तक, रामायण-महाभारत से पुराणों तक और दर्शन से संत परंपरा तक मनुष्य और जीवन के मूल प्रश्नों पर निरंतर विचार हुआ। सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम् और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' जैसे सूत्र भारतीय चिंतन की व्यापकता को सामने रखते हैं।

भारतीय संस्कृति की एक बड़ी विशेषता उसकी संवादशीलता है। वैदिक परंपरा के साथ श्रमण परंपराएँ, बौद्ध और जैन चिंतन, भक्ति और सूफी धाराएँ, क्षेत्रीय लोकसंस्कृतियाँ तथा आधुनिक सामाजिक सुधार आंदोलनों ने भारतीय समाज को प्रभावित किया। यहाँ प्रश्न पूछने, तर्क करने और मतभेद रखने की परंपरा भी रही है। उपनिषदों के संवाद और विभिन्न दर्शनों के शास्त्रार्थ इसका प्रमाण हैं। इसलिए सनातन संस्कृति को जड़ या अपरिवर्तनशील मानना उसके मूल स्वभाव के विपरीत होगा। जीवंत संस्कृति वही है जो अपने मूल मूल्यों को बनाए रखते हुए समय के प्रश्नों से संवाद करती है।

भारतीय जीवन में संस्कारों की परंपरा ने व्यक्ति को परिवार और समाज से जोड़ने का कार्य किया। जन्म से अंत्येष्टि तक संस्कारों की व्यवस्था जीवन को दायित्व और मर्यादा से जोड़ती है। विवाह में पाणिग्रहण और सप्तपदी केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि सहजीवन, पारस्परिक उत्तरदायित्व और जीवन-सहयात्रा के प्रतीक हैं। 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव, आचार्यदेवो भव, अतिथिदेवो भव' जैसे सूत्र परिवार और समाज में सम्मान तथा कर्तव्य की भावना को स्थापित करते हैं।

इसी प्रकार धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की पुरुषार्थ-व्यवस्था संतुलित जीवन की भारतीय अवधारणा प्रस्तुत करती है। भारतीय चिंतन ने अर्थ और काम को जीवन से बाहर नहीं किया, लेकिन उन्हें धर्म और मर्यादा से जोड़ने का प्रयास किया। आज जब उपभोक्तावाद और असीमित प्रतिस्पर्धा जीवन के केंद्र में दिखाई देती है, तब यह विचार महत्वपूर्ण हो जाता है कि विकास के साथ विवेक, अधिकार के साथ दायित्व और सुविधा के साथ संयम भी आवश्यक हैं।

भारत की सांस्कृतिक एकता भी इसी व्यापक परंपरा से जुड़े अनेक सूत्रों में दिखाई देती है। रामायण और महाभारत की कथाएँ देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग रूपों में जीवित हैं। तीर्थयात्राओं, पर्वों, मेलों और सांस्कृतिक उत्सवों ने दूर-दूर के लोगों को जोड़ने का कार्य किया। चार धाम, ज्योतिर्लिंग, शक्तिपीठ और असंख्य तीर्थों ने भारत के विस्तृत भूगोल को सांस्कृतिक स्मृति से जोड़ने में भूमिका निभाई। भारत की राष्ट्रीय एकता अनेक ऐतिहासिक और आधुनिक प्रक्रियाओं का परिणाम है, लेकिन सनातन सांस्कृतिक परंपरा उसकी महत्वपूर्ण आधारधाराओं में से एक रही है।

प्रकृति के प्रति भारतीय दृष्टि भी इसी संस्कृति का महत्वपूर्ण पक्ष है। नदियों को मातृरूप में देखना, वृक्षों और पर्वतों के प्रति सम्मान, पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना तथा ऋतु और कृषि-चक्र से जुड़े पर्व प्रकृति के साथ गहरे संबंध को व्यक्त करते हैं। आज पर्यावरण संकट के समय इस दृष्टि का पुनर्पाठ उपयोगी हो सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जेन जी ने एबीवीपी को जीताया



कमलेश पांडे

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026 के परिणाम घोषित हो चुके हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय पैनल के चार में से तीन मुख्य पदों (अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव) पर जीत हासिल की है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहाँ निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने बड़ी जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका। इससे साफ है कि जेन-जी युवाओं का रूझान अब भी एबीवीपी के साथ बना हुआ है। चर्चित जेन-जी आंदोलन (CJP) के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेन-जी युवाओं को खुद से जोड़े रखने का जो बीड़ा उठाया, वह सफल रहा। इसके राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव भी दूरगामी होंगे।

चुनाव परिणामों का पूरा विवरण इस प्रकार है:-

पद- विजेता उम्मीदवार- संबद्ध छात्र संगठन- प्राप्त वोट - निकटतम प्रतिद्वंद्वी

एक, अध्यक्ष- यश डबास- एबीवीपी - 24,576 विजय शंकर मीणा/NSUI - 22,523 वोट।

दो, उपाध्यक्ष- दीपांशु शौकीन- निर्दलीय- 30,615- इशू मौर्या (ABVP) - 16,910 वोट।

तीन, सचिव- रिया छावड़ी- एबीवीपी - 21,650- नम्रता चौधरी/NSUI - 14,869 वोट।

चार, संयुक्त सचिव- लक्ष्यराज सिंह - ABVP - 16,615- विशेष यादव, निर्दलीय/स्टूडेंट्स - 15,778 वोट।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026 में कांटे की टक्कर हुई। अध्यक्ष पद के लिए मतगणना के दौरान कई राउंड तक ABVP के यश डबास और NSUI के विजय मीणा के बीच बेहद करीबी मुकाबला देखा गया, लेकिन अंतिम राउंड्स में यश डबास ने बाजी मार ली। इस साल 18 सितंबर को हुए मतदान में 40.46% वोटिंग दर्ज की गई थी, जो कि पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक रही। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव नतीजों के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस या रैलियों पर पूरी तरह से रोक लगाई गई थी। समझिए इसके राजनीतिक निहितार्थ:-

देखा जाए तो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणाम केवल एक छात्र संगठन की जीत या हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह देश के सबसे बड़े छात्र निर्वाचन क्षेत्रों में से एक—जहाँ युवा (जेन जी) मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं—के वैचारिक और सामाजिक रुझान को दर्शाते हैं। इस चुनाव परिणाम और रुझान के राजनीतिक व सामाजिक मायने निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझे जा सकते हैं:-



एक, 'जेन जी' (Gen Z) का व्यावहारिक राजनीति की ओर झुकाव: जेन जी (1997-2012 के बीच जन्मे युवा) को अक्सर वैचारिक रूप से स्वतंत्र माना जाता है। एबीवीपी की मजबूत उपस्थिति यह दर्शाती है कि संगठन ने केवल पारंपरिक या राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित न करके कैंपस की व्यावहारिक समस्याओं (जैसे हॉस्टल, वाई-फाई, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और फीस) को अपने एजेंडे में शामिल किया। युवाओं ने अमूर्त नारों के बजाय धरातल पर काम करने वाले संगठन पर भरोसा जताया।

दो, एनएसयूआई के संगठनात्मक संकट का संकेत: एनएसयूआई का पिछड़ना या कमजोर प्रदर्शन यह दिखाता है कि मुख्य विपक्षी छात्र संगठन कैडर स्तर पर युवाओं से जुड़ने और उन्हें पोलिंग बूथ तक लाने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है।

- कैडर आधारित नेटवर्क की कमी: एबीवीपी का संगठनात्मक ढांचा वर्षभर कैंपस गतिविधियों में सक्रिय रहता है, जबकि एनएसयूआई का चुनावी तंत्र अक्सर चुनाव घोषित होने के बाद अधिक सक्रिय दिखता है।

- विकल्प प्रस्तुत करने में विफलता: विपक्ष के रूप में केवल सत्ताधारी पार्टी या संगठन की आलोचना करना ही पर्याप्त नहीं होता; युवाओं के सामने एक ठोस और आकर्षक एजेंडा पेश करना आवश्यक होता है।

तीन, वामपंथी राजनीति की घटती पकड़: दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसरों में वामपंथी छात्र संगठनों का आधार ऐतिहासिक रूप से सीमित रहा है, लेकिन इस चुनाव में उनकी नगण्य उपस्थिति यह साबित करती है कि मुख्यधारा के परिसरों में अति-सैद्धांतिक राजनीति अब युवा छात्रों को आकर्षित नहीं कर पा रही है।

चार, राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति का प्रतिबिंब: डूसू के चुनाव हमेशा से देश की राष्ट्रीय राजनीति का रुझान तय करने वाले सूचकांक माने जाते हैं। एबीवीपी को मिला समर्थन यह संकेत देता है कि शहरी, शिक्षित और पहली बार वोट करने वाले युवाओं का बड़ा वर्ग केंद्र में मौजूदा राजनीतिक विचारधारा और उसके छात्र पंख के प्रति सहज रुख रखता है।

पांच, निर्दलीय/स्वतंत्र उम्मीदवारों का उभरता प्रभाव: इस चुनाव में मुख्य पदों पर निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा दी गई कड़ी टक्कर और जीत (जैसे उपाध्यक्ष पद पर) यह स्पष्ट करती है कि 'जेन जी' किसी एक पार्टी या कैडर के प्रति आंख मूंदकर वफादार नहीं है। यदि मुख्य संगठन सही प्रत्याशी या एजेंडा तय नहीं करते, तो युवा वोटर्स निर्दलीय या नए विकल्पों को चुनने में संकोच नहीं करते।

वस्तुत: डूसू चुनाव के ये नतीजे यह स्पष्ट करते हैं कि आज की युवा पीढ़ी केवल भावनात्मक या पारंपरिक राजनीतिक नारों पर वोट नहीं देती। जो संगठन मजबूत कैडर, कैंपस की ज़मीनी समस्याओं के समाधान और युवाओं के साथ वर्षभर सीधा संवाद बनाए रखेगा, वही छात्र राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बनाए रख पाएगा।

'लेखक गाँव' : एक अभिनव पहल



विवेक रंजन श्रीवास्तव

समकालीन साहित्यिक परिदृश्य में एक अनूठी और महत्वाकांक्षी संकल्पना के रूप में देहरादून के निकट लेखक ग्राम बनाया गया है। हिमालय की शांत वादियों और उर्वर खामोशी के बीच बसा यह परिसर प्रथम दृष्टया किसी भी रचनाकार के लिए एक आदर्श सृजन स्थली का आभास कराता है। दीर्घ कलेवर के गंभीर लेखन, चाहे वह उपन्यास हो, शोध-ग्रंथ हो या विस्तृत काव्य-संग्रह के लिए जिस मानसिक एकाग्रता और शांत पोषक वातावरण की आवश्यकता होती है, वह यहाँ सहज सुलभ है। एक समृद्ध पुस्तकालय, कला दीर्घा और देश-दुनिया के मनीषियों के साथ वैचारिक विमर्श की सुविधा इस स्थान को एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र बनाती है।

सृजन की प्रक्रिया में एकांत जितना महत्वपूर्ण है, समानधर्मा रचनाकारों के साथ संवाद भी उतना ही आवश्यक होता है। देहरादून का यह प्रकल्प इन दोनों ही छोरों के बीच एक कलात्मक सेतु की तरह दिखाई देता है।

वैचारिक धरातल पर परखें तो इस तरह की योजना के दूरगामी लाभ और अंतर्निहित हानियाँ दोनों ही स्पष्ट हैं। लाभ के रूप में यह परियोजना भाषा और साहित्य को वैश्विक मंच देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त करती है। रोज़मर्रा के पारिवारिक सामाजिक कोलाहल और दायित्वों से दूर यह एकांत, रचनाकारों की सृजन क्षमता को कई गुना बढ़ाकर कालजयी साहित्य के निर्माण की संभावना को बल देता है। इसके विपरीत, इसकी संभावित हानि यह है कि ऐसी योजनाएँ जाने-अनजाने साहित्य में एक नए प्रकार के 'विशिष्ट वर्ग' (एलीट क्लास) को जन्म दे सकती हैं। जब सृजन ज़मीन की धूल, आम आदमी के संघर्ष और सीधे लोक-संपर्क के बजाय एक कृत्रिम रूप से निर्मित सुखद वातावरण की चहारदीवारी में होने लगता है, तो साहित्य जन-सरोकार की तीक्ष्णता और यथार्थ का जीवंत स्पर्श खो सकता है।

साथ ही, व्यवस्था या कॉर्पोरेट तंत्र पर अत्यधिक निर्भरता से लेखकों की वैचारिक स्वतंत्रता प्रभावित होने का जोखिम भी सदा बना रहता है।

यही कारण है कि इस भव्य परिदृश्य के समानांतर कुछ गंभीर और यथार्थवादी आशंकाएँ भी हैं। सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न इसके व्यावहारिक संचालन और लोकतांत्रिक पहुँच को लेकर है। जब भी ऐसे विशाल और सर्वसुविधायुक्त परिसर अस्तित्व में आते हैं, तो उनके रख-रखाव के नाम पर बाज़ारवाद , राजनीति और उपभोक्तावाद का प्रवेश , संचालन में हो ही जाता है। यदि यहाँ प्रवास के नियम कड़े और खर्चीले हुए, तो यह स्थान 'साहित्य साधना' के केंद्र के बजाय केवल संपन्न-रसूखदार साहित्यकारों का एक संभ्रांत 'लक्ज़री टूरिज्म हब' बनकर रह जाएगा। वह संघर्षशील रचनाकार, जो आर्थिक तंगहाली से जूझते हुए अपनी कलम की धार बचाए रखने का प्रयास कर रहा है, इस सुरम्य वातावरण की परिधि से बाहर ही छूट जाएगा। साहित्य का मूल स्वभाव तो अभावों और लोक के बीच रहकर पनपता है, ऐसे में यह वातानुकूलित एकांत कहीं ज़मीनी हकीकत से जुड़ाव को कमज़ोर न कर दे, यह चिंता सर्वथा जायज़ है।

अत: देहरादून के इस लेखक गाँव की सार्थकता इसकी भव्य इमारतों में नहीं, बल्कि इसकी सुलभता और निष्पक्षता में निहित होगी। यदि इसमें उदार फेलोशिप, अनुदान और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से देश के हर कोने से आने वाले प्रतिभावान मगर आर्थिक रूप से कमज़ोर लेखकों को स्थान दिया जाए, तभी यह संकल्पना एक सच्चे 'साहित्यिक तीर्थ' का रूप ले पाएगी। कॉरपोरेट चश्मे से इतर, इसे एक निष्पक्ष सांस्कृतिक ट्रस्ट या अकादमिक संरक्षण में लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संचालित किया जाना आवश्यक है, ताकि यह किसी विशिष्ट क्लब के बजाय हर उस संवेदनशील कलमकार की वास्तविक शरणस्थली बन सके जिसके मन के द्वार पर विचार और स्मृतियाँ दस्तक दे रही हैं।

बोध कथा

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।' तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे।

एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।' दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।'

देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं।

मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।' यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ।

बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है ।'

कविता

रिश्ते निभते प्यार से..



मोहरसिंह 'संगम

रिश्ते निभते प्यार से,ना
है और उपाय
ये बगिया के फूल है,
टूटे तो मुरझाय ।

खेती कहत किसान से, मैं उपजाऊ धान
जग सारा ये पल रहा,कर मुझपे
अभिमान ।

भय माटी से खात है, मनवा क्यों
इतराय
माटी में उपजा हुआ, माटी में मिल
जाय ।

गाँधी तेरे देश में, पनप रहा अन्याय
भोगे निर्दोषी सजा, दोषी मौज
उड़ाय ।

जात ऐसी आई है, जात नहीं है
जात
डूबा मानव जात में,जात सभी को
खात ।

पीर पराई बांटिए, ये जग में
उपकार
नेकी ऐसी कर चलो, याद करे
संसार ।

लालसोट (दौसा, राजस्थान)

व्यंग्य केसरी

लिखैवेति लिखैवेति..



ज्योत्सना सक्सेना 'प्रकाश'

वन्स अपॉन अ टाइम..जब घरों में बड़े-बुजुर्ग बच्चों को डांटते हुए कहते थे.. 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब,
खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब!' अब समय ने यूँ करवट बदली कि 'पढ़ोगे' वाला हिस्सा इतिहास विभाग में जमा हो चुका है और 'लिखोगे' ने बहुमत से सरकार बना ली है। आज स्थिति यह है कि देश में लेखक इतने हो गए हैं कि पाठकों को 'लुप्तप्राय प्रजाति' घोषित करने की तैयारी चल रही है। हर गली में चार कवि, छह विचारक, आठ मोटिवेशनल वक्ता और बारह 'अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साहित्यकार' आराम से मिल जाएंगे। हाँ ! पढ़ने वाला यदि मिल जाए तो लोग उसे ऐसे देखते हैं जैसे चिड़ियाघर में दुर्लभ सफेद मोर नाचता दिख गया हो।

आजकल साहित्य का पहला नियम है.. 'तुम मेरी पोस्ट पर वाह-वाह करो, मैं तुम्हारी पोस्ट पर अद्भुत... लाजवाब... अप्रतिम... लिख दूँगा।'

कविता कैसी है, यह कोई नहीं पूछता। बस इमोजियों की संख्या देखकर साहित्यिक ऊँचाई मापी जाती है।

जिस पोस्ट पर पचास गुलाब गुलदस्ते की और सौ तालियों की इमोजी आ जाएँ, उसे महाकाव्य मान लिया जाता है। सोशल मीडिया ने तो साहित्य को ऐसी लोकतांत्रिक आज़ादी दी है कि दो लाइन लिखते ही भीतर के तुलसीदास अंगड़ाई लेने लगता है।

एक ईंट अपनी दीवार से, दो रोड़े पड़ोसी की दीवार से निकालकर 'भानुमती साहित्य संस्थान अंतरराष्ट्रीय विश्व मंच' तैयार हो जाता है।

फिर शुरू होता है सम्मानों का मौसम।मंच पहले से बुक हैं, मालाएँ थोक में उपलब्ध हैं, शॉल प्रेस होकर तैयार हैं। बस आपको मामूली सा 'सदस्यता शुल्क' व कुछ 'सहयोग राशि 'जमा करना है और अगले रविवार तक आप 'महामहिम विश्वविख्यात कविशिरोमणि श्री श्री 1008' बन सकते हैं।

पुस्तकें भी धड़ाधड़ छप रही हैं।स्वावलंबन की पराकाष्ठा ऊंचाई छू रही है..

लेखक स्वयं लिख रहा है, स्वयं छपवा रहा है, स्वयं विमोचन कर रहा है, स्वयं समीक्षा लिख रहा है और अंत में स्वयं ही पढ़ भी रहा है।पाठक बेचारा बीच में कहाँ से लाए?

अब साहित्यिक गोष्ठियों का हाल भी निराला है।

मंच पर बैठे सभी लोग वक्ता होते हैं और नीचे बैठे लोग भविष्य के वक्ता...जो ताली बजा रहा है, वह भी भीतर से यही सोच रहा होता है.. 'आज तेरी कविता पर दाद दे रहा हूँ मित्र, कल मेरी ग़ज़ल पर तू कर्ज़ चुका देना।'

कुछ भोले-भाले लोग सचमुच सुनने भी आते हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही समझा दिया जाता है कि केवल सुनने से काम नहीं चलेगा..

'भाई साहब, अगली बार अपनी दो कविताएँ लेकर आइए... मंच खाली नहीं रहना चाहिए!'

अब हालत यह है कि साहित्य कम और 'साहित्यिक नेटवर्क मार्केटिंग' ज्यादा चल रही है। हर दूसरा व्यक्ति रचनाकार है और हर तीसरा।मुख्य अतिथि।ऐसे में विनम्र निवेदन मात्र इतना है कि हे लिखैवेती समाज!

इतिहास

22 सितंबर का दिन भारत और विश्व के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए जाना जाता है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं 1539: सिख समुदाय के पहले गुरु, श्री गुरु नानक देव जी का करतारपुर (वर्तमान पाकिस्तान) में निधन हुआ था।1792: फ्रांस में राजशाही समाप्त हुई और प्रथम फ्रांसीसी गणराज्य की स्थापना हुई।1862: ओटो वॉन बिस्मार्क प्रशिया के प्रधानमंत्री बने थे।1862: अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने 'मुक्ति उद्घोषणा' का प्रारंभिक संस्करण जारी किया था। 1980: इराक ने ईरान पर आक्रमण किया, जिससे लगभग आठ साल तक चलने वाला भीषण ईरान-इराक युद्ध शुरू हुआ।1994: लोकप्रिय अमेरिकी टीवी धारावाहिक 'फ्रेंड्स' का पहला प्रसारण एनबीसी पर हुआ था।

छह माह से बंद पड़ी सिटी स्कैन मशीन, मरीजों में बढ़ी लाचारगी

निजी सेंटरों में 3 से 5 हजार रुपए तक खर्च करने को मजबूर पीड़ित

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल ठाकुर छेदीलाल जिला चिकित्सालय जांजगीर में सिटी स्कैन मशीन पिछले करीब छह माह से खराब पड़ी है। मशीन बंद होने के कारण अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों को आवश्यक जांच के लिए निजी सिटी स्कैन सेंटरों का रुख करना पड़ रहा है। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में प्रतिदिन 500 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे मरीजों की होती है, जिन्हें चिकित्सकीय जांच के दौरान सिटी स्कैन कराने की सलाह दी जाती है। सिटी स्कैन के जरिए मस्तिष्क सहित शरीर के विभिन्न अंगों की अंदरूनी स्थिति की विस्तृत जांच की जाती है। ऐसे में मशीन लंबे समय से खराब होने के कारण मरीजों को अस्पताल परिसर में यह सुविधा नहीं मिल पा रही है।



निजी सेंटरों में हजारों रुपए खर्च करने की मजबूरी

जिला अस्पताल में सिटी स्कैन की सुविधा बंद होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि निजी सेंटरों में सिटी स्कैन के लिए जांच के प्रकार के अनुसार करीब 3 हजार से 5 हजार रुपए तक खर्च करना पड़ रहा है। सीमित संख्या में निजी सेंटर होने के कारण मरीजों को मजबूरी में अधिक राशि देकर जांच करानी पड़ रही है।

गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करने की भी नौबत

जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी सहित कई अन्य समस्याएं भी बनी हुई हैं।

आवश्यक जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर मरीजों को उनकी स्थिति के अनुसार बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, रायपुर और भिलाई जैसे शहरों के अस्पतालों में रेफर किया जाता है। ऐसे में सिटी स्कैन जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधा लंबे समय से बंद रहना मरीजों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

छह माह से मशीन खराब, जिम्मेदारों की व्यवस्था पर सवाल

जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधा का इतने लंबे समय से बंद रहना अस्पताल प्रबंधन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर आने के बावजूद उन्हें जरूरी जांच के लिए निजी सेंटरों में जाना पड़ रहा है। इससे समय के साथ-साथ आर्थिक परेशानी भी बढ़ रही है।

उच्च अधिकारियों को दी गई है जानकारी

इस संबंध में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बीएल जागृति ने बताया कि जिला अस्पताल की सिटी स्कैन मशीन खराब है, जिसके कारण मरीजों की जांच प्रभावित हो रही है। मशीन खराब होने की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जा चुकी है।

निर्माण कार्य के चलते गिधौरी-शिवरीनारायण मार्ग में लग रहा लंबा जाम

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। गिधौरी चौक से शिवरीनारायण महानदी पुल पहुंच मार्ग पर सीमेंट कांक्रीट निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही यातायात व्यवस्था बिगड़ती नजर आ रही है। निर्माणाधीन मार्ग पर वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क पर लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



गौरतलब है कि अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (भ/स) उपसंभाग कसडोल द्वारा 3 सितंबर 2026 को जारी पत्र के आधार पर गिधौरी चौक से शिवरीनारायण महानदी पुल पहुंच मार्ग पर लगभग 300 मीटर लंबाई में सीमेंट कांक्रीट निर्माण कार्य किया जाना है। पत्र में निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार द्वारा 80 दिनों की समयावधि की आवश्यकता बताई गई है तथा कार्य 16 सितंबर 2026 से प्रारंभ होने की जानकारी दी गई थी। निर्माण कार्य के दौरान पुल के ऊपर ट्रैफिक जाम की संभावना को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा संबंधित थानों को बाकायदा यातायात डायवर्जन के निर्देश भी दिए गए थे। आदेश में बिर्रा चौक पर बैरिकेड्स लगाकर रायपुर जाने वाले भारी वाहनों को शिवरीनारायण की ओर न भेजते हुए गिधौरी की ओर डायवर्ट करने, वहीं दुपट्टा मोड़ और बहोरिक चौक पर बैरिकेड्स लगाकर पामगढ़ की ओर से शिवरीनारायण होते हुए रायपुर जाने वाले भारी वाहनों को मुलमुला की ओर डायवर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में पुल चौक और पुल पर बैरिकेड्स लगाकर शबरी पुल से केवल छोटे चार पहिया और दोपहिया वाहनों को आवागमन की अनुमति देने के निर्देश दिए गए हैं। गिधौरी थाना से संपर्क कर आदेश का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। इसके बावजूद मौके पर वाहनों की लंबी कतारें लगना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। निर्माण स्थल के आसपास पर्याप्त रूप से मार्ग विभाजित नहीं होने और यातायात को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित नहीं किए जाने से वाहन चालक जाम में फंस रहे हैं। भारी वाहनों की आवाजाही से स्थिति और अधिक जटिल हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब निर्माण कार्य शुरू होने से पहले ही यातायात बाधित होने की आशंका प्रशासन के संज्ञान में थी और इसके लिए बाकायदा डायवर्ट प्लान जारी किया गया था, तो फिर मौके पर प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं दिखाई दे रही है। लोगों ने निर्माण स्थल पर स्पष्ट बैरिकेडिंग, संकेतक और पर्याप्त यातायात व्यवस्था किए जाने की मांग की है, ताकि निर्माण कार्य के साथ-साथ आम लोगों का आवागमन भी सुचारू बना रहे।

बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए पालक मैदान में उतरे

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पूरे परिसर में झाड़ियां, घास फूस, स्कूल के रास्ते पर कंटीली झाड़ियां, बच्चों की जान और सेहत पर हर पल मंडराता खतरा। पालकों के माथे पर चिंता की लकीरें। ऐसे हालातों से निपटने का बीड़ा खुद पालकों ने उठा लिया। फावड़े, कुदाल लेकर पालक उतर पड़े मैदान पर। चंद घंटों की मेहनत से पूरा परिसर हो गया चकाचक।

ग्रामीण पालकों की सजगता की यह शानदार तस्वीर देखने को मिली बस्तर जिले के बस्तर विकासखंड अंतर्गत ग्राम खैरगुड़ा में। प्राथमिक शाला खैरगुड़ा में पालकों ने विद्यालय परिसर की



साफ-सफाई और झाड़ियों की कटाई के लिए श्रमदान किया। बारिश के मौसम में स्कूल परिसर के आसपास उगी घास-फूस और झाड़ियों को देखते हुए पालकों ने स्वयं आगे आकर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान परिसर में फैली झाड़ियों की कटाई करने के साथ कचरे और घास-फूस को हटाकर स्कूल परिसर को व्यवस्थित किया गया। पालकों का कहना है कि बारिश के दिनों में झाड़ियों के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बना रहता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर की नियमित साफ-सफाई जरूरी है। पालकों ने कहा कि स्कूल गांव के बच्चों का भविष्य गढ़ने का स्थान है, इसलिए इसकी स्वच्छता और सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल स्कूल प्रबंधन की नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की है। श्रमदान के दौरान पालकों ने सामूहिक रूप से सफाई कार्य में भाग लिया। इससे विद्यालय परिसर का वातावरण और अधिक स्वच्छ एवं सुरक्षित हो गया है। पालकों की इस पहल से विद्यालय के प्रति सामुदायिक सहभागिता की भावना भी सामने आई। इस अवसर पर देवनाथ ठाकुर, गिरीराम, विश्वनाथ, हरगोविंद, लखेश्वर, बोगलू और धरमू सहित अन्य पालक उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में बिलासपुर की शर्मिला मिश्रा सम्मानित

राज्य के 39 शिक्षकों का किया गया सम्मान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा आज वृंदावन हॉल, सिविल लाईन, रायपुर में राज्य स्तरीय शिक्षकवृंद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संगठन द्वारा देश के भाग्य विधाता छत्तीसगढ़ के 39 शिक्षकों का सम्मान किया गया जिसमें बिलासपुर जिले से श्रीमती शर्मिला मिश्रा को उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कृत्य पर सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:00 बजे भगवान श्री परशुराम जी एवं माँ शारदे की प्रतिमाओं के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात भारतीय ज्ञान परम्परा एवं गुरु विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें आज के परिवेश में शिक्षक और विद्यार्थी के बीच समग्र विकास और आपसी विश्वासपूर्ण माहौल हेतु प्रगाढ़ता के निर्माण पर चर्चा की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री अनुज शर्मा जी, विधायक धरसीवां एवं अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में वर्णिका शर्मा जी, अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में निशांत त्रिपाठी, चेयरमेन शंकराचार्य कॉलेज रायपुर एवं कैलाश धर दीवान, पूर्व चेयरमेन हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय शुक्ला, प्रदेश सचिव, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज ने की।

मुख्य अतिथि पद्मश्री अनुज शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा गया शिक्षा, संस्कार व सेवा के माध्यम से एक अच्छे इंसान के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की तथा पत्रकार पंकज शर्मा जी द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति के इंटरव्यू संबंधी वाक्ये को सुनाकर उनके साहस, लगन एवं उच्च मनोबल के माध्यम से सभी को प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा व धर्मशास्त्र का उद्धरण देते हुए कर्म व मोक्ष पर विस्तृत चर्चा की एवं सम्मानित होने वाले सभी शिक्षकों को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात प्रदेश भर से आए शिक्षकों का सम्मान किया गया। दोपहर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती भारती किरण शर्मा एवं शिक्षा प्रकोष्ठ मुख्य शाखा प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रकाश धर दीवान तथा समाज के समस्त पदाधिकारियों ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन सुरुचि भोज के साथ हुआ।

अंबिकापुर की प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अंकिता बंसल गोयल 'अग्र धनवंतरी सम्मान' से सम्मानित

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के अंबिकापुर शहर स्थित प्रतिष्ठित संकल्प हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ. अंकिता बंसल गोयल को चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों और सेवा समर्पण भावना के लिए सम्मानित किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के मार्गदर्शन में, अग्रवाल सभा अंबिकापुर एवं सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासम्मेलन के आतिथ्य में 20 सितंबर को अंबिकापुर के होटल ग्रैंड वसंत में अलंकरण समारोह आयोजित किया गया था। डॉ. अंकिता को छत्तीसगढ़ की दिग्गज हस्तियों के हाथों 'अग्र धनवंतरी सम्मान' प्रदान किया गया। इस दौरान उन्हें 11,000 रुपए की सम्मान राशि, शॉल, श्रीफल और मोमेंटो भेंट किया गया।



इस अलंकरण समारोह का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ था। डॉ. अंकिता बंसल गोयल सक्ती के वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश बंसल की सुपुत्री हैं। वह अंबिकापुर के प्रसिद्ध संकल्प हॉस्पिटल के संस्थापक चेयरमैन डॉ. संजय गोयल एवं डॉ. श्रीमती लता गोयल की पुत्रवधू और डॉ. अक्षय गोयल की धर्मपत्नी हैं, तथा स्वयं संकल्प हॉस्पिटल की डायरेक्टर भी हैं। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि डॉ. अंकिता द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में किया जा रहा कार्य अग्रवाल समाज के लिए गर्व की बात है। इस सम्मान मिलने पर समाज की विभिन्न संस्थाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

ज्ञान, संगठन, संस्कार और राष्ट्रचेतना का संगम बना अधिवक्ता परिषद का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की प्रांतीय इकाई अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग जगदलपुर में गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रदेश के विभिन्न जिलों, तहसीलों एवं इकाइयों से आए अधिवक्ताओं एवं कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता से पूरा आयोजन संगठनात्मक ऊर्जा, आत्मीयता एवं सकारात्मक चिंतन से ओत-प्रोत रहा।

अभ्यास वर्ग का शुभारंभ प्रथम दिवस पंजीयन के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में माँ भारती एवं माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद



के क्षेत्र संयोजक प्रदीप सिंह जी, राष्ट्रीय महामंत्री भरत कुमार जी एवं राष्ट्रीय मंत्री विक्रम दुबे जी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने अधिवक्ता परिषद के उद्देश्य, संगठनात्मक दायित्व तथा अधिवक्ताओं की सामाजिक भूमिका पर मार्गदर्शन प्रदान किया। राष्ट्रीय महामंत्री भरत कुमार जी ने अभ्यास वर्ग की आवश्यकता एवं उसके मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अधिवक्ताओं से न्यायालयीन दायित्वों के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने व्यापक उत्तरदायित्व को समझने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री विक्रम दुबे जी ने 'अधिवक्ता परिषद के उद्देश्य एवं आगामी दृष्टि' विषय पर मार्गदर्शन देते हुए संगठन की कार्यपद्धति, प्राथमिकताओं एवं भविष्य की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के वंचित एवं पीड़ित वर्गों तक न्याय सुलभ कराने तथा न्याय, समाज एवं राष्ट्रहित के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अभ्यास वर्ग के प्रथम दिवस बस्तर राजपरिवार के महाराजा कमलचंद्र भंजदेव जी का भी गरिमामय आगमन हुआ। उन्होंने बस्तर की गौरवशाली ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं तथा प्राचीन न्याय-व्यवस्था पर रोचक एवं तथ्यपूर्ण संबोधन दिया। उनके वक्तव्य ने उपस्थित अधिवक्ताओं को बस्तर के इतिहास, लोकजीवन एवं न्याय परंपराओं को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर प्रदान किया। द्वितीय दिवस में कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक कर्तव्य जैसे जीवन-मूल्यों को केवल विचार तक सीमित न रखकर व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाने पर विशेष बल दिया गया।

इसके पश्चात मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, ग्वालियर खंडपीठ के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेंद्र कुशवाहा जी ने 'कार्य, कार्यकर्ता और संगठन' विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने संगठन के प्रति कार्यकर्ता के दायित्व, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर सक्रियता के महत्व को रेखांकित किया। अभ्यास वर्ग के दौरान विभिन्न आयामों की बैठकें आयोजित कर आगामी कार्ययोजनाओं, संगठन के विस्तार एवं संबंधित गतिविधियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इसके पश्चात जिज्ञासा समाधान सत्र में प्रतिभागी अधिवक्ताओं के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

संगीतमय राधा अष्टमी और नंदोत्सव का हुआ आयोजन

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। श्री राधा अष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के जिलाध्यक्ष अर्जुन राठौर ने अपने श्री श्याम निवास पर श्री राधा जनोत्सव और नंदोत्सव भागवताचार्य पंडित उत्तम मिश्रा के द्वारा संगीतमय श्री जी के जन्म का विस्तार से वर्णन किया गया आचार्य जी ने श्री राधा रानी के अन्य लीलाओं का बहुत ही सुंदर ढंग से कथा श्रवण कराया और कहा कि जब-जब धरती पर पाप अत्याचार अधिक होता है तो देवियों का अवतार लेकर के धर्म की स्थापना के लिए धरती पर आते हैं ठीक इसी तरह धरती से पाप को बाहर उतारने के लिए श्री राधा रानी के रूप में अवतार लिए व्यास आचार्य जी ने कथा कि शुभारंभ कृष्ण जी के जन्म के बारे में बतलाए की भगवान का जन्म कारागृह में भाद्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी



तिथि को अर्धरात्रि के समय कारागृह में माता देवकी के आठवें पुत्र के रूप में प्रकट हुए महाराज जी ने माखन चोरी लीला का विस्तार से वर्णन किया भगवान श्री कृष्ण की माखन चोरी लीला एक अद्भुत प्रेम लीला है और आगे महाराज जी ने अन्य राक्षसों के वध के बारे में बकासुर और पूतना का दुध और विष और प्राण पीकर उसका वध की कथा विस्तार से श्रवण कराया आगे भगवान श्री कृष्ण जी कुछ समय गोकुल में लीला की और उसके बाद वृंदावन में भगवान ने अनेक लीला किया वृंदावन भगवान कि लीला स्थल है महाराज जी यह भी बताया की व्रज छोड़कर के भगवान श्री कृष्णा मथुरा में प्रवेश की कुब्जा का भी उद्धार किया और कंस जैसे अत्याचारी महा पापी का वध करके धरती को पाप के बाहर से उतारा और भगवान श्री कृष्ण के अन्य लीलाओं का वर्णन गोवर्धन लीला एवं कान्हा जी की पुरी बाल लीला से लेकर कंस वध और भगवान की जन्मस्थली से लेकर द्वारकापुरी में पहुंचकर एक गरीब निर्धन ब्राह्मण जो कृष्ण जी के परम सखा सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन किया व्यास महराज ने श्री राधा रानी के प्रगट होने की कथा विस्तार से बतलाते हुये कहा की यमुना तट और स्वर्ण कमल: पौराणिक कथा के अनुसार, राजा वृषभानु एक बार यज्ञ के लिए भूमि की सफाई कर रहे थे। वहीं दूसरी कथा के अनुसार वे दैनिक स्नान के लिए यमुना नदी के तट पर गए थे, जहां उन्हें पानी की सतह पर एक सुंदर स्वर्ण कमल तैरता हुआ दिखाई दिया।

कमल में कन्या: जब राजा वृषभानु उस स्वर्ण कमल के पास गए, तो उन्होंने देखा कि उसकी पंखुड़ियों के बीच एक अत्यंत मनोहारी और तेजोमय कन्या लेटी हुई है।

पूर्व का वरदान: मान्यता है कि वृषभानु जी और उनकी पत्नी कीर्तिदा (कीर्ति देवी) ने पूर्व जन्म में भगवान विष्णु और महालक्ष्मी को अपनी संतान के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी।

श्रीजगन्नाथ मंदिर में हर रोज मिलेगा श्रद्धालुओं को भोग प्रसाद

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शहर के श्री जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए 21 सितंबर से प्रतिदिन भोग प्रसाद की व्यवस्था शुरू की जा रही है। 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज द्वारा संचालित इस व्यवस्था के तहत प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए 80 रुपए की सहयोग राशि निर्धारित की गई है।

भोग प्रसाद व्यवस्था के संचालन के लिए समिति का गठन किया गया है। समिति में सुदर्शन पाणिग्रही को अध्यक्ष, प्यारेलाल पाढ़ी को उपाध्यक्ष, आत्माराम जोशी को



सचिव और गजेंद्र पाणिग्रही कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी विपिन पाणिग्रही, सिराज पाणिग्रही और कौशल पांडे को सौंपी गई है। इस संबंध में 20 सितंबर को समाज की बैठक आयोजित कर व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने को लेकर चर्चा की गई। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और व्यवस्थित तरीके से भोजन प्रसाद उपलब्ध कराना इस व्यवस्था का उद्देश्य है। बैठक में समाज के अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे, सचिव देवशंकर पंडा, ईश्वर खंबारी, बनवाली पाणिग्रही सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। भोग प्रसाद से संबंधित जानकारी के लिए श्रद्धालु मंदिर के पुजारी या समिति के सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार को मिला सपोर्ट, सेंसेक्स 564 अंक चढ़ा

विश्व केसरी

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में नरमी और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझान के चलते सोमवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 0.76 प्रतिशत तक की तेजी आई।

बाजार बंद होने के समय, बीएसई सेंसेक्स 564.03 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 74,858.99 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 67.90 अंक यानी 0.29 प्रतिशत बढ़कर 23,414.30 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,294.96 से 240.21 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 74,535.18 पर खुला और एक समय यह 692.43 अंकों यानी 0.93 प्रतिशत की उछाल के साथ 74,987.40 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,346.40 से मामूली 16.20 अंक फिसलकर 23,330.20 पर खुला,



लेकिन दिन में एक समय इसने 120.4 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,466.80 का उच्चतम स्तर छुआ।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.29 प्रतिशत और 0.07 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी 50 में इटरनल, एचसीएल टेक, आईटीसी, सन फार्मा, मैक्स हेल्थ, टाइटन, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ शीर्ष लाभ कमाने वाली कंपनियां रहीं, जबकि भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, विप्रो, ग्रासिम, इंफोसिस और टाटा स्टील टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहीं। बता दें कि सऊदी अरब से शिपमेंट में सुधार की उम्मीदों के चलते वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.25 प्रतिशत गिरकर 101.5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। इसका असर घरेलू बाजार पर साफ देखने को मिला। वहीं, लगातार सात सत्रों की बिकवाली के बाद शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयरों में शुद्ध खरीदारी की और 599 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशक भी खरीदारी जारी रखते हुए सत्र के दौरान 1,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया। एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, आने वाली यूएस-चीन बातचीत से पहले बेहतर होते माहौल, यूएन में यूएस और ईरान के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत की नई उम्मीदों, और तेल की कीमतों व बॉन्ड यील्ड में गिरावट ने निवेशकों को राहत दी है।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी में गिरावट, दाम करीब 0.70 प्रतिशत घटे

विश्व केसरी



मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को गिरावट देखने को मिली और इससे दोनों की कीमती धातुओं का दाम करीब 0.70 प्रतिशत घट गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,54,381 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले गिरावट के साथ 1,53,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। सुबह 10:30 बजे यह 828 रुपए या 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,53,553 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,050 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,54,059 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोंजिग 2,41,603 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,40,004 रुपए प्रति किलो पर था। खबर लिखे जाने तक यह 1,689 रुपए या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,39,914 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,39,893 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,41,122 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में कमजोरी देखी जा रही थी। कॉमेक्स पर सोना 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,391 प्रति औंस और चांदी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की वजह डॉलर इंडेक्स में तेजी को माना जा रहा है। यह अभी 100 के ऊपर बना हुआ है, जो कि बीते चार हफ्तों का सबसे उच्चतम स्तर है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद भी कीमती धातुओं में गिरावट की एक वजह है। डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

नॉन-लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम अगस्त में 10 प्रतिशत बढ़ा, हेल्थ सेगमेंट सबसे आगे रहा: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नॉन-लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम अगस्त में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 27,455 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें हेल्थ सेगमेंट का योगदान सबसे अधिक रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त के मुख्य आंकड़ों में ग्रोथ की वजह फसल पंजीकरण के समय में हुआ बदलाव है। साथ ही, आग और फसल से जुड़ी दिक्कतों के कम होने से वित्त वर्ष 27 में अप्रैल-अगस्त के दौरान ग्रोथ एक साल पहले के 6 प्रतिशत से बढ़कर 9.6 प्रतिशत हो गई है।

जुलाई में फसल प्रीमियम तीन गुना बढ़कर 3,274 करोड़ रुपए हो गया, क्योंकि राज्यों ने खरीफ फसल पंजीकरण की समय-सीमा 31 जुलाई से आगे बढ़ा दी और कारोबार को अगस्त तक टाल दिया।



रिपोर्ट में कहा गया, 'फसल प्रीमियम में बढ़ोतरी से आग और फसल से जुड़े नुकसान का असर भी 11.1 पीपी से घटकर 4.2 पीपी रह गया है।' आग और फसल बीमा को छोड़कर, जुलाई में इंडस्ट्री की ग्रोथ लगभग 17 प्रतिशत से घटकर 14.3 प्रतिशत रह गई, क्योंकि गाड़ियों की बिक्री के साथ-साथ मोटर गाड़ियों के कारोबार में भी सुस्ती आई।

केयरएज रेटिंग्स के डायरेक्टर प्रियेश रूपारेलिया ने कहा, 'इस सुस्ती का मतलब रिटेल डिमांड में कमी नहीं है। यह गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन में कमी और सरकारी हेल्थ स्कीम प्रीमियम की बुकिंग में उतार-चढ़ाव को दिखाता है।'

रिटेल सेगमेंट ने इंडस्ट्री के विस्तार को आगे बढ़ाया। हेल्थ इंश्योरेंस में लगातार पांचवें महीने 30 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी (32.5 प्रतिशत) देखी गई और मोटर इंश्योरेंस में लगातार पांचवें महीने डबल-डिजिट ग्रोथ दर्ज की गई। अगस्त में कुल प्रीमियम में हेल्थ इंश्योरेंस का हिस्सा 39.5 प्रतिशत था और अप्रैल-अगस्त वित्त वर्ष 27 के दौरान यह 44 प्रतिशत रहा। अगस्त में हेल्थ प्रीमियम सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 10,834 करोड़ रुपए हो गया, जबकि जुलाई में यह 26 प्रतिशत और साल की शुरुआत से अब तक 20.9 प्रतिशत बढ़ा था।

रूपारेलिया ने कहा, 'हेल्थ इंश्योरेंस ग्रोथ का मुख्य कारण बना हुआ है और इस ग्रोथ की क्वालिटी में भी सुधार हुआ है। इसकी वजहें हैं - रिन्यूअल रेट में बढ़ोतरी, क्लेम रेश्यो में कमी और इंश्योरेंस के लिए नए ग्राहकों का जुड़ना।' सितंबर के दूसरे हिस्से से रिटेल हेल्थ ग्रोथ की रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है, क्योंकि तब जीएसटी से जुड़े बेस की तुलना करना आसान हो जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में लॉन्च किया अपना चौथा क्लाउड रीजन, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने हैदराबाद में अपना चौथा क्लाउड रीजन लॉन्च किया है, जिससे भारत में कंपनी की क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) क्षमता का और विस्तार हुआ है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब देश में डेटा सेंटर क्षमता और एंटरप्राइज स्तर पर एआई के उपयोग में तेज वृद्धि की उम्मीद की जा रही है।

हैदराबाद में शुरू किया गया 'इंडिया साउथ सेंट्रल' क्लाउड रीजन माइक्रोसॉफ्ट के मौजूदा पुणे, चेन्नई और मुंबई स्थित क्लाउड रीजन से जुड़ गया है। इसके साथ ही भारत में कंपनी की हाइपरस्केल क्लाउड अवसंरचना मौजूदगी और मजबूत हो गई है।

यह लॉन्च माइक्रोसॉफ्ट द्वारा पहले घोषित 20.5 अरब डॉलर के निवेश कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत में क्लाउड



क्षमताओं, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट पहल और परिचालन विस्तार को बढ़ावा देना है। लॉन्च कार्यक्रम के दौरान माइक्रोसॉफ्ट इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष पुनीत चंदोक ने कहा कि भारत अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और दुनिया के सबसे बड़े डेटा उत्पादक देशों में तेजी से उभर रहा है।

उन्होंने बताया कि भारत आज दुनिया के कुल डेटा का लगभग 20 प्रतिशत उत्पन्न करता है, लेकिन वैश्विक डेटा सेंटर क्षमता में उसकी हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत है।

चंदोक ने कहा, 'दुनिया का 20 प्रतिशत डेटा भारत में पैदा हो रहा है, लेकिन दुनिया की केवल 3 प्रतिशत डेटा सेंटर क्षमता हमारे देश में मौजूद है। इन दोनों आंकड़ों के बीच ही इस दशक का भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर छिपा है।' उन्होंने बताया कि भारत में वर्तमान में लगभग 2 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है। उनका अनुमान है कि वर्ष 2035 तक यह क्षमता बढ़कर 12 से 14 गीगावाट के बीच पहुंच सकती है।

चंदोक ने बताया कि यह विस्तार इसलिए आवश्यक होगा क्योंकि कंपनियां, सरकारी विभाग और संस्थान अब एआई के प्रयोगात्मक चरण से आगे बढ़कर बड़े पैमाने पर एआई-आधारित अनुप्रयोगों को लागू करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एआई सेवाओं की मांग पहले से ही मजबूत है और अब सबसे बड़ी चुनौती भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसंरचना तैयार करना है। पुनीत चंदोक ने कहा, 'जिस डिजिटल पैमाने का हम निर्माण कर रहे हैं, उसके लिए भौतिक अवसंरचना का भी उसी स्तर पर विस्तार जरूरी है और यह हम सभी के लिए एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है।'

चेन्नई में हरे पैकेट की कमी से 'आविन' दूध की बिक्री में भारी गिरावट

विश्व केसरी

चेन्नई। पिछले छह महीनों में चेन्नई में 'आविन' दूध की बिक्री में काफी कमी आई है, जिसकी मुख्य वजह इसके लोकप्रिय हरे पैकेट की भारी कमी है। इससे ग्राहकों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में परेशानी हो रही है।

तमिलनाडु सरकार की डेयरी कोऑपरेटिव पूरे राज्य में दूध की एक बड़ी सप्लायर है और चेन्नई में इसके ग्राहकों की संख्या काफी ज्यादा है। 'आविन' दूध को उसमें मौजूद फैट और बनावट के आधार पर नारंगी, हरे और नीले पैकेट में बेचती है। इनमें से हरे पैकेट को घरों में सबसे अधिक पसंद किया जाता है। कुछ समय पहले तक, चेन्नई में 'आविन' के दूध की रोजाना बिक्री लगभग 16.5 लाख लीटर थी।

हालांकि, दूध के एजेंटों का कहना है कि पिछले छह महीनों में बिक्री 10 से 15 प्रतिशत तक गिर गई है क्योंकि सप्लाई मांग के हिसाब से नहीं हो पा रही है। अगस्त के बाद से यह कमी और भी गंभीर हो गई है।

ग्राहकों का कहना है कि 'आविन' आउटलेट्स और आसपास की दुकानों पर अक्सर हरे रंग के पैकेट वाले दूध नहीं मिल रहे हैं। एजेंटों ने इस समस्या के लिए कोऑपरेटिव द्वारा दूध की अपर्याप्त खरीद को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि ग्राहकों की लगातार मांग के बावजूद दूध की खरीद की मात्रा नहीं बढ़ाई गई है।



सप्लाई में यह दिक्कत सिर्फ चेन्नई तक ही सीमित नहीं है। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, सलेम और इरोड जिलों में भी ऐसी ही कमी की खबरें आई हैं। कई 'आविन' आउटलेट्स पर सप्लाई किए जाने वाले दूध के क्रेट्स की संख्या भी कम कर दी गई है, जिससे रिटेल में दूध की उपलब्धता पर और असर पड़ा है। चेन्नई के कई इलाकों में 'आविन' दूध के पैकेट सुबह-सुबह ही बिक जाते हैं। जो ग्राहक देर से आते हैं, उन्हें कई आउटलेट्स पर जाना पड़ता है या फिर प्राइवेट डेयरी ब्रांड्स पर निर्भर रहना पड़ता है, जो आम तौर पर अधिक महंगे होते हैं। इस कमी की वजह से कुछ छोटी किराने की दुकानों पर अधिक दाम वसूलने के आरोप भी लगे हैं।

ग्राहकों का कहना है कि हरे 'आविन' दूध के पैकेट की सरकारी कीमत आधे लीटर के लिए 22 रुपये है, वे 24 रुपये में बेचे जा रहे हैं और रिटेलर्स हर पैकेट पर 2 रुपये ज़्यादा ले रहे हैं। जो परिवार नियमित रूप से 'आविन' दूध पर निर्भर हैं, उनका कहना है कि इस कमी से उनके घर का मासिक खर्च बढ़ गया है क्योंकि उनके पास ज्यादा कीमत वाला प्राइवेट दूध खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं है।

ग्राहकों ने राज्य सरकार और 'आविन' मैनेजमेंट से मांग की है कि वे दूध की खरीद और सप्लाई को बेहतर बनाएं, सप्लाई को पहले के स्तर पर लाएं और यह पक्का करें कि दूध के पैकेट तय कीमत पर ही बेचे जाएं। उन्होंने ज़्यादा दाम वसूलने और बनावटी कमी पैदा करने से रोकने के लिए रिटेल आउटलेट्स की नियमित जांच की भी मांग की है। दूध एजेंटों ने चेतावनी दी है कि अगर चेन्नई और दूसरे प्रभावित जिलों में दूध की खरीद और वितरण को तुरंत बेहतर नहीं किया गया, तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

भारत के साथ एफटीए समझौता 20 अक्टूबर से होगा लागू, न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन बोले- मैं रोमांचित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) डील के लागू होने की तारीख बता दी गई है। अगले महीने 20 तारीख यानी विजयदशमी के दिन से इसे लागू कर दिया जाएगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्जन ने इस पर काफी खुशी जताई है।

उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए अपनी प्रसन्नता साझा की। उन्होंने इस डील को एक उपलब्धि के तौर पर बयां किया। एक्स पर लिखा, 'लगभग तीन साल पहले, मैंने वादा किया था कि अगर हमारी पार्टी (नेशनल) चुनी जाती है, तो हम अपने पहले कार्यकाल में ही भारत के साथ एक फ्री ट्रेड डील (मुक्त व्यापार समझौता) करेंगे। और आज, हमने उस डील को फाइनल कर लिया है, जो अगले महीने से लागू हो जाएगी।'

उत्साहित लक्सन ने आगे कहा, 'यह सोचना रोमांचक है कि इस एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) की वजह से कितने बिजनेस बढ़ेंगे, और फिर यह सोचना कि इसका उन बिजनेस, उनमें काम करने वाले लोगों और पूरे देश के लिए क्या मतलब होगा।'



न्यूजीलैंड के पीएम ने उम्मीद जताई कि डील के लागू होने से एक्सपोर्टर्स के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध होंगे, बिजनेस तेजी से बढ़ेंगे, और न्यूजीलैंड में ज्यादा रोजगार और आमदनी के मौके लोगों को मिलेंगे। बता दें, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) 20 अक्टूबर यानी विजयदशमी (दशहरा) पर लागू होने जा रहा है। इसकी जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से सोमवार को दी गई।

इस एफटीए को दोनों देशों की जीत बताते हुए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए विजयदशमी के मौके पर 20 अक्टूबर 2026 को लागू होगा।

इससे पहले, गोयल ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता केवल वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कई नए क्षेत्रों में अपार संभावनाएं खुलेंगी। इस समझौते के तहत भारत से न्यूजीलैंड जाने वाले अधिकांश उत्पादों पर अब शून्य (जीरो) शुल्क लगेगा, जिससे भारतीय निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस समझौते के जरिए न्यूजीलैंड का बाजार भारत के लिए लगभग 140 सेवा क्षेत्रों में खुल गया है।

सिम के दुरुपयोग पर 3 साल की जेल और 50 लाख रुपए जुर्माना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सोमवार को नागरिकों को सिम कार्ड और दूरसंचार पहचानकर्ताओं के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी। विभाग ने कहा कि दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत उल्लंघन करने पर तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ा सकता है।

विभाग ने यह सलाह छत्तीसगढ़ में सिम जारी करने वाले एक फर्जीवाड़े का पता चलने के बाद जारी की गई है। इस मामले में नागरिकों के पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल उनकी जानकारी या सहमति के बिना मोबाइल कनेक्शन सक्रिय करने के लिए किया गया था। दूरसंचार विभाग के अनुसार, राज्य में एक प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट ने नागरिकों के पहचान दस्तावेजों का उनकी जानकारी या सहमति के बिना इस्तेमाल कर 25 सिम कार्ड सक्रिय किए थे। विभाग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं



के साथ मिलकर संबंधित पीओएस एजेंट को ब्लैकलिस्ट कर दिया। इसके बाद यह आउटलेट भविष्य में मोबाइल कनेक्शन जारी नहीं कर सकेगा। संचार मंत्रालय ने कहा, 'हाल की साइबर अपराध जांच में ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ के एक प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट ने नागरिकों के पहचान दस्तावेजों का उनकी जानकारी या सहमति के बिना इस्तेमाल कर 25 मोबाइल कनेक्शन (सिम) अवैध रूप से सक्रिय किए।'

इसके बाद इन 25 मोबाइल नंबरों की डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) के जरिए जांच की गई। यह दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित एक प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल संदिग्ध दूरसंचार गतिविधियों का पता लगाने के लिए किया जाता है। सार्वजनिक सलाह जारी करते हुए दूरसंचार विभाग ने दोहराया कि सिम कार्ड जारी करने में धोखाधड़ी, दूरसंचार पहचानकर्ताओं का दुरुपयोग और इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबरों से छेड़छाड़, दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत गंभीर अपराध हैं।

विभाग ने कहा कि ऐसे उल्लंघनों पर तीन साल तक की जेल के साथ-साथ 50 लाख रुपए तक का आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। यह सलाह साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में दूरसंचार संसाधनों के बढ़ते दुरुपयोग को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है।

खाने में कसैला जरूर है यह हर्ब्स, लेकिन हड्डियों के दर्द को चूसकर बाहर निकाल देता है, विज्ञान ने भी माना लोहा



भारत एक से बढ़कर एक अनमोल हर्ब्स भरे पड़े हैं. सदियों से इन हर्ब्स से कई तरह की बीमारियों का इलाज किया जाता रहा है. इन्हीं में से एक महागुणी हर्ब्स है बोसवेलिया यानी लोबान या गुगूल जड़ी-बूटी. आजकल यह कैप्सूल में भी आने लगा है. लोबान ऐसा हर्ब्स है जो हड्डियों से दर्द को चूसकर बाहर निकाल देता है. इसके पेड़ की छाल, राख के रंग की होती है. इसके पत्ते नीम के पत्ते की तरह होते हैं. इसलिए इसका स्वाद थोड़ा कसैला होता है लेकिन गुणों में खान होता है. आइए इसके फायदों के बारे में जानते हैं.

लोबान का नाम आपने सुना ही होगा. अगर नहीं सुना है तो आपने पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाले धूप तो जरूर जलाए होंगे. यही है लोबान या शालाकी. इसे सालई, सलई गूगुल या लबान भी कहते हैं. यह बेशकीमती हर्ब्स है. सदियों से जोड़ों का दर्द के लिए इसका इस्तेमाल होता रहा है. अब विज्ञान ने भी इसे प्रमाणित किया है. इसका एक रूप धूप है जो खुशबू देता है दूसरा इसकी छाल से दवाई बनाई जाती है. पिछले कुछ सालों से लोबान को लेकर कई रिसर्च हुई हैं. रिसर्च के अनुसार लोबान ऑस्टियोऑर्थराइटिस, रुमेटॉयड अर्थराइटिस, अस्थमा और इंफ्लामेटरी बाओल डिजीज के लिए बेस्ट हर्ब्स है. कुछ रिसर्च के मुताबिक लोबान में ल्यूकेमिया और ब्रेस्ट कैंसर को भी ठीक करने की क्षमता है लेकिन अभी यह रिसर्च शुरुआती चरण में है. इसलिए लोबा

क्या कहता है विज्ञान

हेल्थलाइन की साइंटिफिक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक जो लोबान को लेकर रिसर्च हुई है उसमें पाया गया है कि लोबान में बोसवेलिक एसिड होता है. यह शरीर में ल्यूकोट्रायनेस कंपाउड को बनने से रोकता है. ल्यूकोट्राइमस ही वह विलेन है जिसकी वजह से शरीर में इंफ्लामेशन यह सूजन बनती है. इंफ्लामेशन के कारण शरीर में कई तरह की दर्द वाली बीमारियां होती है जिनमें गठिया प्रमुख है. इसी कारण अस्थमा भी होता है. लोबान की छाल में चार तरह के मुख्य एसिड होते हैं जिनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होता है. इससे शरीर में सूजन वाली बीमारी का खतरा कम हो जाता है. 2003 में फायटोमेडिसीन जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित 30 लोगों पर स्टडी की गई. ये लोग घुटनों के दर्द से बुरी तरह प्रभावित थे. जब एक महीने तक इन लोगों ने लोबान का सेवन किया तो जो पहले चल नहीं पा रहे थे वे अब आराम से टहलने लगे.

आईबीडी का इलाज

आईबीडी मतलब इंफ्लामेटरी बाओल डिजीज. यह पेट से संबंधित बीमारी है जिसकी वजह से पाचन संबंधी दिक्कतें होती है और पेट में दर्द होता है. आईबीडी के कारण आंत में सूजन हो जाती है. 2001 में इसे लेकर स्टडी हुई थी. चूंकि लोबान में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होता है. इसलिए इसके टैबलेट को कुछ दिनों तक क्रोन्स, अल्सराइटिव कोलाइटिस जैसी आंत की बीमारियों में इस्तेमाल किया. इसका शानदार रिजल्ट मिला. इसके बाद कई अध्ययनों में लोबान से आईबीडी से संबंधित बीमारियों में बेहतर परिणाम मिले।

बच्चे की जिद से हैं परेशान? अपनाएं 3 असरदार पेरेंटिंग ट्रिक्स, चुटकियों में दूर होगी समस्या



बच्चे की जिद और नखरों से अक्सर माता-पिता परेशान हो जाते हैं. अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो अब चिंता छोड़ दें. यहां जानिए बेहद असरदार और आसान पेरेंटिंग ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप चुटकियों में बच्चों की जिद्दी आदतों को सुधार सकते हैं. त रहने, ये अचूक उपाय आज ही आजमाकर देखें और फर्क महसूस करें.

बच्चे की जिद अक्सर माता-पिता के लिए एक बहुत बड़ा सिरदर्द बन जाती है. कभी खिलौने के लिए मचलना, दुकान में लेट जाना, तो कभी समय पर होमवर्क न करने की जिद, पैरेंट्स कई बार समझ ही नहीं पाते कि ऐसी तनावपूर्ण स्थिति को कैसे संभालें. हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा संस्कारी और आज्ञाकारी हो, लेकिन बच्चों का जिद्दी स्वभाव उन्हें कई बार परेशान कर देता है.अगर आप भी अपने बच्चे के इन अनचाहे नखरों और रोजाना की जिद से पूरी तरह परेशान हो चुके हैं, तो अब चिंता करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है.

बच्चों की साइकोलॉजी को समझकर उनके व्यवहार में सुधार लाया जा सकता है. यहां हम आपके लिए लेकर आए हैं 3 बेहद असरदार पेरेंटिंग ट्रिक्स, जिन्हें अपनाकर आप चुटकियों में इस समस्या से निजात पा सकते हैं. आइए जानते हैं इन आसान और कारगर तरीकों के बारे में:

जिद्दी बच्चों को ऐसे करें शांत-

1. गुस्से की जगह हमेशा अपनाएं 'कूल' रवैया (शांत रहें)-

जब बच्चा किसी बात पर जिद करता है, तो स्वभाविक रूप से माता-पिता को भी गुस्सा आने लगता है और वे चिल्लाने या डांटने लगते हैं. यहीं पर हम सबसे बड़ी गलती कर बैठते हैं.

क्यों है जरूरी: बच्चों पर चिल्लाने या उनपर हाथ उठाने से समस्या हल नहीं होती, बल्कि वे और ज्यादा आक्रामक, विद्रोही या जिद्दी हो जाते हैं. वे इसे अपनी जीत या अपनी बात मनवाने का एक नकारात्मक तरीका मान लेते हैं.

2. बच्चे को दें 'लिमिटेड चॉइस' (विकल्प दें)-

छोटे बच्चों की एक आम प्रवृत्ति होती है कि वे हर बात पर अपनी ही जिद मनवाना चाहते हैं. अगर आप उन्हें सीधे तौर पर किसी काम के लिए 'ना' कहेंगे, तो वे और ज्यादा भड़क जाएंगे. ऐसे में उन्हें सीधे मना करने के बजाय स्मार्ट तरीके से विकल्पों में उलझाएं.

कैसे काम करता है: उदाहरण के लिए, अगर बच्चा रात को समय पर सोने से मना कर रहा है या सुबह स्कूल जाने के लिए कोई खास कपड़ा पहनने की जिद कर रहा है, तो उस पर हुकुम चलाने के बजाय उससे पूछें— 'क्या आप लाल टी-शर्ट पहनेंगे या नीली?' या 'क्या आप सोने से पहले पहले ब्रश करेंगे या कहानी सुनेंगे?'

फायदा: इस तरह के छोटे विकल्प देने से बच्चे को यह महसूस होता है कि उसकी बात की अहमियत है और घर के फैसलों में उसकी भी बराबर हिस्सेदारी है. इस मनोवैज्ञानिक ट्रिक से वह बिना किसी ड्रामा के आसानी से मान जाता है.

3. 'इग्नोर' करना भी है एक बेहतरीन हथियार-

कई बार बच्चे किसी जरूरी चीज के लिए नहीं, बल्कि केवल सबका ध्यान (अटेंशन) पाने के लिए या अपनी मनमानी करने के लिए पब्लिक प्लेस या घर में तेज ड्रामा और रोना-धोना शुरू कर देते हैं.

असरदार तरीका: अगर बच्चे की जिद किसी गलत मांग को लेकर है और वह सिर्फ आपको ब्लैकमेल करने के लिए रो रहा है, तो कुछ देर के लिए उसकी उस जिद और हरकत को पूरी तरह नजरअंदाज (इग्नोर) करना शुरू कर दें।

पहाड़ों से सूर्योदय का अद्भुत नजारा देखना है? भारत के ये ट्रेक हैं बेस्ट, खाने-रहने की पूरी जानकारी



अगर आप भी शहर की भीड़-भाड़ और शोरगुल से दूर प्रकृति की गोद में सुकून के कुछ पल बिताना चाहते हैं, तो पहाड़ों की ऊंचाइयों से उगते हुए सूरज को देखना एक जादुई अनुभव हो सकता है. भारत में कई ऐसे ट्रेकिंग रूट्स हैं, जहां से सूर्योदय का नजारा ऐसा दिखता है जिसे आप जिंदगीभर नहीं भूल पाएंगे. आइए जानते हैं भारत के ऐसे ही 5 बेहतरीन ट्रेक्स के बारे में, जहां का सनराइज व्यू आपका दिल जीत लेगा, साथ ही जानेंगे वहां खाने-रहने और रुकने की पूरी जानकारी.

क्या आप भी शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर पहाड़ों की शांत वादियों में खो जाना चाहते हैं? अगर आपको बादलों के पार से उगते हुए सूरज को देखने का शौक है, तो यह आर्टिकल आपके लिए ही है. यहां हम आपको ले चल रहे हैं भारत के उन 5 सबसे बेहतरीन और रोमांचक ट्रेक्स पर, जहां से पहाड़ों का सूर्योदय किसी जादुई अहसास से कम नहीं लगता. संदकफू की ठंडी हवाओं से लेकर केदारकांथा की बर्फ से ढकी चोटियों तक, इस गाइड में आपको इन जगहों पर जाने, वहां ठहरने के लिए बेस्ट होमस्टे या कैंपिंग और खाने-पीने की पूरी जानकारी मिलेगी, ताकि आपका अगला ट्रैवल प्लान बिल्कुल परफेक्ट हो सके!

क्यों है खास: पश्चिम बंगाल की सबसे ऊंची चोटी संदकफू से दुनिया के सबसे ऊंचे पहाड़ों (कंचनजंगा और एवरेस्ट की रेंज) पर सूरज की पहली किरणें पड़ने का नजारा अद्भुत होता है. इसे 'स्लीपिंग बुद्धा' रेंज भी कहा जाता है.

रहने और खाने की व्यवस्था: यहां रास्ते में ट्रेकर्स के लिए होमस्टे और ट्रेकर्स हट्स आसानी से मिल जाते हैं. लोकल होमस्टे में आपको गर्मागर्म पहाड़ी खाना और रहने के लिए बिस्तर मिल जाएगा।

बेलन-चकला रखिए साइड में, गेहूं के आटे से ऐसे बनाएं झटपट वेज नाश्ता, मिनटों चट कर जाएंगे ये डिश, जानिए आसान तरीका



गेहूं के आटे, आलू और ताजी सब्जियों से बना यह झटपट नाश्ता सुबह की भागदौड़ में काम आ सकता है. इसे चीले की तरह तवे पर सेंका जाता है. सब्जियां पहले से कटी हों तो इसकी तैयारी और भी आसान हो जाती है.

सुबह का समय अक्सर इतना व्यस्त होता है कि नाश्ता बनाने के लिए लंबी तैयारी करना मुश्किल लगता है. कभी बच्चों का टिफिन तैयार करना होता है तो कभी ऑफिस जाने की जल्दी रहती है. ऐसे में रसोई में रखा गेहूं का आटा और कुछ सब्जियां काम आसान कर सकती हैं. खास बात यह है कि इस नाश्ते के लिए न आटा गूंथने की जरूरत है और न रोटियां बेलने की. सब्जियों को बारीक काटकर आटे में मिलाइए और गाढ़ा घोल तैयार कर लीजिए. फिर इसे तवे पर चीले की तरह फैलाकर सेंकना है, अगर सब्जियां पहले से कटी हुई हैं तो तैयारी में ज्यादा समय नहीं लगता. यह नाश्ता सुबह की चाय के साथ या बच्चों के टिफिन में भी दिया जा सकता है.

गेहूं के आटे और सब्जियों से बनाएं आसान नाश्ता

इस रेसिपी को आप आटा-सब्जी चीला या झटपट वेज डोसा कह सकते हैं. इसमें गेहूं के आटे के साथ कई तरह की सब्जियां मिलाई जाती हैं. बाहर से हल्का क्रिस्पी और अंदर से नरम नाश्ता तैयार होता है. इसे बनाने के लिए 2 कप गेहूं का आटा लें. इसके साथ 1 शिमला मिर्च, 1 गाजर, 1 टमाटर, 1 प्याज, 2 हरी मिर्च और थोड़ा हरा धनिया बारीक काट लें.

कच्चे आलू से आएगा अच्छा टेक्सचर

अब एक कच्चे आलू को छीलकर कद्दूकस कर लें. कद्दूकस किए आलू को पानी में डालकर हल्का धोएं और फिर अच्छी तरह निचोड़ लें. इसे गेहूं के आटे में मिला दें. आलू मिश्रण को बांधने में मदद करता है और नाश्ते को सेंकने के बाद अच्छा टेक्सचर भी देता है. अब इसमें बारीक कटी शिमला मिर्च, गाजर, टमाटर, प्याज, हरी मिर्च और हरा धनिया डालें. स्वाद के लिए हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च, थोड़ा गरम मसाला और नमक डालें. आप अपने स्वाद के हिसाब से मसालों की मात्रा कम या ज्यादा कर सकते हैं.

गाढ़ा घोल तैयार करना है जरूरी

अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं. ध्यान रखें कि आटे की कोई गुठली न रह जाए. घोल न तो बहुत पतला होना चाहिए और न ही इतना गाढ़ा कि तवे पर फैलाना मुश्किल हो. इसे चीले या डोसे के घोल जैसा रखें. अगर घोल बहुत पतला हो जाए तो थोड़ा गेहूं का आटा मिलाया जा सकता है. वहीं बहुत गाढ़ा लगे तो थोड़ा पानी डालकर इसे सही कंसिस्टेंसी में लाएं. सब्जियां बारीक कटी होंगी तो घोल तवे पर आसानी से फैल जाएगा.

तवे पर फैलाकर ऐसे पकाएं

अब तवा गैस पर रखें और हल्का गर्म होने दें. तवे पर थोड़ा तेल लगाएं. इसके बाद एक बड़ा चम्मच घोल डालकर उसे गोल आकार में धीरे-धीरे फैलाएं. इसे बहुत ज्यादा पतला करने की जरूरत नहीं है. नाश्ते को मध्यम आंच पर पकाना

पूरियां तलते ही बैठ जाती हैं या फूलती नहीं? आटा गूंथने से लेकर तेल गर्म करने तक अपनाएं ये टिप्स



घर पर फूली और स्वादिष्ट पूरी बनाने के लिए आटे से लेकर तेल के तापमान तक कुछ छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है. पूरी का आटा रोटी के आटे की तुलना में थोड़ा सख्त रखने से उसे तलने में आसानी होती है. हल्का कुरकुरापन चाहिए तो गेहूं के आटे में थोड़ी बारीक सूजी मिलाई जा सकती है. पूरी को एक समान मोटाई में बेलें और बेलने के लिए बहुत ज्यादा सूखा आटा इस्तेमाल करने से बचें. ठंडे तेल में पूरी तलने पर वह ज्यादा तेल सोख सकती है, इसलिए तेल सही गर्म होना जरूरी है. पूरी तेल में डालने के बाद हल्के हाथ से दबाने या ऊपर गर्म तेल डालने से उसे फूलने में मदद मिल सकती है.

आलू की सब्जी हो, छोले हों या फिर सूजी का हलवा, इनके साथ गरमा-गरम फूली हुई पूरी मिल जाए तो खाने का मजा बढ़ जाता है. त्योहार से लेकर घर के खास नाश्ते तक पूरी अक्सर बनाई जाती है, लेकिन इसे देखने में जितना आसान समझा जाता है, हर बार वैसी फूली और अच्छी पूरी बनाना उतना आसान नहीं होता. कभी पूरी कड़ाही में डालते ही एक तरफ से फूलती है और दूसरी तरफ चपटी रह जाती है, कभी तलने के कुछ ही मिनट बाद बैठ जाती है तो कई बार पूरी बहुत ज्यादा तेल पी लेती है. इन परेशानियों के पीछे अक्सर कोई बड़ी गलती नहीं, बल्कि आटा गूंथने, लोई बेलने और तेल के तापमान से जुड़ी छोटी-छोटी बातें होती हैं । अगर पूरी के आटे को सही तरीके से तैयार किया जाए, उसे बहुत पतला न बेला जाए और तलते समय तेल का तापमान ठीक रखा जाए तो घर पर भी फूली हुई ।

भृंगराज से गिलोय तक, हेयर केयर रूटीन में शामिल करें ये 5 आयुर्वेदिक पाउडर, बाल बनेंगे घने-काले और मजबूत



बालों का झड़ना महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए एक आम समस्या बन गया है. वैसे तो बाजार में हेयर केयर के लिए कई तरह के शैंपू, सीरम और हेयर प्रोडक्ट हैं, लेकिन आयुर्वेद में सदियों से ऐसी कई जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया जाता रहा है, जो बालों को बिना किसी साइड इफेक्ट फायदे पहुंचाते हैं.

हेयर केयर रूटीन आज के समय में कई हार्ड केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स से भरा हुआ है. इससे फायदे तो तुरंत नजर आते हैं, लेकिन लंब समय में बालों को उल्टा डैमेज पहुंचाते हैं. ऐसे में जड़ी-बूटियों से बने पाउडर और तेल या हेयर मास्क स्कैल्प और पूरे हेयर हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित होते हैं. ये स्कैल्प की देखभाल करने, बालों को पोषण देने और उनकी प्राकृतिक चमक बनाए रखने में मदद करते हैं. आइए जानते हैं ऐसे 5 आयुर्वेदिक पाउडर के बारे में, जिनका इस्तेमाल बालों की देखभाल में लंबे समय से किया जाता रहा है.

भृंगराज को आयुर्वेद में बालों के लिए उपयोगी जड़ी-बूटी माना जाता है. इसमें कई प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसका उपयोग अक्सर तेल के रूप में किया जाता है, लेकिन इसका पाउडर भी हेयर मास्क में मिलाया जा सकता है. माना जाता है कि यह बालों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने में मदद कर सकता है. इसे आप दुकान से भी खरीद सकते हैं.

मंजिष्ठा को आयुर्वेद में औषधीय जड़ी-बूटी माना जाता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं. इसका उपयोग स्कैल्प की देखभाल और बालों की चमक बनाए रखने के लिए किया जाता है. कुछ लोग इसे बालों को प्राकृतिक रंग देने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं.

ब्राह्मी का उपयोग आयुर्वेदिक हेयर केयर में लंबे समय से किया जाता रहा है. इसके पाउडर या तेल का इस्तेमाल स्कैल्प को स्वस्थ रखने और बालों को पोषण देने के लिए किया जाता है. माना जाता है कि यह बालों को मजबूत बनाने में सहायक हो सकती है.

शिकाकाई को 'हेयर फ्रूट' भी कहा जाता है. यह बालों की सफाई के लिए पारंपरिक रूप से इस्तेमाल की जाती रही है. इसमें प्राकृतिक सैपोनिन्स, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. ये बालों को साफ रखने, रूसी को कम करने और बालों की चमक बनाए रखने में मदद कर सकती है.

गिलोय को आयुर्वेद में कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है. बालों की देखभाल में इसका उपयोग स्कैल्प को स्वस्थ रखने और रूसी जैसी समस्याओं को कम करने के लिए किया जाता है. यह बालों की बनावट को बेहतर बनाने में भी सहायक मानी जाती है।



आचार्य श्री सुदर्शन जी महाराज के पोते आदित्य सिंह सुदर्शन का फिल्मी डेब्यू

'द मॉन्स्टर माइंड्स' में बने लीड हीरो



पटना। बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले **आदित्य सिंह सुदर्शन** अब फिल्मी दुनिया में अपनी नई पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। आध्यात्मिक और सामाजिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले आदित्य फिल्म **'द मॉन्स्टर माइंड्स'** से बतौर लीड हीरो एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनके दादा आचार्य श्री सुदर्शन जी महाराज हैं, जबकि उनके पिता पूर्व राज्यमंत्री अमिताभ गुंजन चुन्नू हैं। ऐसे परिवार से आने के बावजूद आदित्य एक्टिंग की दुनिया में अपनी पहली पारी शुरू करने जा रहे हैं।

मोशन पल्स के बैनर तले बनी **'द मॉन्स्टर माइंड्स'** को भारत की पहली और सबसे बड़ी नियो-नोयर साइकोलॉजिकल सर्वाइवल थ्रिलर बताया जा रहा है। फिल्म में रहस्य, रोमांच, एक्शन और कई ऐसे विजुअल्स देखने को मिलेंगे, जो कहानी को और खास बनाने वाले हैं।

> "यह बहुत रेयर फिल्म है, एक मास्टरपीस है। इस फिल्म के लिए मैंने काफी मेहनत की है और मेरी तैयारी अभी भी जारी है। मैं चाहता हूं कि दर्शक सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें और पूरी टीम को अपना प्यार दें।"
> – आदित्य सिंह सुदर्शन
> (लीड हीरो)

परिवारिक पृष्ठभूमि

आदित्य सिंह सुदर्शन के दादा आचार्य श्री **सुदर्शन जी महाराज** हैं और उनके पिता पूर्व राज्यमंत्री अमिताभ गुंजन चुन्नू हैं। ऐसे आध्यात्मिक और राजनीतिक परिवार से होने के बावजूद आदित्य ने अपनी पहचान खुद बनाने का फैसला किया है।

फिटनेस और एक्टिविटीज

- गोल्फ
- शूटिंग
- कराटे
- पोलो

इसके अलावा जिम और फिटनेस भी उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। उनका मानना है कि किसी भी काम में आगे बढ़ने के लिए शरीर और दिमाग दोनों का मजबूत होना जरूरी है।

हीरो बनने की प्रेरणा

आदित्य के माता-पिता उन्हें बचपन से ही प्यार से 'हीरो बेटा' कहकर बुलाते थे। यही शब्द उनके मन में घर करता गया और उन्हें लगा कि असली हीरो कौन होता है? इसी सवाल का जवाब तलाशते हुए उन्होंने एक्टिंग की दुनिया की ओर कदम बढ़ाया। उनके लिए अभिनेता बनना सिर्फ सपना नहीं, बल्कि परिवार और उन हजारों लोगों का भी सपना है, जिन्होंने उन पर भरोसा किया है।

डेब्यू फिल्म को लेकर उत्साह

"यह मेरे लिए बेहद खास फिल्म है। महादेव और माता-पिता के आशीर्वाद से मेरे जीवन में बहुत कुछ नया आने वाला है। मैं सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी पहचान बनाना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत, बिहार और बिहार के लोगों को अंतराष्ट्रीय मंच पर रिप्रेजेंट करूं।"
– आदित्य सिंह सुदर्शन

ये प्रेम मोल लिया के हीरो बने आयुष्मान, कहा-अभी भी यकीन नहीं होता कि मैं राजश्री का हीरो बन गया

विश्व केसरी



मुंबई। अभिनेता आयुषमान खुराना आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के तैयार हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से उन्हें प्रेम 1994 की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद हुआ था।

दरअसल, रविवार को फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज हुआ था, जहां अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद वे बहुत प्रभावित हुए थे।

अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने 'हम आपके है कौन' में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था।

अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है।

आयुषमान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बड़जात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्ममेकर उनकी वैनिटी वैन में घुसने से पहले अपने जूते उतार देते थे। आयुष्मान ने याद करते हुए कहा, 'मैं कहता था, सर प्लीज जूते मत उतारिए, वैनिटी में आ जाइए। लेकिन वो कभी सुनते ही नहीं थे। वो जूते उतार कर आते थे, मैं उनके चरण स्पर्श करता था और वो कहते थे आयुष्मान भव और फिर वो मुझे सीन समझाते थे। मुझे लगता है कि यह सिर्फ बचपन का सपना नहीं है। इसलिए राजश्री और उनकी लेगेसी के लिए तालियां बजनी चाहिए।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान खुराना, शरवरी वाघ और अनुपम खेर मुख्य कलाकार के तौर पर नजर आएंगे।

राजश्री के गानों के जादू से सीखी फिल्ममेकिंग की बारीकियां

गानों के जरिए कहानी कैसे आगे बढ़ती है, राजश्री में सीखा : शरवरी वाघ



'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के लिए तैयार

मुंबई। अभिनेत्री शरवरी वाघ आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे मशहूर गाने 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और 'मैया यशोदा' देखते हुए बड़ी हुई हैं।

अभिनेत्री ने सूरज बड़जात्या की आगाम फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल ट्रेक लॉन्च इवेंट में कहा कि निर्देशक के साथ काम करना और ऐसे गानों के पीछे की सोच को समझना एक खास अनुभवों में से एक था। शरवरी वाघ ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं।

> "जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे 'मैया यशोदा' और 'दीदी तेरा देवर दीवाना' जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियां सुनाते थे और ये मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है।"
> – शरवरी वाघ
> (अभिनेत्री)

गानों के बिहाइंड-द-सीन्स ने किया प्रभावित

शरवरी ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन गानों के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी उनके साथ शेयर किए, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, "सूरज सर ने मुझे कुछ अंदर की जानकारी दी और फिर मैंने उसे अप्लाई करने की कोशिश की है।"

गानों से मिली फिल्ममेकिंग की गहरी समझ

एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। उन्होंने कहा, "मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है।"

काम से मिलने वाला सुकून है सफलता की असली निशानी- नायला ग्रेवाल



विश्व केसरी

मुंबई। एक कलाकार के लिए सफलता का मतलब समय के साथ बदलता रहता है। करियर की शुरुआत में जहां बड़े सपने अक्सर घर, गाड़ी, नाम और पहचान जैसी चीजों से जुड़े होते हैं, वहीं अनुभव बढ़ने के साथ काम से मिलने वाली खुशी और संतुष्टि ज्यादा मायने रखने लगती है। एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल भी अपने करियर के साथ सफलता को देखने का नजरिया बदलने की बात कहती हैं।

मीडिया ने इंटरव्यू के दौरान जब नायला से पूछा कि आप इंडस्ट्री में काम करते हुए सफलता को कैसे परिभाषित करती हैं, तो उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में मेरे लिए सफलता का मतलब बिल्कुल अलग था। शुरुआत में मेरे लिए मुंबई में घर होना, कार खरीदना और दूसरी भौतिक चीजें हासिल करना सफलता का पैमाना था। लेकिन अब मेरे लिए असली सफलता तब है, जब दिनभर सेट पर काम करने के बाद मैं घर लौटूं और मुझे महसूस हो कि मैंने अपना 100 फीसदी दिया है।''

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए आज के समय में सफलता की परिभाषा किसी बड़ी चीज को हासिल करने से ज्यादा अपने काम से संतुष्ट होना है। लंबे समय तक सेट पर रहने के बाद जब मैं घर लौटती हूं और मुझे लगता है कि मैंने अपने किरदार और काम के लिए पूरी मेहनत की। यही एहसास मेरे लिए सफलता का बड़ा उदाहरण है। मेरे लिए दिन के आखिर में यह महसूस करना जरूरी है कि मैंने अपना समय सही जगह लगाया और अपना बेस्ट देने की कोशिश की।''

नायला ने कहा, ''दर्शकों को काम पसंद आना सफलता का एक बड़ा हिस्सा होता है। जब लोग मेरे काम को पसंद करते हैं और अभिनय को सराहते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरी मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब मेरे लिए सफलता सिर्फ वह नहीं है, जो बाहर से दिखाई देती है, बल्कि वह एहसास भी है जो किसी प्रोजेक्ट के बाद मुझे अंदर से मिलता है।''

अपने अब तक के सफर के बारे में बात करते हुए नायला ने कहा, ''मैंने दिल्ली से अपने एक्टिंग सफर की शुरुआत की थी। कॉलेज के थिएटर से शुरू हुआ यह सफर आज मुझे मुंबई तक ले आया है, जहां मैं अब फुल-टाइम एक्टिंग कर रही हूं। मेरे लिए यह बदलाव खुद में एक बड़ी उपलब्धि है।

मेरे लिए अब तक का सफर काफी संतोष देने वाला रहा है, क्योंकि मुझे शुरुआत से ही बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।'

उन्होंने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम किया है। उनके अलावा, अश्विनी अय्यर तिवारी, अनुभव सिन्हा और हाल में राहुल पांडे के साथ भी काम किया। मैं निर्देशक एटली के साथ भी काम कर रही हूं। इन निर्देशकों के साथ जुड़ना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैं हमेशा अपने करियर में इसी मुकाम तक पहुंचना चाहती थीं। हालांकि, मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं अभी भी सीख रही हूं और आगे बढ़ रही हूं।

रवीना टंडन ने बताया बेटी राशा के बटरफ्लाई टैटू का राज, बोलीं- 'नाना आज भी उसे आशीर्वाद दे रहे'

विश्व केसरी



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन कई बार अपनी निजी जिंदगी से जुड़े किस्से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अब उन्होंने अपनी बेटी राशा के टैटू से जुड़ा बेहद खास किस्सा सुनाया। दरअसल, वह डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचीं। इस दौरान एक कंटेस्टेंट ने अपनी मां को टैटू बनवाने के लिए मनाने में रवीना की मदद मांगी थी।

इसी बातचीत के दौरान रवीना ने बताया कि उनके लिए टैटू कई इमोशन्स और यादों से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने बच्चों के नाम वाले टैटू से लेकर अपने बिच्छू वाले टैटू तक की कहानी सुनाई लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान राशा के बटरफ्लाई टैटू ने खींचा।

रवीना ने कहा, ''मेरी बेटी राशा ने बटरफ्लाई का टैटू अपने नाना के निधन के बाद बनवाया था। उसको ऐसा लगता है कि जब भी वह शूटिंग करती है, तब एक तितली उसके पास आकर बैठती है। वह इसे अपने नाना से जोड़कर देखती है और मानती है कि उनके नाना तितली के रूप में कहीं न कहीं उन्हें आशीर्वाद देने आते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उसने अपने बॉडी पर तितली का टैटू बनवाया। इस टैटू में भगवान शिव और भगवान कृष्ण से जुड़े रंग और निशान भी शामिल हैं।''

रवीना ने कहा, ''राशा के टैटू में तितली के पंखों के अंदर भगवान कृष्ण का मोर पंख है, जबकि इसमें भगवान शिव के नीलकंठ रूप को भी दिखाया गया है। यह डिजाइन उसकी भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जो उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।''

इसी बातचीत में रवीना ने भारत में टैटू की पुरानी परंपरा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''देश में कई सदियों से शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा रही है। राजस्थान और देश के कई आदिवासी इलाकों में आज भी इसे एक पुरानी परंपरा के तौर पर देखा जाता है। पहले गोदना बनाने का तरीका आज के टैटू से अलग था और इसमें सुई का इस्तेमाल किया जाता था।''

रवीना ने अपने टैटू के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम का टैटू बनवाया हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अपने टैटू में पंजों के निशान और बिच्छू का टैटू भी बनवाया है।

अर्चना पूरन सिंह ने कॉमेडी का असली नियम बताया, कहा- साथी कलाकार को बेहतर बनाना जरूरी

विश्व केसरी

मुंबई। क्रिकेटर रोहित शर्मा के पॉपुलर शो 'फैमिली फुल हाउस' के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अभिनेता राकेश बेदी के साथ गेस्ट के तौर पर नजर आएंगी। आगामी एपिसोड में अभिनेत्री ने बताया कि राकेश बेदी के साथ काम करने का अनुभव बताया।

अभिनेत्री ने बताया, 'आपको एक मजेदार बात बताती हूं कि हमने एक बार दूरदर्शन के लिए एक साथ सीरियल किया था, 'जाने भी दो पारो'। उसमें मैं डायरेक्टर-एक्टर दोनों थी और राकेश बेदी ने मेरे पति का रोल प्ले किया था। जो पहला ओपनिंग सीन लिखा गया था, उसे हमने एक-दो बार करके देखा, लेकिन बिल्कुल भी मजा नहीं आया। हालांकि सीन लिखा हुआ था और शॉट भी तैयार था, फिर राकेश मुझसे बोले कि तू स्क्रिप्ट की छोड़, बस मुझसे पहली लाइन बोल और उसके बाद जो भी मैं जवाब दूंगा, तू उस पर जवाब देना। अभिनेत्री ने बताया कि उस सीन को दोनों ने बिना किसी स्क्रिप्ट के जल्द ही शूट कर लिया था।

वहीं, अभिनेता राकेश बेदी ने अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा, 'कुछ-कुछ एक्टर्स ऐसे होते हैं जो आपके बहुत अच्छे साथी कलाकार बन जाते हैं, जिन्हें आप भूल नहीं पाते और हमने तो 4-5 साल काम किया है, जिनमें 'श्रीमान श्रीमती' और 1-2 साल 'जाने भी दो पारो' में साथ काम किया। राकेश बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में अर्चना पूरन सिंह जैसी कोई दूसरी बेहतरीन कलाकार नहीं देखी।

राष्ट्रपति पेजेश्कियन की टीम को वीजा देने से अमेरिका ने किया इनकार: ईरानी मीडिया

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान की मीडिया ने सोमवार को बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के 81वें सत्र में शामिल हो रहे राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की कम्युनिकेशन टीम को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है।

आईआरएनए न्यूजी एजेंसी के अनुसार, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों के साथ शुरू हुए मध्य पूर्व संकट के बाद पेजेश्कियन अमेरिका जाने वाले बड़े पदाधिकारी हैं।

एजेंसी ने बताया, ' ये अमेरिकी सरकार का एक अप्रत्याशित और विद्वेष से भरा कदम है। इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी राष्ट्रपति के हाई-लेवल डेलिगेशन के कुछ सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। इसमें उनकी कम्युनिकेशन टीम के सदस्य भी शामिल हैं।'मेहर समाचार एजेंसी ने भी ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय के एक प्रवक्ता का हवाला देते हुए यह खबर दी और कहा कि पेजेश्कियन बुधवार को यूएन जनरल असेंबली को संबोधित करेंगे। पेजेश्कियन न्यूयॉर्क के लिए मंगलवार को रवाना होंगे।

अमेरिका ने ईरानी डेलिगेशन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए आने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन पिछले साल की तरह ही कुछ पाबंदियां भी लगाई हैं। जैसे उदाहरण के लिए, विदेश विभाग ने गुरुवार को कहा कि ईरानी डेलिगेशन को लग्जरी सामान या अन्य चीजें खरीदने की इजाजत नहीं होगी।

यूएन जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी हैं। लेकिन वो रविवार शाम कतर में कुछ देर रुकने के लिए ईरान से रवाना हुए।

ईरान का कहना है कि उसने मध्यस्थ के तौर पर कतर के जरिए अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य के उस रणनीतिक तेल और गैस शिपिंग रूट को फिर से खोलने की शर्तें बता दी हैं, जिसे उसने संघर्ष शुरू होने के बाद से बंद कर रखा है। इसके जवाब में, अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर जवाबी नाकेबंदी कर रहा है।

महासभा की उच्चस्तरीय आम बहस 22 से 28 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि दुनिया के सामने अपने विचार और प्राथमिकताएं रखेंगे। 81वें सत्र की अध्यक्षता बांग्लादेश के खलीलुर रहमान करेंगे। इस सत्र की थीम है, 'विश्वास बहाल करना, बदलाव का प्रबंधन करना: ऐसा संयुक्त राष्ट्र जो सभी के लिए काम करे।'

मेलोनी का बुर्का-नकाब पर बैन प्लान, यूरोप के कई देशों में पहले से रोक

विश्व केसरी■



रोम। इटली भी यूरोप के उन देशों की फेहरिस्त में शुमार होने को तैयार है जहां बुर्के पर बैन है। देश की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही सरकार प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने और देश की संस्कृति को सीखने या समझने में समस्या का सामना कर रहे विदेशी छात्रों के अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा सीखना अनिवार्य करने की योजना बना रही है।

मेलोनी ने रविवार को अपनी पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के युवा संगठन के एक कार्यक्रम में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'इन उपायों से जुड़ा प्रस्ताव जल्द कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इटली आने वाले लोगों को देश की भाषा सीखनी, संस्कृति को समझना और कानूनों का सम्मान करना चाहिए।'

प्रस्तावित नियम विशेष रूप से स्कूलों में पूरे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक से जुड़े हैं। बुर्का और नकाब में चेहरा ढका रहता है, जबकि हिजाब में आम तौर पर सिर और गर्दन ढके होते हैं, लेकिन चेहरा खुला रहता है। मेलोनी की घोषणा में बुर्का और नकाब का उल्लेख किया गया है। विदेशी छात्रों की संख्या को लेकर भी सरकार कानूनी सीमा तय करने की तैयारी में है। मेलोनी ने अभी प्रति कक्षा अधिकतम संख्या स्पष्ट नहीं की है। इटली के स्कूलों में फिलहाल विदेशी नागरिक छात्र कुल नामांकन का करीब 11.6 प्रतिशत हैं। वहीं, 2010 की एक प्रशासनिक व्यवस्था में गैर-इतालवी छात्रों के लिए 30 प्रतिशत की सीमा पहले से मौजूद है, हालांकि इसका इस्तेमाल कई जगह पूरी तरह नहीं हो पाया है।

संक्षिप्त खबर

पूर्वी सूडान में खदान धसी, दस मजदूरों की मौत, 21 घायल

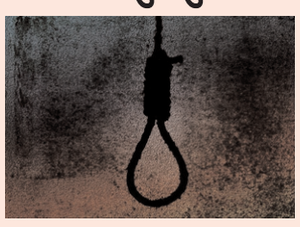
विश्व केसरी■



खार्तूम। पूर्वी सूडान के रेड सी स्टेट के ओनी इलाके में पांच खदानें ढहने से दस श्रमि?कों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हो गए। एक स्वयंसेवी समूह और चश्मदीदों ने यह जानकारी दी। स्वयंसेवी समूह 'दार हमार इमरजेंसी रूम' ने रविवार को एक बयान में बताया कि बचाव टीमों ने अब तक दस शव निकाले हैं और 21 घायल मजदूरों को बचाया है। खदानों के अंदर अब भी फंसे लोगों की तलाश जारी है। सूडानी मिनरल रिसोर्सेज कंपनी ने भी रविवार को अलग से एक बयान जारी कर ओनी इलाके में खदानें ढहने की पुष्टि की। हालांकि, कंपनी ने मरने या घायल होने वालों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई। घटनास्थल पर मौजूद एक खनिक ने समाचार एजेंसी सि?हुआ को बताया कि हादसा शनिवार को उस समय हुआ, जब मजदूर जमीन के नीचे काम कर रहे थे। उसके मुताबिक, आसपास की खदानें एक के बाद एक ढह गईं और मजदूर चट्टानों और मिट्टी के नीचे दब गए। नाम जाहिर न करने की शर्त पर खनिक ने बताया कि वहां मौजूद मजदूरों ने तुरंत उपलब्ध उपकरणों की मदद से फंसे लोगों को बचाने की कोशिश शुरू कर दी। मलबा हटाने के लिए बुलडोजर भी बुलाए गए।

हैदराबाद में महिला से वीडियो कॉल के दौरान पुलिस कॉन्स्टेबल ने खुदकुशी की

विश्व केसरी■



हैदराबाद। हैदराबाद में रविवार देर रात एक महिला से वीडियो कॉल के दौरान पुलिस कॉन्स्टेबल ने आत्महत्या कर ली। मूसा राम बाग इलाके के शालिवाहन नगर में रहने वाले मुथे चंद्रशेखर (35) ने अपने घर पर गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। वीडियो कॉल के दौरान मुथे चंद्रशेखर ने महिला से कहा कि वे आत्महत्या करने जा रहे हैं। महिला ने तुरंत चैतन्यपुरी पुलिस को सूचना दी, जिसने आगे मलकपेट पुलिस को खबर दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कॉन्स्टेबल खुदकुशी कर चुका था। चंद्रशेखर मलकपेट पुलिस स्टेशन में राइटर के तौर पर काम कर रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल भेज दिया है। पुलिस कॉन्स्टेबल और उस महिला के बीच संबंधों की जांच कर रही है। तेलंगाना में पुलिसकर्मियों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाओं की कड़ी में यह सबसे ताजा मामला है। 10 सितंबर को 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' के मौके पर, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) सीवी आनंद ने 93,000 पुलिसकर्मियों से एक विशेष अपील की। डीजीपी ने उनसे कहा कि वे आर्थिक या निजी समस्याओं से निपटने के लिए आत्महत्या का रास्ता न अपनाएं। उन्होंने उन्हें शराब, ड्रग्स और गांजे से सावधान रहने और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की सलाह दी। पुलिस प्रमुख ने पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे ऐसे फैसले के अपने जीवनसाथी, बच्चों और माता-पिता पर पड़ने वाले असर के बारे में सोचें, जो उन पर निर्भर हैं।

यूएन महासभा में जुटेंगे दुनियाभर के नेता, युद्ध और वैश्विक संकट रहेंगे बड़े मुद्दे

विश्व केसरी■



संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र की उच्चस्तरीय बैठक के लिए 140 देशों के नेता और अन्य 53 देशों के प्रतिनिधि इस हफ्ते एकजुट होंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब दुनिया कई ऐसे युद्धों और संघर्षों का सामना कर रही है, जिनका समाधान निकलना बेहद मुश्किल बना हुआ है।

बैठक की शुरुआत मंगलवार को परंपरा के मुताबिक ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के संबोधन से होगी। उनके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोलेंगे।

इस दौरान खाड़ी क्षेत्र में चल रहा संघर्ष, यूक्रेन युद्ध, गाजा के हालात और सूडान का गृहयुद्ध संयुक्त राष्ट्र महासभा में चर्चा के बड़े मुद्दे बने रहेंगे। लेख में सूडान के गृहयुद्ध को इतने बड़े पैमाने का बताया गया है कि वहां नरसंहार जैसे हालात पैदा हो गए हैं। इस साल चिंताओं की लिस्ट में बेकाबू होती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े खतरे भी जुड़ गए हैं। इसके अलावा जलवायु संकट, आतंकवाद, दुनिया में भुखमरी और गरीबी भी प्रमुख मुद्दे होंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के हॉल में होने वाले बड़े-बड़े भाषण इस हाई-लेवल बैठक का सबसे ज्यादा दिखाई देने वाला हिस्सा होते हैं। इन भाषणों में नेता अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हैं, एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं और कई बार वैश्विक समस्याओं को लेकर अहम बातें भी रखते हैं। असली कूटनीतिक गतिविधियां अक्सर संयुक्त राष्ट्र में देशों के मिशनों, होटलों और यूएन के गलियारों में बनाए गए अस्थायी मीटिंग रूम में होती हैं। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के गलियारों में होने वाली अनौपचारिक मुलाकातें भी अहम भूमिका निभाती हैं।

आलोचक कह सकते हैं कि नेताओं के भाषणों से इन संकटों का कोई ठोस समाधान सामने नहीं आएगा। हालांकि, आधिकारिक बैठक से अलग होने वाली इन मुलाकातों में कई बार महत्वपूर्ण नतीजे निकल सकते हैं।

बांग्लादेश: आठ महीनों में 155 बच्चों की मौत और 15,000 से ज्यादा लापता

विश्व केसरी■



ढाका। बांग्लादेश में बच्चों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ओर एक मानवाधिकार संगठन ने ध्यान दिलाया है। बेहद दयनीय तस्वीर साझा की है। बताया है कि इस साल जनवरी से अगस्त के दौरान देश भर में अपहरण के बाद हत्या, रेप, शारीरिक शोषण और हिंसा की विभिन्न घटनाओं में 155 बच्चों की मौत हो गई।

ढाका की मानवाधिकार संस्था 'एन ओ सालिश केंद्र' (आस्क) ने बताया कि इस साल के पहले आठ महीनों में लापता हुए 36 बच्चों के शव मिले। वहीं 68 बच्चों की जान शारीरिक शोषण के कारण गई तो 49 की मौत पारिवारिक हिंसा से जुड़ी घटनाओं में गई। दुष्कर्म के बाद 26 बच्चों की हत्या कर दी गई।

मानवाधिकार संस्था ने कहा कि रेप की कोशिश के बाद चार मासूमों की जान चली गई, जबकि तीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शारीरिक शोषण के कारण दो घरेलू कामगारों की मौत हो गई, दो बच्चों को पीछा करने वालों (स्टॉकर) ने मार डाला, और एक की हत्या अपहरण के बाद कर दी गई। बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, इसी दौरान आस्क ने आत्महत्या, रहस्यमय मौतों और बच्चों के शव मिलने के 99 मामले रिकॉर्ड किए।

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि लापता बच्चों के शव मिलना बांग्लादेश में नाबालिगों के खिलाफ हिंसा के एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है। इसमें रेप के बाद हत्या, जानलेवा शारीरिक शोषण और परिवार के साथ बच्चों की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं। कई मामलों में, आरोपी पीड़ितों के परिचित बताए गए। हाल के हफ्तों में बांग्लादेश भर में बच्चों की हत्या के कई मामले सामने आए हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सत्र में जमकर हंगामा

विश्व केसरी■



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का ऑटम सेशन सोमवार को जबरदस्त हंगामे के साथ शुरू हुआ। पहले ही दिन सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विधानसभा के अंदर उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और अधूरे वादों को लेकर नारेबाजी की। विपक्ष के विधायकों ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर बिजली की बढ़ी हुई दरों को वापस लेने, एनएचएम कर्मचारियों को न्याय दिलाने और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा।

विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ऑटम सेशन का पहला दिन था। जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत ज्यादा अपेक्षाएं सरकार से रखे हुए हैं। खासकर वह लोग, जो बड़े सालों से इंतजार में हैं, इग्नोर्ड हैं, विक्टिम हैं, ऐसे सब लोगों को सीएम उमर अब्दुल्ला ने बहुत बड़े-बड़े वादे करके उनके मन और दिल में अपेक्षाएं जगाई थीं। हालांकि दो साल पूरा होने के बावजूद एक ही लफ्ज, एक ही शब्द इस सरकार और सरकार के मुखिया के मुंह से निकलता है कि हमारे पास अधिकार नहीं है, हम कुछ कर नहीं सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार पिछले दो साल में मूलभूत सुविधाओं को पूरा नहीं कर पाई है, बिजली पूरा न देने के बजाय बिजली की दर बढ़ाई गई है। पानी जगह-जगह तक नहीं पहुंचा पाए हैं। भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और लोगों में हाहाकार है। सुनील शर्मा ने कहा, 'डेलीवेजर सड़कों पर हैं। एनएचएम कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। आशा वर्कर और आंगनबाड़ी वर्कर गुहार लगा रहे हैं।

लोग दर-दर भटक रहे हैं। हर वर्ग के साथ धोखा हुआ है।

धनबाद के वासेपुर में अंडा कारोबारी पर फायरिंग

विश्व केसरी■



धनबाद। झारखंड के धनबाद का वासेपुर इलाका सोमवार को दिनदहाड़े हुई गोलीबारी से दहल उठा। भूली मोड़ के पास अज्ञात हमलावरों ने अंडा कारोबारी शानू खान और उसके सहयोगी मो. सद्दाम को खान को निशाना बनाकर कई राउंड गोलियां चलाईं। गोली लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, दोनों कारोबार के सिलसिले में भूली मोड़ के पास मौजूद थे। इसी दौरान वहां पहुंचे हमलावरों ने अचानक उन पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने वहां से सात खाली खोखे बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की पहचान और घटना के बाद उनके भागने के रास्ते का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आपसी रंजिश, रंगदारी और कारोबारी विवाद समेत कई बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। हालांकि, फायरिंग की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के बाद ही घटना के पीछे के कारणों का पता चल सकेगा।

घटना के बाद वासेपुर और आसपास के इलाके में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

पंजाबियों को इंसाफ नहीं दिला सकते तो इस्तीफा दे सीएम भगवंत मान : गौरव भाटिया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता गौरव भाटिया ने सोमवार को पंजाब में नशे की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया है और सीएम भगवंत मान अगर पंजाबियों को इंसाफ नहीं दिला सकते हैं तो उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

नई दिल्ली में प्रेस वार्ता के दौरान भाटिया ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर ड्रग्स को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब की धरती से 'नशा-मुक्त पंजाब यात्रा' का शुभारंभ किया है। यह यात्रा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी। भाजपा ने 18 सितंबर से इस अभियान की शुरुआत की है और यात्रा के तहत करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की जानी है। यह यात्रा सुनिश्चित करेगी कि पंजाब की धरती से 'सूर्य अस्त, भगवंत चिट्टा मस्त' को उखाड़कर फेंका जाए।

संगरूर में जग्गा सिंह द्वारा नशीले पदार्थों के मुद्दे को उठाए जाने का जिक्र करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि शिकायत पर नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय जग्गा सिंह को कथित तौर पर धमकाया और प्रताड़ित किया गया। जग्गा सिंह की गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के गृह जिले संगरूर में नशे के कथित कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

उन्होंने पंजाब में नशे के मुद्दे को उठाने वाले गुलजार सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि गुलजार सिंह ने भी नशे की समस्या को लेकर आवाज उठाई थी।

केजीएमयू में 2025 बैच की नर्सिंग छात्रा की मौत पर हंगामा, छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

विश्व केसरी■



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में 2025-बैच की नर्सिंग छात्रा दिव्यांशी यादव की मौत के बाद हॉस्टल और कैंपस में हंगामा मचा हुआ है। नर्सिंग छात्रों ने विरोध प्रदर्शन कर कॉलेज प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का आरोप है कि बीमार होने के बावजूद दिव्यांशी को छुट्टी नहीं दी गई थी और अटेंडेंस के प्रेशर में वह तेज बुखार और डेंगू की हालत में भी कॉलेज आती रही। इस घटना से नर्सिंग छात्राओं में डर और गुस्सा दोनों है। प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और नियमों के पालन की मांग की है।

प्रदर्शन कर रही एक नर्सिंग छात्रा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारी दोस्त अब हमारे बीच नहीं रही। उसकी मौत हो गई है। मेडिकल लीव की वजह से उसकी जान चली गई। उसे हल्का बुखार हुआ था, फिर पता चला कि उसे डेंगू हुआ है और यहां से छुट्टी नहीं मिली। वो बहुत गंभीर लड़की थी और अटेंडेंस के प्रेशर की वजह से उसने छुट्टी नहीं ली।

छात्रा ने बताया, 'वो लेटर लिखकर 17 सितंबर की शाम गई है और 20 का वापसी का लिखा क्योंकि 21 को हमारा इलेक्टिव मैंडेटरी था। उसने ये बोला है कि मुझे मंडे को किसी भी तरह कॉलेज पहुंचना है, मेरी एब्सेंट मार्क हो जाएगी और जिस दिन वो गई है तो बोलकर गई है कि मैं चली जाऊं या नहीं, मेरी एब्सेंट मार्क हो जाएगी, मैं क्या करूं।'

दूसरी छात्रा ने कॉलेज के लीव सिस्टम पर सवाल उठाए। उसने कहा कि मेडिकल लीव हर जगह पर होता है, चाहे स्कूल हो, चाहे ऑफिस हो, चाहे कहीं पर भी। दूसरे कॉलेज जिसमें भी दूसरे कोर्सेज में भी एक्सेप्टेड होता है, बस हमारे यहां पर नहीं माना जाता है। एम्स जैसे इंस्टीट्यूट में भी मेडिकल लीव को एक्सेप्ट किया जाता है लेकिन हमारे यहां पर नहीं माना जाता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन, इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा





विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन जारी है। पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 19-0 से रौंदने के बाद टीम ने दूसरे मैच में इंडोनेशिया को 17-1 से शिकस्त दी।

इस मुकाबले में भारतीय टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के डिफेंस की धज्जियां उड़ा डालीं। भारतीय टीम मैच में शुरुआत से ही हावी नजर आई। टीम ने इंडोनेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और एक के बाद एक गोल दागे। भारत की तरफ से दीपिका, ऋतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोलों की अपनी हैट्रिक पूरी की। वहीं, सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी दो-दो गोल दागते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान सलीमा टेटे और इशिका ने भी एक-एक गोल किया।

शुरुआती दो क्वार्टर में भारत का पूरी तरह से दबदबा रहा। पहले हाफ में ही भारत ने 9-0 की बड़ी बढ़त हासिल की। इंडोनेशिया की तरफ से एकमात्र गोल तीसरे क्वार्टर में इन्नेस आदित्य ने किया। इस इकलौते गोल के अलावा इंडोनेशिया एक बार भी भारत के डिफेंस को भेदने के करीब तक नहीं पहुंच सका। पहले क्वार्टर में भारत ने कुल 4 गोल किए। इसके

बाद दूसरे क्वार्टर में टीम ने अपने इसी प्रदर्शन को दोराया और 5 गोल करने में सफलता हासिल की।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम का क्वार्टर फाइनल में प्रवेश, बांग्लादेश को 3-0 से दी शिकस्त

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से शिकस्त दी।

भारत को मुकाबले में बेहतरीन शुरुआत लक्ष्य सेन ने दिलाई। बांग्लादेश के खिलाड़ी अयमान इब्न जमन के खिलाफ खेलते हुए लक्ष्य ने दमदार खेल दिखाया। पहले गेम में लक्ष्य का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और उन्होंने एक के बाद एक दमदार शॉट्स लगाते हुए गेम को 21-4 के बड़े अंतर से जीता। लक्ष्य अपनी इसी लय को दूसरे गेम में भी बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने दूसरे गेम को 21-12 से अपने नाम करते हुए मुकाबले में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य के जबरदस्त स्मैश का जमान के पास कोई जवाब नजर नहीं आया।

वहीं, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियों में आने वाले आयुष शेट्टी ने दूसरे मैच में कमाल का खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाड़ी गौरव सिंघा पर आयुष पूरी तरह से हावी नजर आए और उन्होंने वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष ने पहले गेम को 21-4 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में भी वह अपने इस दबदबे को कायम रखने में कामयाब रहे और उन्होंने 21-13 से गेम जीतकर भारत की बढ़त को 2-0 कर डाला।

तीसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का प्रदर्शन भी बेमिसाल रहा। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाड़ी जुमार अल-अमीन को शिकस्त देते हुए भारत की दूसरी जीत पक्की की। हालांकि, श्रीकांत को पहले गेम में जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी लेकिन वह गेम को 21-15 से अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरे गेम में श्रीकांत ने जुमार को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और 21-10 से गेम को जीतकर बांग्लादेश की हार पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत अब मंगलवार को जापान से होगी। भारतीय पुरुष टीम अगर जीत दर्ज करने में सफल रहती है, तो उनका मेडल पक्का हो जाएगा।





संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया



विश्व केसरी ■

कटक। संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे।

हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कटक पैंथर्स ने शुरुआती ओवरों में ही दो विकेट गंवा दिए। पावरप्ले के दौरान उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, क्योंकि पहले छह ओवरों में ही पैंथर्स के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए।

भारत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में हिमांशु ढिल्लों, पार्थ माने और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

इस मेडल के साथ ही भारत की एशियन गेम्स में कुल मेडल की संख्या अब 3 हो गई है। रुद्राक्ष ने 60-शॉट क्वालिफिकेशन में 631.8 का शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि हिमांशु ने 630 के स्कोर के साथ सातवां और पार्थ ने 628.3 के स्कोर के साथ कुल 1890.1 अंक हासिल किए।

10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में यह रुद्राक्ष का दूसरा एशियाई खेल पदक था। इससे पहले उन्होंने हांग्जो में हुए एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीता था। चीन ने 1899.0 के विश्व-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता और साउथ कोरिया ने 1884.2 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

इसके अलावा, रुद्राक्ष क्वालिफिकेशन में तीसरे और हिमांशु सातवें स्थान पर रहे। क्वालिफिकेशन में शीर्ष-आठ में जगह बनाने के बाद दोनों ने व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इससे पहले, रविवार को शूटिंग के शुरुआती दिन भारतीय शूटर इलावेनिल वलारिवन ने दो सिल्वर मेडल जीते। उन्होंने टीम सिल्वर में भारत की मदद करने के



बाद महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया।

यह इलावेनिल का पहला व्यक्तिगत एशियाई खेल पदक था। उन्होंने जकार्ता 2018 में एक टीनएजर के तौर पर हिस्सा लिया था, लेकिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में नहीं पहुंच पाई थीं। इलावेनिल के नाम 253.6 का एशियाई रिकॉर्ड भी है, जो उन्होंने पिछले साल श्यमकेंट में एशियाई चैंपियनशिप जीतने के दौरान बनाया था। उन्होंने नई दिल्ली में एशियाई चैंपियनशिप 2026 में सफलतापूर्वक अपना महाद्वीपीय खिताब बरकरार रखा।

भारत ने अब तक तीन सिल्वर मेडल जीते हैं, और ये सभी शूटिंग खेल में प्राप्त हुए हैं। चीन के हांग्जो में हुए एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में, भारतीय शूटर्स ने 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे, जो कुल मिलाकर 22 पदकों की एक अभूतपूर्व उपलब्धि थी।

सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, एमएमए में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी



विश्व केसरी ■

नागोया। सुचिका तारियाल ने सोमवार को भारत के लिए इतिहास रच दिया। सुचिका एशियन गेम्स में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

सुचिका ने पारंपरिक 60 किलोग्राम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। सुचिका का ऐतिहासिक कैंपेन सेमीफाइनल में खत्म हो गया, जहां उन्हें सिंगापुर की हुई हून टीओ से एक करीबी हार मिली, जो ओवरटाइम तक चली। भारतीय खिलाड़ी बहुत कम अंतर से हारी, जिससे गोल्ड-मेडल मुकाबले तक पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं, लेकिन एमएमए के एशियन गेम्स डेब्यू में उन्होंने पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली।

यह नतीजा सुचिका के लिए निराशाजनक रहा और फैसले की घोषणा के बाद वह निराश भी दिखाई दीं। हालांकि, निराशा के बावजूद, 36 साल की यह खिलाड़ी आइची-नागोया से एक ऐतिहासिक मेडल लेकर लौटीं, जो महाद्वीपीय स्टेज पर भारतीय एमएमए के लिए एक बड़ी कामयाबी है। रविवार को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सुचिका ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, जापान को 49-23 से हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया।

भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे।

पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला।



आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया।

हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही।

अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टेबल टेनिस टीम ने धमाकेदार जीत के साथ की है। सुतीर्था मुखर्जी, सिंड्रेला दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा।

सुतीर्था मुखर्जी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ी अलीना सुतीर्था के सामने पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आईं। सुतीर्था पूरे मैच में हावी रहीं और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

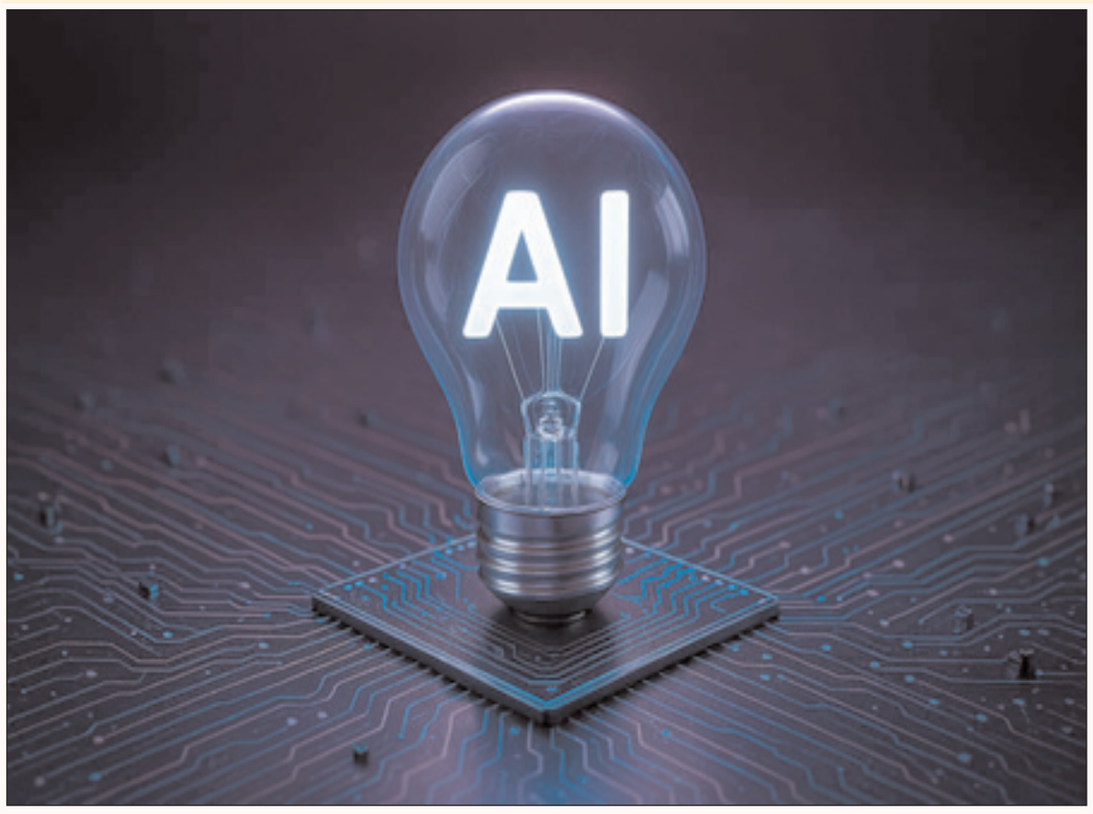
सुतीर्था ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहले गेम को 11-3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सुतीर्था का दबदबा देखने को मिला और उन्होंने यह गेम 11-3 से जीता। तीसरे गेम को 11-4 से जीतने के साथ ही सुतीर्था ने मैच को अपने नाम करते भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।



इसके बाद दूसरे मुकाबले में सिंड्रेला दास ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय युवा खिलाड़ी सिंड्रेला ने पाकिस्तान की कुलसूम खान के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और उन्हें आसानी से 11-6, 11-7, 11-5 से शिकस्त देते हुए भारत को मुकाबले में 2-0 की बढ़त दिलाई। सिंड्रेला के आगे कुलसूम की एक नहीं चल सकी और वह बुरी तरह से संघर्ष करती दिखाई दीं।

तीसरे मैच को जीतकर श्रीजा अकुला ने भारत की जीत पर मुहर लगाई। श्रीजा पाकिस्तान की खिलाड़ी फातिमा खान के खिलाफ पूरे मैच में हावी नजर आईं और उन्होंने मैच को 11-4, 11-4 और 11-5 से अपने नाम किया। श्रीजा की जीत के साथ ही भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। एशियन गेम्स 2026 के दूसरे दिन भारत की झोली में दो मेडल आए। 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारतीय महिला टीम ने सिल्वर मेडल को अपने नाम किया।

भारत अपने डिजिटल आधार और इंजीनियरिंग टैलेंट के दम पर एआई आधारित इनोवेशन में बन सकता है ग्लोबल लीडर: इंडस्ट्री



विश्व केसरी ■

सीएटल। मजबूत डिजिटल आधार और इंजीनियरिंग टैलेंट का बड़ा पूल भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित इनोवेशन में ग्लोबल लीडर बनने और साथ ही उद्यमियों की एक नई पीढ़ी तैयार करने की मजबूत स्थिति में लाता है। यह जानकारी टेक्नोलॉजी एग्जीक्यूटिव्स की ओर से सोमवार को दी गई।

सीएटल में आईएएनएस को दिए अलग-अलग इंटरव्यू में, रिदम के सीईओ और को-फाउंडर वेट्री वलोर और वीम के सीईओ आनंद ईश्वरन ने कहा कि देश को सिर्फ नौकरियां पैदा करने पर ही नहीं, बल्कि एक ऐसा इनोवेशन-आधारित इकोसिस्टम बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे लाखों भारतीय अपना बिजनेस शुरू कर सकें और उसे बढ़ा सकें।

ईश्वरन ने कहा कि भारत ने अपनी डिजिटल पहचान और डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए बड़े पैमाने पर तकनीकी बदलाव के लिए जरूरी आधार पहले ही तैयार कर लिया है।

उन्होंने कहा, 'अभी भारत के पास एआई का इस्तेमाल करने और ऐसे नतीजे दिखाने का मौका है, जिनका इस्तेमाल करके दुनिया मानवता के भले के लिए एआई के फायदे हासिल कर सकती है।'

उन्होंने ग्लोबल इनोवेशन में भारत की स्थिति को मजबूत करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा, 'एक अरब से ज्यादा लोगों के लिए काम करने वाला डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना एक बहुत बड़ी और मुश्किल उपलब्धि थी।'

ईश्वरन का कहना था कि भारत में खेती, हेल्थकेयर और पब्लिक सर्विस जैसे क्षेत्रों में एआई-आधारित समाधान विकसित करने की क्षमता है। इससे ऐसे एप्लिकेशन बनाए जा सकते हैं जो फसल की पैदावार बढ़ा सकें, संक्रामक बीमारियों से लड़ सकें और समाज को साफ तौर पर फायदा पहुंचा सकें।

उनके अनुसार, देश का टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम न सिर्फ घरेलू जरूरतों को पूरा करने का मौका देता है, बल्कि ऐसे समाधान भी बनाने का अवसर देता है जिन्हें दुनिया भर में अपनाया जा सके।

वैलर ने इनमें से कई विचारों से सहमति जताई, लेकिन कहा कि भारत को रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ-साथ उद्यमी तैयार करने पर भी ज्यादा जोर देना चाहिए।

वैलर ने कहा कि आर्थिक विकास पर होने वाली चर्चाओं में अकसर नौकरियों के सृजन पर ध्यान दिया जाता है, लेकिन देश को एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने की दिशा में भी काम करना चाहिए जो लोगों को बिजनेस शुरू करने में मदद करे। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी, टैलेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक पहुंच के साथ, भारत में लाखों एंटरप्रेन्योर तैयार करने की क्षमता है।

वैलर के अनुसार, भारतीय-अमेरिकी समुदाय इस बदलाव में अहम भूमिका निभा सकता है।

यूरोपीय संघ के नियामक की गूगल पर बड़ी कार्रवाई, लोकेशन डेटा के दुरुपयोग को लेकर लगाया 403 मिलियन यूरो का जुर्माना



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग (डीपीसी) ने सोमवार को गूगल पर 403 मिलियन यूरो (करीब 4,000 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया और कंपनी को छह महीने के भीतर अपनी लोकेशन डेटा प्रोसेसिंग प्रणाली को नियमों के अनुरूप बनाने का निर्देश दिया।

यह मामला गूगल की 'लोकेशन हिस्ट्री' सेवा और संबंधित लोकेशन डेटा प्रोसेसिंग गतिविधियों से जुड़ा है। यह सेवा उपयोगकर्ताओं के मोबाइल उपकरणों के माध्यम से उनकी लोकेशन का रिकॉर्ड रखती है।

लोकेशन हिस्ट्री फीचर केवल उन उपयोगकर्ताओं के लिए सक्रिय होता है जो इसके लिए स्वेच्छा से सहमति (ऑप्ट-इन) देते हैं। इसके बाद गूगल उपयोगकर्ताओं के डेटा का विश्लेषण कर उनके द्वारा देखे गए स्थानों, गतिविधियों और विभिन्न स्थानों के बीच की यात्रा जैसी जानकारी का अनुमान लगाता है। यूरोपीय संघ के डेटा गोपनीयता नियामक के फैसले में कहा गया कि गूगल ने जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जीडीपीआर) के तहत वैधता, निष्पक्षता और पारदर्शिता से जुड़े कई प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

नियामक के अनुसार, गूगल वेब एंड ऐप एक्टिविटी, लोकेशन हिस्ट्री और लोकेशन एक्यूरेसी से जुड़े डेटा प्रोसेसिंग के मामलों में यह साबित करने में विफल रहा कि वह उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा का उपयोग जीडीपीआर के मूल सिद्धांतों के अनुरूप कर रहा है।

आयोग ने यह भी पाया कि गूगल ने उपयोगकर्ताओं का लोकेशन डेटा आवश्यक अवधि से अधिक समय तक सुरक्षित रखा, जो डेटा संरक्षण नियमों का उल्लंघन है।

डीपीसी के उप आयुक्त ग्राहम डॉयल ने कहा कि लोकेशन डेटा व्यक्तिगत जानकारी का बेहद संवेदनशील प्रकार है, जिससे ऑनलाइन सेवाओं की उपयोगिता बढ़ सकती है, लेकिन यह किसी व्यक्ति के बारे में कई निजी जानकारियां भी उजागर कर सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि उपयोगकर्ताओं को पूरी जानकारी नहीं दी जाती, तो वे यह समझ ही नहीं पाते कि उनकी लोकेशन का उपयोग विज्ञापन लक्षित करने या उनकी रुचियों का अनुमान लगाने के लिए किया जा रहा है। इससे वे अपने व्यक्तिगत डेटा पर नियंत्रण खो सकते हैं।

डॉयल के अनुसार, उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा को जरूरत से अधिक समय तक सुरक्षित रखने से यह स्थिति और गंभीर हो गई।

जीडीपीआर के तहत यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) में व्यक्तिगत डेटा को उच्च स्तर का संरक्षण प्रदान किया जाता है और यह अनिवार्य है ।

विश्व अल्जाइमर दिवस : ब्लड टेस्ट से दशकों पहले मिल सकती है इस बीमारी को पहचानने में मदद- स्टडी

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। अल्जाइमर रोग को आमतौर पर बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारी माना जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके पीछे होने वाले बदलाव शरीर और दिमाग में इसके लक्षण दिखाई देने से काफी पहले शुरू हो सकते हैं। अब एक नई स्टडी ने संकेत दिया है कि ब्लड टेस्ट के जरिए अल्जाइमर से जुड़े शुरुआती बदलावों को मिडिल एज में ही पहचाना जा सकता है। यह शोध द लैंसेट में प्रकाशित हुआ है।

इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने मिडिल एज के लोगों के खून में अल्जाइमर से जुड़े कुछ खास बायोमार्कर्स की जांच की। इनमें खास तौर पर फॉस्फोराइलेटेड टाऊ और अमाइलॉइड-बीटा जैसे संकेतकों को देखा गया। ये ऐसे प्रोटीन हैं, जिनमें होने वाले बदलाव अल्जाइमर से जुड़ी दिमागी प्रक्रियाओं की ओर इशारा कर सकते हैं।

इस स्टडी में ऐसे लोगों को शामिल किया गया, जो अभी मिडिल एज में थे और जिनमें अल्जाइमर के स्पष्ट लक्षण जरूरी नहीं थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि कुछ लोगों में अल्जाइमर से जुड़ी न्यूरोपैथोलॉजी के संकेत पहले से मौजूद थे। हालांकि, ऐसे मामले आम नहीं थे।

जिन लोगों में ये बायोमार्कर्स अल्जाइमर से जुड़े पाए गए, उनमें सोचने-समझने और याददाश्त से जुड़े कुछ परीक्षणों में अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन देखने को मिला। यह संबंध उम्र, बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), किडनी की कार्यक्षमता और एपीओई जीन जैसे कई कारकों को ध्यान में रखने के बाद भी देखा गया।

शोध में यह भी संकेत मिला कि इन संबंधों में लिंग, एपीओई जीन और नस्लीय समूहों के अनुसार अंतर हो सकता है। कुछ विश्लेषणों में ब्लैक प्रतिभागियों, एपीओई 4 जीन वाले लोगों और महिलाओं में संबंध अधिक मजबूत दिखाई दिए, हालांकि यह हर तुलना में एक जैसा नहीं था।

अल्जाइमर की बीमारी के लक्षण सामने आने तक दिमाग में इससे जुड़े बदलाव काफी समय से चल रहे हो सकते हैं। ऐसे में अगर आसान और कम खर्चीले ब्लड टेस्ट से इन बदलावों का संकेत पहले मिल सके, तो भविष्य में डॉक्टरों को जोखिम वाले लोगों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति के लिए सामान्य ब्लड टेस्ट से अभी अल्जाइमर की निश्चित भविष्यवाणी की जा सकती है। यह रिसर्च शुरुआती पहचान की संभावनाओं को मजबूत करती है, लेकिन ऐसे टेस्ट के इस्तेमाल, सटीकता और क्लिनिकल उपयोग को लेकर अभी और अध्ययन की जरूरत है। फिर भी, स्टडी इस बात को मजबूती देती है कि अल्जाइमर केवल बुढ़ापे में अचानक शुरू होने वाली बीमारी नहीं है।

कर्नाटक : नकली दवाओं के रैकेट पर सरकार की बड़ी कार्रवाई, स्वास्थ्य विभाग ने उपभोक्ताओं को किया आगाह

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। बिदादी में नकली दवाओं के रैकेट का पता चलने के बाद राज्य सरकार की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग की ओर से फाइजर सी-एफ डिपो और आठ अन्य दवा लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को नागरिकों से अपील की कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी से ही वैध टैक्स इनवॉइस के साथ दवाएं खरीदें और संदिग्ध पैकेजिंग या लेबल पर क्यूआर कोड स्कैन न होने जैसी बातों की जानकारी ड्रग एनफोर्समेंट अधिकारियों को दें।

यह कार्रवाई 18 अगस्त को बेंगलुरु दक्षिण जिले के बिदादी में कुरुबाराकेरानाहल्ली के एक फार्महाउस पर कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (एफडीए) के ड्रग एनफोर्समेंट विंग द्वारा की गई छापेमारी के बाद की गई है। इस ऑपरेशन में कथित तौर पर बिना लाइसेंस के दवा की रीपैकेजिंग और रीलेबलिंग का रैकेट पकड़ा गया।

छापेमारी के दौरान लगभग 5.05 करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, मशीनरी और प्रिंटिंग सामग्री जब्त की गई। जब्त की गई सामग्री की इन्वेंट्री वैल्यू लगभग 4.91 करोड़ रुपये आंकी गई थी। शुरुआती जांच के अनुसार, पड़ोसी राज्यों से खरीदी गई सस्ती दवाओं को कथित तौर पर नई शीशियों में दोबारा पैक किया गया और उन पर ऐसे लेबल लगाए गए जिससे वे मल्टीनेशनल कंपनियों की महंगी जीवन रक्षक दवाओं जैसी दिखें, जिनमें फाइजर ब्रांड के उत्पाद भी शामिल थे।



अधिकारियों को संदिग्ध नकली लेबल पर क्यूआर और स्कैनिंग कोड भी मिले, जो जांचने पर काम नहीं कर रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि जब्त किए गए उत्पादों में कोई सक्रिय औषधीय तत्व नहीं होने, गलत सामग्री या संभावित रूप से हानिकारक पदार्थ होने का संदेह है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है।

ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। विभाग ने नकली दवाओं से संबंधित प्रावधान लागू किए हैं, जबकि देश भर के छह राज्यों में पूरी सप्लाई चेन की पहचानने और उसका पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

नकली दवाओं के वितरण और बिक्री में कथित तौर पर शामिल खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं की जांच के हिस्से के रूप में, 16 दवा लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं और आठ लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक के केम्पलिंगनाहल्ली में स्थित फाइजर सी-एफ डिपो का लाइसेंस भी निलंबित कर दिया गया है।

विभाग ने कर्नाटक एफडीए पोर्टल पर जब्त दवाओं के बैच नंबर और एंट्री को ब्लॉक कर दिया है, जिससे कि उनकी आगे बिक्री या वितरण को रोका जा सके। जब्त उत्पादों के नमूने भी प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए भेजे गए हैं ।

बांग्लादेश : डेंगू से सितंबर में सबसे ज्यादा मौतें, 87 ने तोड़ा दम

विश्व केसरी ■

ढाका। बांग्लादेश में सितंबर में अब तक डेंगू से 87 लोगों की मौत हो चुकी है, जो इस साल डेंगू से होने वाली मौतों का सबसे ज्यादा मासिक आंकड़ा है।

बांग्लादेश में रविवार सुबह 8:00 बजे तक पिछले 24 घंटों में डेंगू से छह और लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही, इस साल देश में डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या 184 हो गई है। यह जानकारी स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने दी।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के डीजीएचएस आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 1,593 नए मामले सामने आने के बाद, जनवरी से अब तक डेंगू के कन्फर्म मामलों की संख्या बढ़कर 61,972 हो गई है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल हुई मौतों में सितंबर में अब तक 87, अगस्त में 43, जुलाई में 36 और जून में 13 मौतें शामिल हैं।

डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने मच्छर से फैलने वाली इस बीमारी से 20,536 लोग संक्रमित हुए थे, जबकि सितंबर के पहले 20 दिनों में डेंगू के 26,126 और मामले दर्ज किए गए। बांग्लादेश सरकार ने इस बीमारी को रोकने के लिए इस महीने की शुरुआत में तीन महीने का अभियान शुरू किया था।

डेंगू बुखार, जो एडीज मच्छरों से फैलने वाली एक वायरल बीमारी है, एक गंभीर बीमारी का कारण बनता है। इसके लक्षणों में आमतौर पर सिरदर्द, तेज बुखार, थकान, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द, ग्रंथियों में सूजन, उल्टी और रैशेज (त्वचा पर चकत्ते) शामिल हैं।

इस बीच, बांग्लादेश के दैनिक समाचार पत्र 'प्रोथोम आलो' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, डेंगू देश के सभी 64 जिलों में फैल चुका है। मच्छर से फैलने वाली इस बीमारी की चपेट में आने के बाद हर दिन सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है।

दिल को रखना है मजबूत तो अपनाएं ये योगासन

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, गलत खान-पान और तनाव के कारण हृदय रोगों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में अपनी दिनचर्या में सुधार लाना बेहद जरूरी है, जिनमें योगासन बेहद जरूरी होता है। योग एक ऐसी प्राचीन पद्धति है जो न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि दिल को भी मजबूत बनाती है। नियमित योगासन करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, तनाव कम होता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

ताड़ासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, वीरभद्रासन, गोमुखासन, अधोमुख श्वानासन, भुजंगासन, विपरीतकरणी आसन, मत्स्यासन, नाड़ीशोधन प्राणायम जैसे योगासन करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

ताड़ासन: सीधे खड़े होकर हाथों को ऊपर की ओर खींचने वाला योगासन है, जो शरीर का संतुलन सुधारता है और रक्त संचार को बेदतर करने में मदद करता है, जिससे हृदय और मांसपेशियों को सही पोषण मिलता है और मांसपेशियों को सही पोषण मिलता है।

अर्धचक्रासन: अर्धचक्रासन छाती और फेफड़ों को फैलाकर हृदय क्षेत्र को खोलता है, जिससे रक्त संचार और ऑक्सीजन का स्तर बेहतर होता है। गहरी सांस लेने की प्रक्रिया से तंत्रिका तंत्र शांत होता है, जिससे दिल पर मानसिक तनाव का असर कम होता है।

त्रिकोणासन: नियमित अभ्यास से हृदय प्रणाली सक्रिय होती है, जिससे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायता मिलती है। लंबी और गहरी सांसों के साथ इसे करने से मानसिक तनाव और चिंता कम होती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से हृदय को स्वस्थ रखता है।

पेशाब में जलन को न करें नजरअंदाज, यह लक्षण दिखें तो हो सकता है यूटीआई

विश्व केसरी ■

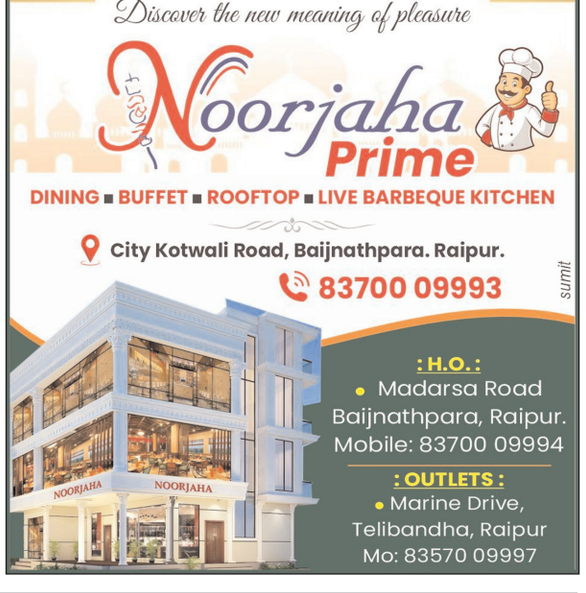
नई दिल्ली। हमारा शरीर जब किसी परेशानी से गुजरता है तो कई बार पहले ही छोटे-छोटे संकेत देने लगता है। बस जरूरत होती है उन संकेतों को समझने की। जैसे अचानक बहुत ज्यादा थकान होना, भूख कम लगना या पेट खराब रहना किसी परेशानी की ओर इशारा कर सकता है। इसी तरह पेशाब करने के तरीके में बदलाव भी शरीर का एक जरूरी संकेत हो सकता है।

अगर कुछ दिनों से पेशाब करते समय जलन हो रही है, बार-बार पेशाब लग रहा है या पेशाब करने के बाद भी ऐसा लग रहा है कि अभी और पेशाब बाकी है, तो इसे सामान्य समझकर टालना ठीक नहीं है। कई बार इसकी वजह कम पानी पीना हो सकती है, लेकिन कुछ मामलों में ये यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन यानी यूटीआई का संकेत भी हो सकता है।

यूटीआई यानी पेशाब की नली और उससे जुड़े अंगों में होने वाला संक्रमण है।







खिलाड़ी खेल से बनाएं करियर: वन मंत्री कश्यप

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। खेल परिसर जगदलपुर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 का शनिवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वन मंत्री केदार कश्यप रहे, जबकि अध्यक्षता जगदलपुर महापौर संजय पांडे ने की। पांच संभागों से पहुंचे करीब 700 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तीन खेलों एथलेटिक्स, हैंडबॉल और रग्बी के बालक, बालिका के विभिन्न आयु वर्गों में हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बस्तर संभाग ने ऑल ओवर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। हैंडबॉल बालक अंडर-17 वर्ग में बस्तर संभाग प्रथम, रायपुर द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहे। हैंडबॉल बालिका अंडर-17 में भी बस्तर ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सरगुजा द्वितीय और रायपुर तृतीय रहे।

रग्बी बालक अंडर-17 में बिलासपुर प्रथम, रायपुर द्वितीय और बस्तर तृतीय स्थान पर रहे। रग्बी बालिका अंडर-17 में रायपुर प्रथम, बस्तर द्वितीय और दुर्ग तृतीय रहे। इन परिणामों के आधार पर बस्तर संभाग ने ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल कर प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।



मैदान तक ही सीमित नहीं है खेल: कश्यप

मुख्य अतिथि वन मंत्री केदार कश्यप ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के लिए एक बेहतर करियर का रास्ता भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार किसी एक खेल को चुनकर लगातार अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि मैदान में जीत के लिए मेहनत जितनी जरूरी है, जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन और धैर्य भी उतना ही जरूरी है। हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर अपनी कमियों को दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव और दूरस्थ अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। कश्यप ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बस्तर की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। यहां के खिलाड़ी यदि सही प्रशिक्षण और अवसर के साथ आगे बढ़ें तो राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर : संजय पांडे

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर संजय पांडे ने कहा कि जगदलपुर में इतनी बड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन शहर के लिए गौरव की बात है। प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों ने यहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को भी मजबूत करता है। महापौर पांडे ने कहा कि बस्तर में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आवश्यकता है कि इन प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के अवसर मिलते रहें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का स्वागत करते हुए सफल आयोजन के लिए शिक्षा एवं खेल विभाग को बधाई दी।

बस्तरिहा संस्कृति की झलक

समापन अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यार्थियों एवं कलाकारों ने बस्तर की लोक संस्कृति, पारंपरिक नृत्य, लोक संगीत और कला पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों की प्रस्तुतियों ने पूरे खेल परिसर को बस्तर की संस्कृति से सराबोर कर दिया।

खिलाड़ियों और दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

समारोह में जिला पंचायत सभापति खेल एवं युवा कल्याण विभाग वनवासी मौर्य, जिला आयुक्त स्काउट एवं गाइड सुरेश गुप्ता, एमआईसी सदस्य संग्राम सिंह राणा, नरसिंग राव, संयुक्त संचालक शिक्षा एचआर सोम, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, डीएमसी अशोक पांडे, क्रीड़ा अधिकारी डी. कैमरो, वेदप्रकाश सोनी, जोगेंद्र ठाकुर, प्रदीप राव एवं संभागीय क्रीड़ा अधिकारी रविंद्र पटनायक सहित शिक्षा एवं खेल विभाग के अधिकारी, प्रशिक्षक, निर्णायक, खिलाड़ी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बस्तर संभाग की ऑल ओवर चैंपियनशिप के साथ खेल परिसर में आयोजित चार दिवसीय खेल महाकुंभ का उत्साहपूर्ण समापन हुआ।

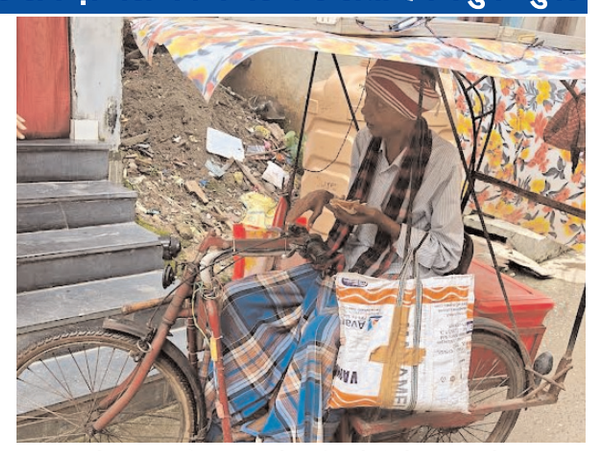
सरकारी बैटरी चलित सायकल ने बढ़ा दी भीख की आमदनी!

अब ज्यादा इलाकों और सैकड़ों घरों को कवर कर लेता है भिक्षुक सुंदर

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। सुशासन सरकार में व्यवस्था इतनी अच्छी है कि अब दिव्यांगों को भिक्षा मांगने के बैटरी चलित वाहन दिया जाने लगा है। जगदलपुर में एक ऐसा ही भिक्षुक है सुंदर। सुंदर को भी शासन की योजना के तहत बैटरी चलित ट्राईसाइकिल मिली है। इस साइकिल के जरिए सुंदर अब शहर के कई इलाकों और सैकड़ों घरों को कवर करने लगा है। इससे उसकी कमाई में खासा इजाफा हुआ है। सुंदर और उसकी पत्नी को दिव्यांग पेंशन के साथ ही सभी सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलता है, फिर भी वह अपने मूल रोजगार को छोड़ नहीं रहा है।

जगदलपुर शहर में भीख मांगने निकले सुंदर ने बताया कि वह शहर के अटल आवास क्षेत्र में निवास करता है उसे दिव्यांग पेंशन भी मिलती है। अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ के साथ मुफ्त अनाज भी मिलता है। उसकी पत्नी दूसरों के घरों में बर्तन, झाड़ू पोंछा का काम करती है और उसे भी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उसके बच्चे अब बड़े होकर दूसरी जगह अपने परिवार के साथ रहने लगे हैं। उससे जब पूछा गया कि जब सभी सुविधाएं मिलती हैं, तो भीख मांगने का काम क्यों करते हो, इस पर उसने कहा- सरकार अपना कार्य कर रही है, मैं अपना काम कर रहा हूं। सुंदर ने बताया कि बैटरी चलित साइकिल से अब वह करीब दो सौ घरों में दस्तक देने लगा है। पहले वह इससे बहुत कम घरों तक पहुंच पाता था। अब वह करीब पांच सौ से सात सौ रुपए रोज कमा लेता है। कुछ घरों में कैश और अनाज के अलावा तैयार भोजन भी मिल जाता है, जिसे वह पत्नी के साथ खाता है। वहीं भीख में मिले अनाज को वह इकट्ठा कर बेच देता है। पति पत्नी के नाम ग्रामीण बैंक में एक खाता है और प्रति सप्ताह एक निश्चित रकम पोस्ट ऑफिस की योजना में भी दोनों जमा करते हैं। यह कहने पर कि कुल मिलाकर खुशहाल परिवार है तुम्हारा, सुंदर ने कहा - अरे कहां साहब, कुछ लोग इज्जत से पेश आते हैं, तो कहीं कहीं दुत्कार भी सहनी पड़ती है। खासकर महिलाओं के ताने बहुत सुनने पड़ते हैं। उसने बताया कि करीब दो दर्जन लोग इसी व्यवस्था के साथ शहर में भिक्षाटन कार्य कर खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं।



डोलकल पहाड़ी के स्वरूप में सजी गणेश प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नगर से जुड़े छोटे से मोहल्ले पुराना दूध डेयरीपारा, छोटा नारायणपुर के बच्चों ने इस वर्ष गणेशोत्सव में 11वीं शताब्दी की प्रसिद्ध डोलकल पहाड़ी पर विराजमान भगवान श्रीगणेश की प्राचीन प्रतिमा का स्वरूप तैयार किया है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।



बच्चों द्वारा तैयार की गई प्रतिमा और डोलकल पहाड़ी की प्रतिकृति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानो श्रद्धालु स्वयं डोलकल पहाड़ी पर पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हों। बताया गया कि बच्चों द्वारा पिछले 11 वर्षों से गणेशोत्सव के अवसर पर इस तरह की आकर्षक झांकियां एवं प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं।

श्री गणेश उत्सव समिति, छोटा नारायणपुर ने इस प्रयास को सफल बनाने में सहयोग देने वाले नगर के सभी अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारियों एवं मोहल्लेवासियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

नन्हे हाथों में गणेशोत्सव की कमान, 11 माह के राकेश अध्यक्ष तो 7 साल के राहुल कोषाध्यक्ष

विश्व केसरी■

केशकाल (चिराग उपाध्याय)। गणेशोत्सव के अवसर पर केशकाल नगर में बच्चों की भक्ति और उत्साह का अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है। जहां आमतौर पर धार्मिक आयोजनों की जिम्मेदारी बड़े लोग संभालते हैं, वहीं इस बार बच्चों ने भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर पूरे आयोजन की जिम्मेदारी अपने नन्हे कंधों पर ली है।



नगर के साहड़ा देव स्थल के सामने बच्चों द्वारा मिलकर गणेश प्रतिमा स्थापित किए जाने से आसपास का माहौल भक्तिमय हो गया है। इस आयोजन की सबसे खास और आकर्षक बात समिति की पदाधिकारियों की उम्र है। मात्र 11 माह के नन्हे राकेश को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं 3 वर्षीय सुरेश को उपाध्यक्ष और 7 वर्षीय राहुल कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इतनी कम उम्र में बच्चों को समिति के महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी दिया जाना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बच्चों ने उत्साह के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा विराजित की और पूजा-अर्चना कर गणेशोत्सव का शुभारंभ किया। प्रतिदिन भगवान गणेश की आरती एवं पूजा में बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा एक साथ बैठकर आरती करने और गणपति बप्पा के जयकारे लगाने का दृश्य लोगों को खूब आकर्षित कर रहा है।

संस्कार और सहभागिता का संदेश-बच्चों द्वारा आयोजित यह गणेशोत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से उनमें आपसी सहयोग, सामूहिकता, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास भी नजर आ रहा है। बड़े-बुजुर्गों के मार्गदर्शन में बच्चे आयोजन की विभिन्न गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। गणेशोत्सव के दौरान बच्चों में भगवान श्रीगणेश के प्रति आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति जुड़ाव भी देखने को मिल रहा है। नन्हे अध्यक्ष राकेश, उपाध्यक्ष सुरेश और कोषाध्यक्ष राहुल के नाम और उनकी उम्र सुनकर लोग भी मुस्कुराते हुए बच्चों के इस अनोखे आयोजन की सराहना कर रहे हैं।

करंट तार की चपेट में आकर बच्ची की मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम बनियागांव के जामकोनाड़ी पारा में सोमवार सुबह करीब 6 बजे खेत में लगाए करंट तार की चपेट में आने से 12 वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्ची फुटू निकालने के लिए खेत गई थी। खेत मालिक किसान द्वारा जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए लगाए गए झटका मशीन के तार में कथित तौर पर सीधे बिजली लाइन से करंट प्रवाहित किया गया था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जुड़वनिया नाला अतिक्रमण पर नगर पालिका ने चलाया अभियान

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिला मुख्यालय के साप्ताहिक बाजार के समीप जुड़वनिया नाला क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका परिषद ने कार्रवाई करते हुए व्यवसायिक गतिविधियों की आड़ में किए जा रहे पक्के निर्माण को हटाकर नाले की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी दीपक एक्का के संज्ञान में मामला आने के बाद नगर पालिका अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया।



जानकारी के अनुसार साप्ताहिक बाजार के समीप मुर्गा-मटन व्यवसाय से जुड़े कुछ व्यवसायियों द्वारा अपने कारोबार के लिए जुड़वनिया नाले की ओर पक्का निर्माण कर स्थान का उपयोग किया जा रहा था। इससे नाले के प्राकृतिक स्वरूप और जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बन रही थी। मामले की जानकारी मिलने पर CMO दीपक एक्का ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर पालिका कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के बाद नगर पालिका अमला मौके पर पहुंचा और नाले की ओर किए गए पक्के निर्माण तथा अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के बाद नाले के हिस्से को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। नगर पालिका की इस कार्रवाई को शहर में नाला एवं सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बारहमासी पानी का बहाव, अतिक्रमण से बढ़ रहा था खतरा

बताया जाता है कि जुड़वानया नाला जीवित नाला है और इसमें वर्षभर पानी का बहाव बना रहता है। ऐसे में नाले के आसपास पक्का निर्माण अथवा अतिक्रमण होने से जल प्रवाह प्रभावित होने के साथ बारिश के दौरान जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। नगर पालिका की कार्रवाई से नाले के जल प्रवाह क्षेत्र को राहत मिलने की उम्मीद है। CMO दीपक एक्का की निगरानी में की गई कार्रवाई के दौरान नगर पालिका अमले ने मौके की स्थिति का जायजा लिया और अतिक्रमण वाले हिस्से को खाली कराया। कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य नाले के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना और सार्वजनिक उपयोग की भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखना बताया गया।

महार समाज महिला मोर्चा की नई टीम गठित

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। महार समाज महिला मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन 20 सितंबर को डॉ. अंबेडकर मंगल भवन में सर्वसम्मति से किया गया। कार्यक्रम में जिले के चारों विकासखंडों से समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ हुई।



नई कार्यकारिणी के गठन से पहले समाज के संरक्षक एवं पदाधिकारियों डीएस राम, डी. नागेश्वर, जी. मल्लाराम, आरडी झाड़ी, जय हिंद लाटकर, मल्लैया दुर्गम, प्रकाश कावरे, राजेंद्र झाड़ी, जे. चिन्नना, देवेंद्र झाड़ी और कैलाश रामटेके ने महिलाओं को संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और समाज के विकास में महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। सर्वसम्मति से सत्या गांधरला को अध्यक्ष चुना गया। राधा झाड़ी जुमड़े, रमा मोरला, रामजया मरकेला और सम्मका पाटनकर को उपाध्यक्ष बनाया गया। लक्ष्मी वैध को सचिव तथा उर्मिला दुर्गम, सुशीला सुन्नम, कृष्णावेणी जंगम और रुचि झाड़ी को सह सचिव की जिम्मेदारी मिली। लालेश्वरी दुर्गम को संगठन सचिव, सुनीता गांधरला को कोषाध्यक्ष तथा कमला झाड़ी, सुमित्रा केजी और कुम्मर सुनीता को उपकोषाध्यक्ष बनाया गया।

पुराने पदाधिकारियों को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए समाज के उत्थान के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन केडी झाड़ी ने किया।

धर्म परिवर्तन को लेकर भंडारडिगी में विवाद परिवार को गांव से बाहर करने के आरोप

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। विकासखंड दुर्गूकोंदल में एक बार फिर धर्म परिवर्तन को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम भंडारडिगी में धर्म परिवर्तन करने वाले एक परिवार को कथित तौर पर गांव से बाहर निकालने और उनके घर का सामान बाहर रखे जाने की घटना को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। घटना की जानकारी सामने आने के बाद गांव में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।



मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम भंडारडिगी में एक परिवार द्वारा धर्म परिवर्तन किए जाने को लेकर कुछ ग्रामीणों में नाराजगी थी। इसी बीच परिवार को गांव से बाहर किए जाने का मामला सामने आया। आरोप है कि परिवार के घर का सामान बाहर निकालकर उन्हें गांव छोड़ने के लिए कहा गया। इस घटना को लेकर परिवार और ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति बन गई।

घटना के बाद प्रशासन अलर्ट, मौके पर अधिकारियों की मौजूदगी- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। भानुप्रतापपुर एसडीएम गंगाधर वाहिले, उप पुलिस अधीक्षक कांकेर आकाश श्रीमाल, तहसीलदार दुर्गूकोंदल सुरेंद्र उर्वशा, दुर्गूकोंदल थाना प्रभारी सुनील दुबे एवं भानुप्रतापपुर थाना प्रभारी अंबार सिंह भारद्वाज मौके पर उपस्थित हैं। अधिकारियों द्वारा स्थिति का जायजा लेते हुए मामले को शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुरानी पेंशन और वेतन विसंगति को लेकर शिक्षक संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर टीईटी अध्यादेश लागू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, पदोन्नति एवं वेतन विसंगति दूर करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट एवं भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नाग को ज्ञापन सौंपा।



सर्व शिक्षक संघ के सह संचालक कैलाश रामटेके ने बताया कि 19 सितंबर को जिले के शिक्षक संगठनों ने एकजुटता का परिचय देते हुए टीईटी अध्यादेश की मांग रखी। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने ज्ञापन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए इसे प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रेषित किया। उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों से सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजने की अपील की।

ज्ञापन में शिक्षा का अधिकार अधिनियम वर्ष 2010 से लागू होने के आधार पर टीईटी संबंधी प्रावधानों को उसी समय से लागू करने की मांग की गई। साथ ही पुरानी पेंशन, पदोन्नति और वेतन विसंगति दूर करने की मांग भी रखी गई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251